जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

Page 11

खेल

भारत दक्षिण अफ्रीका : पहला टेस्ट, जसप्रीत बुमराह ने खोला पंजा, साउथ अफ्रीका पहली पारी में...

Page 09

देश

पुणे जमीन विवाद में अंजलि दमानिया ने डिप्टी सीएम अजीत पवार से मांगा इस्तीफा

कृष्ण पक्ष, उत्तर फाल्गुनी, विक्रम संवत् 2082

• औरंगाबाद • शनिवार • 15 नवम्बर 2025 • वर्ष 27 • अंक 334 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,17,200	₹ 1,73,100

आज का इतिहास

1886 : भारत की शीर्ष महिला टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा का जन्म महाराष्ट्र राज्य के मुंबई शहर में हुआ।

2000 : झारखंड भारत का 28वां राज्य बना।

न्यूज बाइट्स

नरेन्द्र मोदी आज करेंगे एमएएचएसआर कार्य प्रगति की समीक्षा

नई दिल्ली (ए.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को गुजरात के सूरत में मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर (एमएएचएसआर) की कार्य प्रगति की समीक्षा करेंगे। रेलवे की ओर से शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति बताया गया है कि श्री मोदी 15 नवंबर को गुजरात का दौरे पर रहेंगे और सुबह लगभग 10 बजे सूरत में निर्माणाधीन बुलेट ट्रेन स्टेशन का दौरा करेंगे और मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर (एमएएचएसआर) की प्रगति की समीक्षा करेंगे। रेलवे के अनुसार यह भारत की सबसे महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में से एक है और देश के हाई-स्पीड कनेक्टिविटी के युग में प्रवेश का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री ने नेहरू की 136वीं जयंती पर उन्हें दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (ए.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को उनकी 136वीं जयंती पर शुक्रवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया 'एक्स ' पर अपनी एक पोस्ट साझा करते हुए लिखाः 'पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी को उनकी जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि।

व्यापार मेले में नाइक ने किया बिजली मंत्रालय के मंडप का उद्घाटन

नई दिल्ली (ए.)। विद्युत राज्य मंत्री श्रीपद वाई. नाइक ने भारत मंडपम में आयोजित 44वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में शुक्रवार को मंत्रालय के मंडप का उद्घाटन किया। ऊर्जा मंत्रालय इस पवेलियन के माध्यम से यहां प्रगति मैदान में 14 से 27 नवंबर तक चलने वाले अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में देश के सात विद्युत सार्वजनिक उपक्रमों की ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र तथा विद्युत क्षेत्र में देश की प्रगति को उजागर करेगा। उनका कहना था कि देश के आम नागरिकों इस मंडप पर आना चाहिए और इसके जरिए इन उपक्रमों के महत्व के बारे में जानकारी मिल सकेगी।

एक बार फिर बिहार में एनडीए के बहार

एनडीए 192 पर जीती व 10 पर आगे, महागठबंधन 32 पर जीती व तीन पर आगे, एवं अन्य पांच सीटों पर जीतें व एक पर आगे

निज संवाददाता | पटना

बिहार विधानसभा चुनाव की तस्वीर पूरी तरह साफ हो गई है। 243 में से एनडीए 192 सीटें जीत चुकी है और 10 पर आगे है, जबकि महागठबंधन 32 सीटों पर जीत और 3 पर आगे चल रहा है। वहीं अन्य दल 5 सीटें जीतकर एक पर बढ़त बनाए हुए हैं। यह नतीजे स्पष्ट कर रहे हैं कि चुनावी मैदान में जनता ने एनडीए के नेतृत्व और सुशासन पर भरोसा फिर से जताया है।

2020 के मुकाबले यह चुनाव राजनीतिक परिदृश्य में बड़े बदलाव का संकेत दे रहा है। एनडीए को 75+ सीटों का फायदा मिला है, जबकि महागठबंधन समान अनुपात में नुकसान झेल रहा है। पिछली बार 43 सीटों तक सीमित रही जदयू अब 80 से अधिक सीटों पर विजयी रही है। वहीं 89 सीटों के साथ भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरकर सामने आई है। दूसरी तरफ राजद महज 24 सीटों पर ही संघर्षरत है और अपने सबसे कमजोर प्रदर्शन के करीब पहुंच गई है।

बड़े चेहरों में राघोपुर से तेजस्वी यादव लगभग 12 हजार वोटों से जीत चुके हैं, जबकि उनके भाई तेजप्रताप यादव महुआ से हार गए। हार के बाद जेजेडी के फेसबुक पेज से विवादित पोस्ट में लिखा गया— "तेजस्वी फेलस्वी हो गया मोदी विश्व के मजबूत नेता हैं, एनडीए को उसकी एकता ने जिताया।"

महागठबंधन में राजद 26 और कांग्रेस 6 सीटों पर आगे रही, जबकि जन सुराज और वीआईपी का खाता नहीं खुल सका।

निर्दलीय और अन्य कुल 6 सीटों पर पकड़ बनाए हुए हैं।

रुझानों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए इस जीत को "सुशासन की विजय" बताया। दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में स्वागत के दौरान पीएम मोदी ने बिहारी शैली में गमछा लहराकर कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया। संबोधन की शुरुआत छठी मइया के जयकारे से करते हुए उन्होंने कहा— "बिहार के लोगों ने गर्दा उड़ा दिया है। बिहार में अब कट्टा और जंगलराज की सरकार नहीं आने वाली। जनता ने विकास और स्थिरता को चुना है।" पीएम मोदी ने स्पष्ट किया कि यह चुनाव परिणाम 'महिला और यूथ फॉर्मूला' की जीत है और आने वाले दिनों में विकास योजनाओं में महिलाओं और युवाओं की केंद्रीय भूमिका होगी। अंततः नतीजों ने साफ कर दिया है कि बिहार की राजनीति निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। सत्ता एक बार फिर एनडीए के पास है और राज्य अगले पांच वर्षों में विकास की किस रफ्तार से आगे बढ़ेगा, देश की निगाहें वहीं टिकी हैं।

'विकसित बिहार' में विश्वास रखने वाले हर नागरिक की हुई है जीत : अमित शाह

गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत को प्रदर्शन की राजनीति की जीत बताते हुए कहा है कि तुष्टीकरण की राजनीति कर लोगों को गुमराह करने वालों को बिहार की जनता ने करारा जवाब दिया है और कहा है कि यह विकसित बिहार में विश्वास रखने वाले हर बिहारवासी की जीत है। श्री शाह ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यह विकसित बिहार में विश्वास रखने वाले हर बिहारवासी की जीत है।

देश के सबसे ज्यादा विकसित राज्यों में शामिल होगा बिहार : सीएम नीतीश कुमार

चुनाव परिणाम आने के बाद सीएम नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट कर लोगों को धन्यवाद दिया है। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, "बिहार विधान सभा चुनाव-2025 में राज्यवासियों ने हमें भारी बहुमत देकर हमारी सरकार के प्रति विश्वास जताया है। इसके लिए राज्य के सभी सम्मानित मतदाताओं को मेरा नमन, हृदय से आभार एवं धन्यवाद और कहा कि आप सबके सहयोग से बिहार और आगे बढ़ेगा तथा बिहार देश के सबसे ज्यादा विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल होगा।

पीएम ने प्रचंड जनादेश को विकास और सुशासन की जीत बताया

यह शक्ति हमें नए संकल्प के साथ जनता की सेवा करने को प्रेरित करेगी : पीएम

- युवाओं के लिए रोजगार व अवसरों के नए द्वार खोले जाएंगे
- महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा

बिहार के विकास को लेकर बड़ा वादा

मोदी ने कहा कि यह जीत उत्साह और समर्पण के साथ जनता की सेवा करने का अवसर है। उन्होंने संकेत दिया कि आने वाले समय में बिहार में विकास कार्यों की रफ्तार और बढ़ेगी।

एजेंसी | नयी दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को मिले ऐतिहासिक जनादेश पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे सुशासन, विकास, सामाजिक न्याय और जन-कल्याण की जीत करार दिया। उन्होंने कहा कि जनता ने जिस अभूतपूर्व समर्थन के साथ राजग को जीत दिलाई है, वह आने वाले समय में गठबंधन को नई ऊर्जा और संकल्प के साथ जनता की सेवा करने की शक्ति देगा। मोदी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए बिहार की जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि "सुशासन की जीत हुई है। विकास की जीत हुई है। जन-कल्याण की भावना की जीत हुई है। सामाजिक न्याय की जीत हुई है। बिहार के मेरे परिवारजनों का बहुत-बहुत आभार, जिन्होंने 2025 के विधानसभा चुनावों में राजग को ऐतिहासिक और अभूतपूर्व जीत का आशीर्वाद दिया है।"

उन्होंने आगे कहा कि यह प्रचंड जनादेश जनता-जनार्दन की सेवा और बिहार के लिए नए संकल्प के साथ काम करने की शक्ति प्रदान करता है।

मोदी ने राजग कार्यकर्ताओं के कठिन चुनावी परिश्रम की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं ने लगातार जनता के बीच जाकर सरकार के विकास एजेंडे को रखा और विपक्ष के हर आरोप एवं झूठ का मजबूती से जवाब दिया। उन्होंने लिखा कि वह प्रत्येक कार्यकर्ता के प्रयासों की हृदय से प्रशंसा करते हैं, क्योंकि उनकी मेहनत ने ही जीत को संभव बनाया है।

जनसुराज को नहीं मिली एक भी सीट, 98 फीसदी उम्मीदवारों की जमानत जब्त

निज संवाददाता | पटना

2025 के विधानसभा चुनाव में जन सुराज को करारी हार का सामना करना पड़ा है। पार्टी एक भी सीट नहीं जीत सकी और उसका खाता तक नहीं खुला। लगभग 98 प्रतिशत उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो चुकी है, जिससे साफ संकेत मिलता है कि मतदाताओं ने इस चुनाव में किसी भी तरह के असमंजस को जगह नहीं दी और निर्णायक रूप से स्थिर सरकार के पक्ष में मतदान किया। इस चुनाव परिणाम में एनडीए को दो तिहाई से अधिक का जनादेश मिलना भी इसी तथ्य की पुष्टि करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि राज्य की जनता ने विकास और स्थिरता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और ऐसा राजनीतिक गठबंधन चुना जो सत्ता में ठोस और निर्बाध शासन दे सके। दूसरी ओर, जन सुराज की तरफ से चुनाव में कोई कसर नहीं छोड़ी गई। पार्टी ने

243 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की घोषणा की और 239 सीटों पर चुनाव भी लड़ा। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में जाकर पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में दिन-रात प्रचार किया और व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया। इसके बावजूद परिणाम उम्मीद के विपरीत रहे और पार्टी जनता में वह भरोसा उत्पन्न करने में सफल नहीं हो सकी जिसकी उसे आवश्यकता थी।

जानकारों का कहना है कि प्रशांत किशोर की लोकप्रियता और जनसंपर्क कौशल को मतदाता स्वीकार तो करते हैं, लेकिन उन्हें सरकार चलाने की स्थायित्व क्षमता के रूप में नहीं देखते। दूसरी ओर, जनता को यह स्पष्ट दिखाई दे रहा था कि कौन-सा गठबंधन बहुमत जुटाने और स्थिर सरकार देने में सफल हो सकता है। मतदाताओं ने इसी आकलन को प्राथमिकता दी और मतदान बहुत सोच-समझकर किया। इसी बीच, जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर की ओर से जानकारी दी गई है कि 16 नवंबर को वे प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विधानसभा चुनाव परिणामों पर अपना आधिकारिक रुख और पार्टी की भविष्य की रणनीति साझा करेंगे। राजनीतिक विश्लेषकों की नजरें अब इस पर टिकी हैं कि पार्टी आगे क्या नया रुख या संगठनात्मक दिशा अपनाती है।

चुनाव परिणामों ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि बिहार का मतदाता अब राजनीतिक विकल्पों को लेकर अधिक जागरूक हो चुका है।

तेजस्वी ने तीसरी बार राघोपुर में दिखाया अपना 'तेज'

पटना(नि.सं.)। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों के बीच जहां पूरे राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की आंधी चली, वहीं राघोपुर सीट ने एक बार फिर राष्ट्रीय जनता दल को राहत का संदेश दिया। महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने राघोपुर से लगातार तीसरी बार जीत दर्ज करते हुए अपना राजनीतिक दबदबा फिर साबित किया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार सतीश कुमार को 14,532 मतों से पराजित किया। तेजस्वी को कुल 1,18,597 वोट मिले जबकि सतीश कुमार 1,04,065 वोट ही हासिल कर सके। राघोपुर सीट तेजस्वी यादव के लिए केवल चुनावी क्षेत्र भर नहीं, बल्कि राजनीतिक पहचान का प्रतीक भी मानी जाती है। इस सीट पर लंबे समय से राष्ट्रीय जनता दल का प्रभाव रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी की विरासत वाली इस सीट पर इस बार भी वोटरों ने राजद के प्रति अपना भरोसा कायम रखा।

अक्टूबर में थोक मुद्रास्फीति 1.21% नीचे, जीएसटी दरों में कटौती और खाद्य वस्तुओं के सस्ते होने का असर

एजेंसी | नयी दिल्ली

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अक्टूबर माह महत्वपूर्ण संकेत लेकर आया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति की दर अक्टूबर में घटकर शून्य से 1.21 प्रतिशत नीचे दर्ज की गई। यह गिरावट सितंबर में दर्ज 0.13 प्रतिशत और अगस्त के 0.52 प्रतिशत की तुलना में कहीं अधिक गहरी रही। लगातार तीसरे महीने थोक महंगाई शून्य से नीचे रहने से बाजार में कीमतों के दबाव में नरमी का संकेत मिला है। विशेषज्ञों के अनुसार इस गिरावट का सबसे बड़ा कारण खाद्य वस्तुओं पर 22 सितंबर से लागू जीएसटी संरचना में व्यापक बदलाव है। सरकार द्वारा अधिकांश खाद्य पदार्थों पर कर दरें घटाकर शून्य या 5 प्रतिशत करने के बाद थोक स्तर पर कीमतों में भारी कमी दर्ज की गई। मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि खाद्य सामग्रियों की थोक महंगाई

शून्य से 5.04 प्रतिशत नीचे आ गई जो पिछले वर्षों की तुलना में अत्यंत उल्लेखनीय है। अक्टूबर में सब्जियों के दामों में तीखी गिरावट जारी रही— हरी सब्जियां 35 प्रतिशत, आलू 40 प्रतिशत और प्याज 65 प्रतिशत तक सस्ते हुए। दालों के दाम 16 प्रतिशत और फलों के दाम सात प्रतिशत गिरे। केवल खाद्य उत्पाद ही नहीं, तेल और ऊर्जा श्रेणी में भी कीमतों में कमी आई। रसोई गैस सिलेंडर 9.5 प्रतिशत, पेट्रोल 2.6 प्रतिशत और डीजल 1.9 प्रतिशत सस्ता हुआ, जिसने थोक मुद्रास्फीति को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हालांकि विशेषज्ञ इस गिरावट की व्याख्या केवल कर सुधारों तक सीमित नहीं बताते। उनका कहना है कि वैश्विक बाजारों में तेल, धातुओं और कृषि उत्पादों में स्थिरता तथा घरेलू आपूर्ति में सुधार भी दबाव कम होने के प्रमुख कारण रहे। कई विश्लेषकों का विश्वास है कि यदि खाद्य आपूर्ति श्रृंखला स्थिर रहती है और वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में अप्रत्याशित उछाल नहीं आता, तो थोक महंगाई आने वाले महीनों में भी नियंत्रण में रह सकती है। थोक मुद्रास्फीति में आई गिरावट का प्रत्यक्ष असर आम उपभोक्ताओं पर भी पड़ने की उम्मीद है। खुदरा मुद्रास्फीति (सीपीआई) पहले ही घटकर 0.25 प्रतिशत पर आ चुकी है, जिसका मतलब है कि बाजारों में सामान्य उपभोक्ता के स्तर पर भी कीमतों का दबाव कम महसूस होने लगा है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि थोक और खुदरा दोनों स्तरों पर कीमतों के स्थिर रहने से उपभोक्ता खर्च बढ़ने की संभावना है, जो आर्थिक गतिविधियों को गति दे सकता है।

बिहार चुनाव परिणाम वाले दिन खत्म हुआ किसानों का इंतजार

पीएम किसान योजना की 21वीं किस्त 19 नवंबर को होगी जारी

एजेंसी | नई दिल्ली

पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 21वीं किस्त का इंतजार कर रहे करोड़ों किसानों के लिए राहतभरी खबर आ गई है। केंद्र सरकार ने घोषणा कर दी है कि 19 नवंबर को किसानों के खातों में दो-दो हजार रुपये की राशि ट्रांसफर की जाएगी। इस जानकारी की पुष्टि योजना के आधिकारिक एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट के माध्यम से की गई। सरकार द्वारा साझा किए गए पोस्ट में कहा गया है कि "पीएम-किसान की

21वीं किस्त का हस्तांतरण दिनांक — 19 नवंबर 2025"। इसके साथ ही पोस्ट में 'लिंक पर क्लिक कर अभी रजिस्टर करें' का संदेश भी जोड़ा गया है।

किसानों को इस किस्त का कई महीनों से इंतजार था। अब आधिकारिक घोषणा के बाद स्पष्ट हो गया है कि 19 नवंबर को धनराशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जाएगी। सरकार द्वारा समय पर घोषणा किए जाने को किसानों के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि किस्त जारी करने की तारीख के साथ सरकार ने किसान पंजीकरण को लेकर एक और महत्वपूर्ण जानकारी भी दी है। जिन किसानों के दस्तावेज और ई-केवाईसी अपडेट नहीं हैं या पंजीकरण अधूरा है, उनके खातों में किस्त ट्रांसफर नहीं होगी। ऐसे लाभार्थियों से जल्द अपडेट करने की अपील की गई है। योजना के तहत नियमित रूप से हर चार महीने में 2,000 रुपये की किस्त लाभार्थियों को दी जाती है। लेकिन 21वीं किस्त में देरी से किसानों में बेचैनी थी। घोषणा के बाद अब उम्मीद है कि पात्र किसानों को समय पर भुगतान मिल सकेगा। केंद्र सरकार का कहना है कि पीएम किसान योजना किसानों की आर्थिक स्थिरता बढ़ाने और कृषि निवेश में सहूलियत देने के उद्देश्य से चलाई जा रही है। अब तक लाखों किसान इस योजना से लाभान्वित हो चुके हैं।

डीआरडीओ ने विकसित किया नई पीढ़ी का बारूदी सुरंग निरोधक पोर्टेबल व्हीकल

- समुद्र में दुश्मनों की बारूदी सुरंगें खोजने में अब और तेज़ी व सटीकता से मिलेगी

एजेंसी | नयी दिल्ली

भारत की समुद्री रक्षा क्षमता को और अधिक मजबूत करते हुए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने समुद्री बारूदी सुरंग रोधी अभियानों के लिए नई पीढ़ी का अत्याधुनिक पोर्टेबल सुरंग-निरोधक व्हीकल सिस्टम विकसित किया है। यह प्रणाली आने वाले समय में भारतीय नौसेना के लिए बड़ी रणनीतिक उपलब्धि साबित हो सकती है, खासकर समुद्री सीमा सुरक्षा और दुश्मन देशों द्वारा समुद्र में बिछाई जाने वाली छिपी बारूदी सुरंगों की पहचान में।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह नया प्लेटफॉर्म विशाखापत्तनम स्थित नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल) ने विकसित किया है। सिस्टम में कई स्वायत्त अंडर-वॉटर व्हीकल (एयूभी) शामिल हैं, जो समुद्र की गहराइयों में काम करते हुए संदिग्ध वस्तुओं का रीयल-टाइम डिटेक्शन, ट्रैकिंग और वर्गीकरण कर सकते हैं।

भारतीय जीवन बीमा निगम का स्टॉल लोगों के विशेष आकर्षण का बना हुआ केंद्र

एलआईसी ने 44वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में लगाया आकर्षक स्टॉल

एजेंसी | मुंबई (महाराष्ट्र)

44वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में इस बार भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का स्टॉल लोगों के विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। शुक्रवार को मेले का औपचारिक उद्घाटन एलआईसी के केंद्रीय प्रभारी (उत्तर क्षेत्र) जेएस बजाज द्वारा किया गया। उद्घाटन के दौरान एलआईसी के वरिष्ठ अधिकारियों तथा बड़ी संख्या में आगंतुक मौजूद रहे। मेले में एलआईसी अपने विविध बीमा उत्पादों, नई योजनाओं और डिजिटल सेवाओं का प्रदर्शन कर रही है। स्टॉल पर आने वाले लोगों को बीमा की आवश्यकता, निवेश विकल्प, सुरक्षा योजनाएँ तथा भविष्य-नियोजन जैसी महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ विशेषज्ञों द्वारा सरल भाषा में समझाई जा रही हैं। इसके अलावा ग्राहक एलआईसी की आधिकारिक वेबसाइट www.licindia.in पर लॉग इन कर भी विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। पॉलिसी-संबंधी सहायता के लिए एलआईसी का संपर्क नंबर 022-68276827 तथा हेल्पलाइन 8978682090 भी उपलब्ध है। एलआईसी ने हाल ही में अपना 69वाँ स्थापना दिवस मनाया है। अपनी स्थापना से अब तक एलआईसी केवल बीमा क्षेत्र में अग्रणी संस्था ही नहीं रही, बल्कि देश के आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण में भी महत्त्वपूर्ण योगदान दे रही है। एलआईसी विभिन्न सामाजिक पहलों—जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, युवा विकास कार्यक्रम तथा आपदा प्रबंधन सहायता—में सक्रिय रूप से भाग ले रही है।

संस्था का मानना है कि बीमा केवल एक वित्तीय सुरक्षा नहीं, बल्कि समाज के प्रति एक विश्वास और जिम्मेदारी भी है। मेले के पहले ही दिन एलआईसी के स्टॉल पर लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। विभिन्न आयु वर्ग के आगंतुक अपने भविष्य की सुरक्षा, बच्चों की पढ़ाई, पेंशन योजनाओं तथा निवेश विकल्पों के बारे में उत्सुकता से जानकारी लेते नजर आए। कई आगंतुकों ने डिजिटल सेवाओं की सरलता तथा त्वरित सहायता के लिए स्टॉल कर्मियों की प्रशंसा भी की।

साइबर खतरों से निपटने के लिए भारत ने मध्य एशियाई देशों के साथ किया संयुक्त अभ्यास, डिजिटल सुरक्षा सहयोग को नई मजबूती

एजेंसी | नयी दिल्ली

तेजी से बदलती डिजिटल दुनिया में साइबर हमलों और ऑनलाइन खतरों की जटिलता को देखते हुए भारत ने मध्य एशियाई देशों के साथ मिलकर व्यापक रणनीतिक साइबर अभ्यास आयोजित किया है। इस अभ्यास का उद्देश्य साइबर खतरों की पहचान, उनके त्वरित समाधान, डिजिटल संकट प्रबंधन और आपातकालीन साइबर प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत करना है। सरकारी बयान के अनुसार यह तीन दिवसीय अभ्यास (12 से 14 नवंबर) राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय की पहल पर विदेश मंत्रालय और राष्ट्रीय महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना संरक्षण केंद्र (एनसीआईइाईपीसी) के सहयोग से आयोजित किया गया।

इसमें कज़ाकिस्तान, किर्गिज़ गणराज्य, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज़्बेकिस्तान ने प्रतिनिधित्व किया, जबकि भारत की ओर से साइबर सुरक्षा एजेंसियों और तकनीकी विशेषज्ञ इकाइयों ने भाग लिया। पिछले कुछ वर्षों में सरकारी संस्थानों, महत्वपूर्ण अवसंरचना, वित्तीय नेटवर्क, ऊर्जा तंत्र और संवेदनशील डाटा को निशाना बनाने वाले साइबर हमलों में वैश्विक स्तर पर बड़ी बढ़ोतरी देखने को मिली है। इस संदर्भ में भारत और मध्य एशियाई देशों ने साझा साइबर सुरक्षा तंत्र विकसित करने और परस्पर तकनीकी सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। अभ्यास में वास्तविक साइबर हमलों के सिमुलेशन तैयार किए गए।

संक्षिप्त समाचार

जाति से ऊपर उठकर मतदाताओं ने किया मतदान रजौली में साइलेंट वोटरों ने दिलाई एनडीए को जीत

रजौली। रजौली विधानसभा सीट से एनडीए के लोजपा (राम विलास) से विमल राजवंशी और महागठबंधन के राजद से पिंकी भारती के बीच नामांकन के बाद से ही कांटे की टक्कर देखी जा रही थी।रजौली में विगत 20 वर्षों से भाजपा और राजद के बीच कड़ा मुकाबला होते आ रहा है।पिछले दो बार से राजद के विधायक प्रकाश वीर रजौली से जीत दर्ज किए थे।इस बार लोकसभा चुनाव में राजद प्रत्याशी श्रवण कुशवाहा को समर्थन नहीं किए जाने से विधायक प्रकाश वीर को राजद से टिकट नहीं दिया गया।राजद के प्रमुख कार्यकर्ता एवं जनता प्रकाश वीर से नाराज चल रहे थे,जिसका व्यापक असर मतगणना के दिन देखने को मिला। नामांकन के बाद से ही दोनों दलों के अलावे अन्य दलों एवं स्वतंत्र प्रत्याशियों ने जमकर जनसंपर्क अभियान चलाया।वोटरों ने भी जातिगत एकता के लिए दर्जनों मीटिंग किया और किसी एक दल को समर्थन देने की घोषणा की थी,जिसका व्यापक प्रभाव मतगणना में देखने को मिला। हालांकि चुनाव से पूर्व ही आम जनता ने मन बना लिया था कि वे अपना मत किन्हें देंगे।अधिकांश वोटर मतदान एवं मतगणना तक चुप्पी साधे रहे,14 नवंबर को मतगणना के बाद साइलेंट वोटरों ने परिणाम को चौंका दिया। इस बार चुनाव में जनता ने जातिगत व्यवस्थाओं से ऊपर उठकर जमकर मतदान किया और रजौली से एनडीए प्रत्याशी विमल राजवंशी को जीत दिलाई।हालांकि जीत का अंतर बहुत कम रहा।

सारण के 10 विधानसभा सीटों में से 7 पर एनडीए और 3 पर महागठबंधन जीता

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के परिणामों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने बड़ी जीत दर्ज की है।एनडीए ने सारण जिले के 10 विधानसभा सीटों में से 7 सीट पर जीत दर्ज की है। वहीं महागठबंधन को 3 सीटें मिलीं हैं। एनडीए ने बनियापुर, मांझी, अमनौर, सोनपुर, तरैया, एकमा, और छपरा सीट पर जीत दर्ज की है। वहीं गड़खा, मढ़ौरा और परसा में महागठबंधन के प्रत्याशी ने जीत दर्ज की है।

आंकड़े एक नजर में: बनियापुर से भाजपा के प्रत्याशी केदारनाथ सिंह ने 95606 मत प्राप्त किए हैं। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी राजद की चांदनी देवी को 15436 मतों से हराया। चांदनी देवी को 80170 मत मिले। वहीं मांझी विधानसभा सीट से जदयू के प्रत्याशी रणधीर कुमार सिंह ने जीत दर्ज की। उन्हें 68455 मत मिले। जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी सीपीआईएमएल के डॉ सतेंद्र यादव को 58668 मत मिले। अमनौर विधानसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी कृष्ण कुमार मंटू ने जीत दर्ज की। उन्हें 75525 मत मिले। जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी राजद के सुनील राय को 71717 मत प्राप्त हुए। सोनपुर विधानसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी विनय कुमार सिंह ने जीत दर्ज की है। उन्हें 90842 मत मिले। जबकि निकटतम प्रतिद्वंदी राजद के डॉ रामानुज प्रसाद को 86075 मत मिले। परसा विधानसभा सीट से राजद की प्रत्याशी करिश्मा ने 89093 मत हासिल किए। जबकि उनकी निकटतम प्रतिद्वंदी जदयू के छोटे लाल राय को 63321 मत मिले। तरैया विधानसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी जनक सिंह ने 85401 मत हासिल कर जीत दर्ज की है। वहीं उनके निकटतम प्रतिद्वंदी राजद के शैलेन्द्र प्रताप को 84070 मत मिले छपरा विधानसभा सीट से भाजपा की प्रत्याशी छोटी कुमारी ने 86839 मत हासिल कर जीत दर्ज की। उनके निकटतम प्रतिद्वंदी राजद के शत्रुघ्न यादव उर्फ खेसारी लाल यादव को 79245 मत मिले। गड़खा विधानसभा सीट से राजद के सुरेंद्र राम ने जीत दर्ज की। उन्हें 91134 मत मिले। जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी लोजपा रामविलास के प्रत्याशी सीमांत मृणाल ने 78330 मत हासिल किए। मढ़ौरा विधानसभा सीट से राजद के प्रत्याशी पूर्व मंत्री जितेंद्र कुमार राय ने जीत दर्ज की। उन्हें 86118 मत मिले। जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी जनसुराज के प्रत्याशी नवीन कुमार सिंह उर्फ अभय सिंह को 58190 मत मिले। वहीं एकमा विधानसभा सीट से जदयू के प्रत्याशी मनोरंजन सिंह ने जीत दर्ज की है। उन्हें 84077 मत मिले। उनके निकटतम प्रतिद्वंदी राजद के श्रीकांत यादव को 61369 मत मिले।

बिहार में इतिहास रचते हुए नीतीश कुमार दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे

मोतिहारी। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष व बिहार के विकास पुरुष लोकप्रिय यशस्वी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार विधानसभा चुनाव में जदयू समर्थित एनडीए गठबंधन की प्रचंड बहुमत मिलने पर पूर्वी चम्पारण सहित पूरे देश में खुशियों की लहर व्याप्त है। बिहार में इतिहास रचते हुए नीतीश कुमार दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। एनडीए गठबंधन को प्रचंड बहुमत मिलने पर पूर्वी चम्पारण जिला जदयू परिवार ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित एनडीए गठबंधन के सभी शीर्ष नेतृत्व को बधाई देते हुए हर्ष व्यक्त किया है। बधाई देने वालों में जिलाध्यक्ष मंजू देवी, सांसद लवली आनंद, पूर्व सांसद आनंद मोहन, नवनिर्वाचित विधायक शालिनी मिश्रा, विशाल कुमार शाह,विधानपार्षद प्रो.विरेन्द्र नारायण यादव, डॉ. खालिद अनवर,पूर्व मंत्री विरेन्द्र सिंह कुशवाहा, पूर्व विधायक, मोहम्मद ओबैदुल्लाह, रजिया खातून, पूर्व विधानपार्षद सतीश कुमार, जिला जदयू के प्रवक्ता जन्मेजय कुमार पटेल (सरपंच), संजीव श्रीवास्तव, जिला कोषाध्यक्ष दिवाकर कौशिक, वरिष्ठ जदयू नेता प्रो.दिनेश चन्द्र प्रसाद, दीपक पटेल अधिवक्ता, ब्रजेश श्रीवास्तव, मिथिलेश सिंह, अमरेन्द्र सिंह,विनय कुमार सिंह,बबन कुशवाहा, सुनील भूषण,बृजमोहन गुप्ता,जितेंद्र चौधरी, धीरज चंद्रवंशी ब्यास प्रसाद सिंह इत्यादि लोगों ने बधाई दी है, उपरोक्त आशय की जानकारी जिला जदयू के प्रवक्ता संजीव श्रीवास्तव ने दी।

नवादा में तीर तो हिसुआ में फिर खिला कमल, वारिसलीगंज में पहली बार जला लालटेन तो गोविंदपुर एवं रजौली में हेलीकोप्टर

निज संवाददाता। नवादा

नवादा जिले के पांच विधानसभा क्षेत्रों में रजौली, हिसुआ, गोविंदपुर और वारिसलीगंज के चुनावी नतीजों ने इस बार जनमत की स्पष्ट दिशा और मजबूत संदेश दिया है। सभी सीटों पर विजयी प्रत्याशियों ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को एकतरफा अंतर से मात दी, जिससे यह साफ झलकता है कि मतदाताओं ने स्थानीय मुद्दों के साथ-साथ राज्य सरकार की योजनाओं और उसके विकास कार्यों को भी गंभीरता से परखा है। इन परिणामों को देखकर कहा जा सकता है कि इस बार जनता ने स्थिरता, नेतृत्व और निरंतर विकास को प्राथमिकता दी है।

नवादा से विभा देवी की मजबूत वापसी: नवादा सीट से विभा देवी ने अपने प्रतिद्वंद्वी को पराजित कर सीट बरकरार रखी। जिले की इस सबसे महत्वपूर्ण सीट पर उनकी जीत बताती है कि सड़क, बिजली, पेयजल, और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों पर किए गए कार्यों को जनता ने सराहा। सरकारी स्तर पर चल रही "हर घर नल जल" योजना और वृद्धजन, छात्राओं तथा महिलाओं को दी गई विभिन्न प्रकार की आर्थिक सहायता का लाभ सीधा जनमानस तक पहुँचा, जिसका सकारात्मक असर मतदान में दिखा।हालांकि विभा देवी चुनाव के पूर्व ही राजद छोड़ जदयू में शामिल हुए थे और जदयू ने इन्हें प्रत्याशी भी बनाया जिसमें इन्होंने पूर्व विधायक कौशल यादव को उन्होंने हरा कर अपनी जीत सुनिश्चित किया। विभा देवी पूर्व राज्यमंत्री राजबल्लभ यादव की पत्नी हैं जो नवालिक से बलात्कार मामले में उच्च न्यायालय ने बरी किया था। रजौली विधानसभा क्षेत्र से लोजपा आर के प्रत्याशी विमल राजबंशी ने करीब चार हजार मतों से राजद प्रत्याशी पिंकी भारती को हराया। राजनीतिक पकड़ और मजबूत कर ली। रजौली एक भूगोल और संसाधन के लिहाज से चुनौतीपूर्ण क्षेत्र माना जाता है। यहाँ सड़क संपर्क, स्कूलों में आधारभूत सुविधा, तथा गरीब परिवारों के लिए राशन एवं आवास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन ने चुनावी रुझान को प्रभावित किया।

हिसुआ विधानसभा से अनिल सिंह की 12 हजार की बड़ी जीत: हिसुआ सीट पर अनिल सिंह ने नीतू सिंह पर 12 हजार से अधिक वोटों की जीत हासिल किया । यह क्षेत्र लंबे समय से रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग करता रहा है। पिछले कुछ वर्षों में PHC के सुदृढ़ीकरण, सड़क निर्माण, कृषि लाभ योजनाओं, तथा छात्रवृत्ति वितरण में हुई पारदर्शिता ने अनिल सिंह के पक्ष में माहौल तैयार किया। मतदाताओं ने उन्हें एक सक्षम और सक्रिय नेता के रूप में स्वीकार किया।

गोविंदपुर विधानसभा क्षेत्र से लोजपा आर की प्रत्याशी विनीता मेहता की 22 हजार से अधिक के विशाल अंतर से जीत: गोविंदपुर विधानसभा में विनीता मेहता ने पूर्णिमा यादव को 22 हजार से अधिक मतों से पराजित कर जिले में सबसे बड़ी जीत दर्ज की। यह सीट हमेशा से विकास बनाम पिछड़ेपन की बहस में केंद्र रही है। यहाँ मुख्यमंत्री सड़क योजना, किसान सम्मान निधि, और गरीब परिवारों के लिए आवास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन ने सरकार के प्रति भरोसा बढ़ाया। विनीता मेहता को महिला मतदाताओं का बड़ा समर्थन मिला, जो उनके राजनीतिक संदेश और विश्वसनीयता का प्रतीक है।

वारिसलीगंज: अनीता देवी ने अरुणा देवी को आठ हजार से अधिक मतों से हराया: वारिसलीगंज में अनीता देवी ने अरुणा देवी को आठ हजार से अधिक मतों से मात दी। यह सीट व्यक्तिगत प्रतिष्ठा और स्थानीय मुद्दों के कारण चर्चा में रही। अनीता देवी ने चुनाव प्रचार के दौरान महिला समूहों, युवाओं और किसानों को सीधे संबोधित किया। क्षेत्र में सड़क निर्माण, बिजली कनेक्शन, और स्कूलों में शिक्षकों की बहाली जैसे मुद्दों पर सरकारी योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन ने उनके पक्ष में माहौल बनाया।

सरकार की उपलब्धियों ने दी चुनावी बढ़त: इन पाँचों सीटों पर एक समान पैटर्न देखने को मिल रहा है—सरकार की साख और उसकी योजनाओं का वास्तविक लाभ लोगों तक पहुँचा। हर घर नल जल, प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्मान निधि,महिला समूहों को आर्थिक सशक्तिकरण,जीविका स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति में सुधार, सड़क संपर्क में व्यापक विस्तार, जैसी योजनाओं ने मतदाताओं के मन में विश्वास जगाया कि विकास का प्रवाह जारी रहेगा। सत्तारूढ़ दल ने इन योजनाओं को जोरदार ढंग से जनता के बीच रखा, जिसका परिणाम बड़ी बढ़तों के रूप में सामने आया।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर धूमधाम से मनाया गया बाल दिवस

बाल दिवस पर खीर पुड़ी खाते बच्चे

निज संवाददाता। नरहट (नवादा)

बाल विकास परियोजना नरहट के सौजन्य से पूर्व प्रधानमंत्री प0 जवाहरलाल नेहरू के जन्म दिवस पर सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर बाल दिवस के रूप में मनाया गया। सीडीपीओ ज्योति सिन्हा ने बताया कि बाल दिवस के अवसर पर उपस्थित महिलाओं को कई अवश्य जानकारी दी गई। सीडीपीओ ने महिलाओं को बच्चों में रोगों से लड़ने की क्षमता के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि जो महिलाएं अपने बच्चों को टीकाकरण सही एवं नियमानुसार लगवाती है, उनके बच्चे जीवन भर सुरक्षित रहते हैं। बच्चों में शून्य से 5 साल तक के सभी टीकाकरण नियमित रूप से लगवाना जरूरी है। शिशुओं को छह महीने तक मां का दूध ही सेवन करना चाहिए। इससे शिशु का विकास और वृद्धि दोनों सही तरीके से विकसित होता है। कार्यक्रम में चाचा नेहरू के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। केक काटा गया, बच्चों को खीर पूरी भी खिलाया गया और कॉपी कलम भी दिया गया। सीडीपीओ ने बताया कि छोटी पाली, बनिया बिगहा, विजयनगर आदि आंगनबाड़ी केंद्र पर बाल दिवस धूमधाम से मनाया गया।

शराब के साथ एक कार सवार गिरफ्तार, भेजे गए जेल

स्वास्थ जांच के दौरान गिरफ्तार व्यक्ति

निज संवाददाता। रजौली

थाना क्षेत्र के चितरकोली स्थित समेकित जांच चौकी पर उत्पाद बलों ने एक कार में सवार रहे एक व्यक्ति को शराब के साथ गिरफ्तार किया एवं कार को जब्त किया।उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि बिहार मद्दनिषेध के आलोक में जांच चौकी पर उत्पाद बलों के सहयोग से झारखंड की ओर से आनेवाली प्रत्येक वाहनों की सघन जांच की जाती है,जिसका नेतृत्व उत्पाद इंस्पेक्टर अमृत कुमार गुप्ता के नेतृत्व कर रहे हैं।बीते गुरुवार की रात्रि को हुंडई ग्रांड आई10 कार संख्या जेएच05सीडब्लू0693 को जांच हेतु रोका गया।जांच के क्रम में कार में सवार रहे झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिला निवासी धर्मदेव सिंह के पुत्र मनोज सिंह के पास से लगभग डेढ़ लीटर शराब बरामद किया गया।जब्त शराब व कार के साथ गिरफ्तार व्यक्ति के विरुद्ध बिहार उत्पाद अधिनियम के सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।वहीं गिरफ्तार युवक ने बताया कि वह अपने उपयोग के लिए शराब लेकर अपनी कार से सफर कर रहा था।इस मौके पर उत्पाद एएसआई मो. साबिर के अलावे गृहरक्षक के जवान मौजूद रहे।

लोजपा (आर) के विमल राजवंशी की ऐतिहासिक जीत पर जश्न खूब हुई आतिशबाजी

आतिशबाजी करते उत्साहित युवा वर्ग

निज संवाददाता। रजौली

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में रजौली सुरक्षित सीट पर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के उम्मीदवार विमल राजवंशी ने शानदार जीत दर्ज की है। उनकी जीत की घोषणा होते ही पूरे रजौली क्षेत्र में दिवाली जैसा उत्सव शुरू हो गया।राजद की उम्मीदवार पिंकी भारती को कड़े मुकाबले में 3953 वोट से हराकर यह सीट जीतने के बाद, उनके समर्थकों और कार्यकर्ताओं में गजब का उत्साह देखने को मिला।विमल राजवंशी की जीत की खबर मिलते भाजपा कार्यालय और प्रमुख चौराहों पर समर्थकों की भीड़ जमा हो गई।इस दौरान दीपक कुमार मुन्ना,रंजन कुमार बब्लू,रंजीत सिंह,रंजय सिंह,अधिवक्ता संजय कुमार,गौरव शांडिल्य गगन,अमरेश सिंह,गौरव कुमार,संतोष कुमार,शोलू रीनू रंजन,शशांक कुमार,अमरेश कुमार समेत सैकड़ों लोगों ने जीत की बधाई एक दूसरे को दी एवं मिठाई खिलाकर मुंह मीठा किया।इस दौरान युवा वर्ग के दर्जनों लोगों ने जमकर आतिशबाजी की।

पटाखों की गूंज से पूरा माहौल गुंजायमान हो उठा।उत्साहित कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर खूब नाच-गाना किया।समर्थकों ने एक-दूसरे को मिठाईयां खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया और जीत के नारे लगाए।लोजपा (आर) के विमल राजवंशी की इस जीत को पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण सफलता के तौर पर देखा जा रहा है। उन्होंने जनता का आभार व्यक्त किया और क्षेत्र के विकास के लिए काम करने का संकल्प लिया।

मतगणना से पहले पुलिस और STF को बड़ी सफलता, खरौंध स्टेशन पर हमले का आरोपी हार्डकोर नक्सली गिरफ्तार

निज संवाददाता। नवादा

बिहार पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और नवादा पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में खरौंध रेलवे स्टेशन बेस कैंप हमले के आरोपी हार्डकोर नक्सली रामप्रीत यादव को गिरफ्तार कर लिया। रामप्रीत यादव जहानाबाद जिले के घोषी थाना क्षेत्र के ठुल्लू बीघा गांव का रहने वाला है और कई वर्षों से फरार चल रहा था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि वांछित नक्सली रामप्रीत यादव अपने पैतृक गांव में छिपा है।

पुलिस ने लिया एक्शन:- पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान के निर्देश पर जिला आसूचना इकाई और सिरदला थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार के नेतृत्व में एसटीएफ की मदद से छापेमारी की गई। छापेमारी में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया । गिरफ्तारी के बाद उसे गया एसटीएफ कैंप में पूछताछ के लिए ले जाया गया और बाद में सिरदला थाने को सौंप दिया गया।

रेलवे बेस कैंप पर हमले का आरोपी:- उल्लेखनीय है कि 3 नवंबर 2016 को तिलैया-कोडरमा रेलखंड पर निर्माणाधीन खरौंध रेलवे स्टेशन बेस कैंप पर माओवादियों ने हमला किया था। लेवी की मांग पूरी न होने पर नक्सलियों ने ठेकेदारों और मजदूरों की पिटाई की थी और कई वाहनों में आग लगा दी थी। इस मामले में सिरदला थाना कांड संख्या 264/16 दर्ज किया गया था, जिसमें 63 माओवादियों को नामजद किया गया था।

गंभीर मामले हैं दर्ज:- पुलिस सूत्रों के मुताबिक, रामप्रीत यादव के खिलाफ नवादा समेत कई जिलों में गंभीर मामले दर्ज हैं। वह पिछले नौ वर्षों से फरार चल रहा था। सिरदला पुलिस ने हाल के महीनों में एसटीएफ की सहायता से इस मामले से जुड़े लगभग आधा दर्जन नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। इनमें हार्डकोर नक्सली इंद्रजीत महतो उर्फ पंकज उर्फ पप्पू और संतोष चौधरी शामिल हैं, जिन्हें अरवल जिले के परासी थाना क्षेत्र से मजदूरी करते समय पकड़ा गया था।

विश्व मधुमेह दिवस पर गढ़पुरा में मुफ्त शुगर जांच शिविर, जागरूकता अभियान शुरू

निज संवाददाता। गढ़पुरा

गढ़पुरा (बेगूसराय)। विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर शुक्रवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, गढ़पुरा सहित प्रखंड के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर मुफ्त शुगर जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य स्वास्थ्यकर्मियों और आम लोगों में गैर-संचारी रोगों की समय पर पहचान, रोकथाम और नियमित जांच की जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम के दौरान चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अमरेश कुमार ने बताया कि बदलती जीवनशैली और अनुचित खानपान के कारण मधुमेह आज एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या बन गया है। उन्होंने लाभार्थियों को संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, तनाव नियंत्रण और नशामुक्त जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। वहीं, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक मनीष कुमार ने जानकारी दी कि 14 नवंबर से 21 नवंबर तक सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर मुफ्त जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें शुगर के साथ-साथ बीपी की भी जांच की जाएगी। शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी रफत परवीन, अभिषेक कुमार, लैब टेक्नीशियन रविंद्र कुमार, आशा कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

रजौली विधानसभा क्षेत्र से एनडीए उम्मीदवार विमल राजवंशी ने 3953 वोट से जीत दर्ज की, समर्थकों में भारी उत्साह

निज संवाददाता। रजौली

रजौली विधानसभा 235 (सुरक्षित) से कुल 11 प्रत्याशी चुनावी मैदान में थे,जिनमें 8 विभिन्न दलों से एवं 3 निर्दलीय शामिल थे।इनमें एनडीए के लोजपा(राम विलास) से विमल राजवंशी को 90272,महागठबंधन के राजद से पिंकी भारती को 86319,बहुजन समाज पार्टी से अखिलेश कुमार को 3832,जनसुराज पार्टी से नरेश चौधरी को 3321,जनशक्ति जनता दल से प्रकाश वीर को 2856,राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी से प्रतिमा कुमारी 2262,सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी से चन्दन राजवंशी 2160,आम आदमी पार्टी से रंजीत कुमार को 1206 एवं निर्दलीय से गोरेलाल चौधरी को 1013,रामानंदन चौधरी को 1054 एवं विजय कामेश्वर पासवान को 2120 वोट प्राप्त हुआ।वहीं नोटा में 4286 मतदाताओं ने वोट किया।

विमल राजवंशी का फाइल फोटो

रजौली विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 330746 है,जिनमें पुरुषों की संख्या 172306,महिलाओं की संख्या 158427 एवं ट्रांसजेंडर की संख्या 17 है।कुल मतदाताओं में लगभग 60% से कुछ अधिक मतदान हुआ,जिनमें कुल मतदाताओं में 200701 वैध मत रजौली विधानसभा से मतदगणना में शामिल था।एनडीए के विमल राजवंशी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी महागठबंधन की पिंकी भारती से 3953 वोट अधिक लाकर विजई घोषित हुए। क्षेत्र के विकास के नाम पर जीत दर्ज होने के बाद नवनिर्वाचित विधायक विमल राजवंशी को फोन,मैसेज एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बधाइयां देने वालों का तांता लगा रहा।वहीं समर्थकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर एवं पटाखे फोड़कर खुशी जताई।

संक्षिप्त समाचार

बेलागंज में दोबारा जीतीं मनोरमा देवी, 2882 वोटों से आरजेडी को दी मात

बेलागंज। बेलागंज विधानसभा सीट पर इस बार रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। 24 राउंड की मतगणना पूरी होने के बाद जनता दल (यू) की उम्मीदवार मनोरमा देवी ने राष्ट्रीय जनता दल के उम्मीदवार विश्वनाथ कुमार सिंह को 2882 मतों से पराजित कर जीत दर्ज की। मनोरमा देवी को कुल 95685 वोट मिले, जबकि विश्वनाथ कुमार सिंह को 92803 वोट प्राप्त हुए। यह सीट गया लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती है और इस बार कुल 12 प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतरे थे। बेलागंज की राजनीतिक पृष्ठभूमि काफी दिलचस्प रही है। 1962 के चुनाव में यहां कांग्रेस के रामेश्वर मांझी ने जीत दर्ज की थी। इसके बाद कई वर्षों तक यह सीट अलग-अलग दलों के पास रही, लेकिन 1990 से सुरेन्द्र प्रताप यादव का दबदबा कायम हो गया। सुरेन्द्र प्रताप यादव लगातार 1990 से 2020 तक विधायक रहे और 2020 के चुनाव में भी आरजेडी ने इसी सीट पर जीत हासिल की। बाद में 2024 में उनके सांसद चुने जाने के बाद बेलागंज में उपचुनाव हुआ, जिसमें जदयू की मनोरमा देवी विजयी रहीं। इस बार के विधानसभा चुनाव में मनोरमा देवी ने अपनी उसी जीत को दोहराते हुए सीट पर दोबारा कब्जा कर लिया। करीबी मुकाबले के बावजूद उन्होंने अपनी बढ़त अंत तक बनाए रखी और राजद को पीछे छोड़ते हुए बेलागंज में फिर से जदयू का झंडा फहरा दिया।

प्रचंड बहुमत के बाद जहां में डूबे एनडीए कार्यकर्ता

आमस, गयाजी। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को प्रचंड बहुमत मिलने से कार्यकर्ताओं में अपार खुशी है। सरकार बनाने के आंकड़े पार करते ही एनडीए कार्यकर्ता जश्न मनाने लगे। आंकड़ा दो सौ के पार करते ही मिठाइयां बांटने लगी। जदयू अध्यक्ष रामवृक्ष प्रसाद, बीजेपी अध्यक्ष माधुरी जायसवाल व रंजय सिंह, अजीत मिश्रा, हम के सुनील मांझी, उदित मांझी, लोजपा आर के नीरज सिंह आदि ने कहा कि यह जीत मोदी नीतीश वाली डबल इंजन की विकास की है। इस सरकार ने विकास के साथ बिहार व भारत का सम्मान पूरी दुनियां में बढ़ाई है। इस सरकार पर प्रदेश व देश की जनता का पूरा भरोसा है। यही वजह है कि बहुत से भी अधिक सीटें आई है। यह आंकड़ा साबित कर दिया है कि जुमलेबाजी अब नहीं चलेगी। युवा नेता रोबिन सिंह, शेखर चौरसिया, अर्जुन यादव, तबरेज आलम, मनोज कुमार,वारिस अली, संतोष गुप्ता, रौशन गुप्ता, चिंता देवी, अरुण सिंह, गिरजा सिंह, देवेंद्र सिंह , महेंद्र सिंह, मनु सिंह, नरेंद्र सिंह, दिलीप सिंह, मुकेश गुप्ता आदि ने मोदी नीतीश समेत एनडीए के नेताओं को जीत की बधाई दी है।

पूर्णिया सदर में 'खेमका तूफान': 33,222 वोटों की आंधी से तीसरी बार ताज

पूर्णिया । पूर्णिया सदर विधानसभा सीट—जिसे चुनावी मौसम में "सीमांचल की राजनीति का सेंटर स्टेज" कहा जाता है—ने इस बार भाजपा के विजय कुमार खेमका को तीसरी बार विजयी बनाते हुए रिकॉर्ड बही फिर से उनके नाम कर दी। सुबह ठीक 8 बजे शुरू हुई मतगणना जैसे-जैसे आगे बढ़ी, खेमका का वोट ग्राफ उसी रफ्तार से चढ़ता गया जैसे सदर की हवा में चल रही मोदी-खेमका लहर। कांग्रेस के जितेन्द्र कुमार शुरू से ही मुख्य चुनौती पेश कर रहे थे, लेकिन फाइनल राउंड ने तस्वीर साफ कर दी—यह मुकाबला नहीं, खेमका तूफान था। सदर की तीसरी जीत और भी परिपक्व जनादेश का संकेत देती है। मुकाबला हाई-प्रोफाइल था, लेकिन खेमका ने उसे वन-साइडेड शो बना दिया। कांग्रेस के जितेन्द्र कुमार ने पूरा दम लगाया, फिर भी 33 हजार से अधिक की दूरी रिकॉर्ड बन गई। सदर में पहली बार साफ-साफ दिखा कि जनता का मूड केवल काम और कनेक्ट पर फोकस है। पूर्णिया सदर ने इस बार सिर्फ विधायक नहीं चुना, बल्कि स्थिर नेतृत्व, भरोसा और विकास की निरंतरता पर अपनी मुहर जरा हट कर अंदाज में जड़ा।

कसबा में लोजपा(रामविलास) का परचम लहराया

पूर्णिया। बिहार की सत्ता की तस्वीर बदल गई—NDA की सरकार बनेगी इसी नई सत्ता की चमक के बीच कसबा विधानसभा ने भी एक नई कहानी लिख दी। एनडीए समर्थित लोजपा(रामविलास) के तेजतर्रार युवा प्रत्याशी नितेश कुमार सिंह ने कसबा सीट पर दमदार जीत हासिल कर राजनीतिक समीकरणों का पूरा नक्शा बदल दिया। यह जीत सिर्फ एक सीट की जीत नहीं—यह कसबा की जनता की उम्मीदों, गुस्से और बदलाव की भूख का संगम है। जीत के बाद नितेश सिंह के पहले शब्दों ने माहौल गरमा दिया—"भ्रष्टाचार मुक्त कसबा मेरा वादा नहीं, मेरा मिशन है। बोले, 15 सालों का बनवास खत्म—अब कसबा का सुनहरा अध्याय शुरू होगा। डिग्री कॉलेज मेरा पहला संकल्प है।" यह बयान साफ इशारा करता है कि कसबा की राजनीति में अब पुरानी रुकावटें नहीं, नए रोडमैप की एंट्री हो चुकी है। चुनावी विश्लेषकों के अनुसार, यह परिणाम कसबा में लोजपा रामविलास की सबसे मजबूत वापसी मानी जा रही है। युवा मतदाताओं ने नितेश सिंह के विकास मॉडल पर खुलकर भरोसा जताया। स्थानीय लोगों ने कहा कि इस बार नेता नहीं, काम करने वाला चेहरा चुना गया है। बहरहाल, कसबा का फैसला जरा हट कर, दिल जीता, जनादेश पाया, अब कसबा बदलेगा।

सुपौल में एनडीए की बल्ले-बल्ले

सुपौल। सुपौल की सभी 5 विधानसभा सीट पर NDA ने जीत का परचम लहराया है। सुपौल विधानसभा सीट से JDU के दिग्गज नेता विजेंद्र प्रसाद यादव ने जीत दर्ज की, जबकि त्रिवेणीगंज से JDU की सोनम रानी, पिपरा से JDU के रामविलास कामत, निर्मली विधानसभा से JDU के अनिरुद्ध प्रसाद यादव की जीत हुई है। छातापुर से BJP के फायरब्रांड नेता नीरज कुमार सिंह उर्फ बबलू जी की जीत हुई है। यहां बता दें सुपौल जिले से जदयू के कोई भी जीते लेकिन उसमें विजेंद्र यादव की अहम भूमिका हुआ करती है। वे जिसे चाहते हैं उसे ही टिकट मिलता है।

गया में प्रेम कुमार की 9वीं जीत, बोले जनता के भरोसे ने बनाया मजबूत

निज संवाददाता। गयाजी

बिहार विधानसभा चुनाव में गया टाउन सीट से एनडीए प्रत्याशी और मंत्री प्रेम कुमार ने अपनी लगातार नौवीं जीत दर्ज की है। जीत के बाद वे बुधवार को मतगणना केंद्र पहुंचे, जहां उनका चेहरा आत्मविश्वास से भरा दिखा। उन्होंने समर्थकों का अभिवादन स्वीकार किया और मीडिया के सवालों का सहजता से जवाब दिया। प्रेम कुमार ने कहा कि यह सिर्फ उनकी जीत नहीं, बल्कि गया की जनता का विश्वास और स्नेह है। उन्होंने कहा कि लोग उन पर भरोसा नहीं, बल्कि प्यार करते हैं, इसलिए लगातार नौ बार जीत का आशीर्वाद मिला है।

शहर को जाम से मुक्ति दिलाना पहली प्राथमिकता: प्रेम कुमार ने कहा कि गया शहर की सबसे बड़ी समस्या ट्रैफिक जाम है। अब समय आ गया है कि शहर जाम से मुक्त हो। उन्होंने आश्वस्त किया कि इस दिशा में तेजी से काम शुरू होगा और लोगों को राहत महसूस होगी।

काशी मॉडल पर बनेगा गयाजी कॉरिडोर: प्रेम कुमार ने अपने बड़े विजन का भी खुलासा किया। उन्होंने बताया कि काशी मॉडल पर गयाजी कॉरिडोर विकसित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल से इसका रास्ता साफ हो चुका है और आवश्यक धनराशि भी उपलब्ध करा दी गई है। उनका कहना है कि आने वाले समय में गया सिर्फ धार्मिक शहर नहीं, बल्कि एक योजनाबद्ध और भव्य नगरी के रूप में दुनिया के नक्शे पर उभरेगा।

विकास की राजनीति को मिला समर्थन: राजनीतिक सवाल पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि बिहार ने इस चुनाव में जात-पात से ऊपर उठकर विकास को वोट दिया है। विपक्ष चाहे जितना भ्रम फैलाए, जनता ने एनडीए की नीयत और काम पर भरोसा किया।

'विकसित बिहार' ही मेरी महत्वाकांक्षा: अपने राजनीतिक सफर पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि 1974 के छात्र आंदोलन से राजनीति की शुरुआत हुई थी। बड़े नेताओं के साथ जेल भी गए। बाद में बीजेपी से जुड़े और जनता ने जो जिम्मेदारी दी, उसे ईमानदारी से निभाते रहे। जब पूछा गया कि क्या कभी मुख्यमंत्री या डिप्टी सीएम बनने की इच्छा रही, तो प्रेम कुमार मुस्कुरा उठे। बोले उनकी एक ही महत्वाकांक्षा है, वह है विकसित बिहार। पार्टी जो भी जिम्मेदारी देगी, उसे निभाना ही उनका संस्कार है।

टिकारी में अजय कुमार दांगी की ऐतिहासिक जीत पर तीन विधानसभा क्षेत्रों में जश्न

निज संवाददाता। टिकारी

विधानसभा चुनाव में अजय कुमार दांगी की ऐतिहासिक जीत के बाद टिकारी, गुरुआ और इमामगंज क्षेत्रों में उत्साह का माहौल बन गया है। दांगी ने पहली बार चुनाव लड़कर बड़ी जीत दर्ज की है, जिससे समर्थकों में खुशी की लहर है। अजय कुमार दांगी मूल रूप से इमामगंज विधानसभा क्षेत्र के बभंडी गांव के निवासी हैं, जबकि उनकी ससुराल गुरुआ बाजार के दांगी नगर मुहल्ले में है। इन दोनों क्षेत्रों में उनका वर्षों से आना-जाना रहा है, जिसके कारण लोगों से उनकी सीधी पकड़ और पहचान मजबूत बनी रही। यही कारण है कि जीत के बाद गुरुआ और इमामगंज में भी खुशी का माहौल उतना ही देखने को मिल रहा है जितना टिकारी में।

चिलोर पंचायत के भलुहार गांव के कमलेश कुमार यादव को अजय दांगी का पुराना संघर्ष साथी माना जाता है। राजनीतिक सफर की कठिन राहों में कमलेश यादव ने लगातार उनका साथ निभाया। स्थानीय लोग मानते हैं कि दांगी की सफलता में कमलेश यादव की भूमिका एक मजबूत स्तंभ की रही है। दांगी की जीत को खास इसलिए भी माना जा रहा है क्योंकि उन्होंने एक ही बार में औरंगाबाद संसदीय क्षेत्र के तीनों विधानसभा क्षेत्रों टिकारी, गुरुआ और इमामगंज पर अपनी राजनीतिक पकड़ दर्ज करा दी है।

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि इस जीत ने अजय कुमार दांगी की लोकप्रियता को नई ऊंचाई दी है और अब आगामी 2029 लोकसभा चुनाव में औरंगाबाद संसदीय क्षेत्र से महागठबंधन की टिकट के प्रबल दावेदार के रूप में उनका नाम तेजी से उभर सकता है। उनकी जीत के बाद तीनों विस क्षेत्रों में समर्थक मिठाइयां बांट रहे हैं, पटाखे फोड़ रहे हैं और लगातार बधाई देने वालों का सिलसिला जारी है।

नालंदा की हरनौत सीट से हरिनारायण सिंह की 10वीं जीत

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा जिले की हरनौत विधानसभा सीट से जदयू के दिग्गज नेता हरि नारायण सिंह ने अपनी 10वीं जीत को ऐतिहासिक बताया है। मतगणना के रुझानों में अपनी जीत पक्की होते देख उन्होंने कहा कि 1952 से लेकर अब तक बिहार में 10 बार कोई नहीं जीता है, ये पहली बार हो रहा है। हरि नारायण सिंह ने 48 हजार 335 मतों से जीत दर्ज की है। उन्होंने अपनी और एनडीए की इस जीत का पूरा श्रेय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दिया। हरि नारायण सिंह ने कहा कि 2005 से बिहार में जो परिवर्तन आया है और मुख्यमंत्री ने जिस तरह सबके लिए काम किया है, यह उसी का परिणाम है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने किसी वर्ग विशेष के लिए नहीं, बल्कि पक्ष और विपक्ष, सभी के लिए समान रूप से काम किया है।

बोले- नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री होंगे: हरि नारायण सिंह ने विश्वास जताया कि इन कार्यों के कारण ही जनता ने एनडीए को पुनः जनादेश दिया है और नीतीश कुमार फिर से बिहार के मुख्यमंत्री बनेंगे। जब उनसे विपक्ष की ओर से ईवीएम पर सवाल उठाने को लेकर पूछा गया, तो उन्होंने इसे विपक्ष का पुराना हथकंडा करार दिया। उन्होंने कहा कि जब विपक्ष दूसरे राज्यों में जीतता है, तब उन्हें ईवीएम में खराबी नहीं दिखती, लेकिन जब वे हारते हैं, तो ठीकरा ईवीएम पर फोड़ देते हैं। मंत्री बनने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है और वही इस पर सोच-विचार कर फैसला करते हैं। उन्होंने अपनी भारी जीत का श्रेय एक बार फिर पिछले 20 वर्षों में हुए 'न्याय के साथ विकास' को दिया, जिसके कारण उन्हें समाज के हर तबके का वोट मिला है।

नालंदा का बेटा अनुपम कुमार रचेगा टोक्यो में इतिहास

निज संवाददाता। नालंदा

♦ 25वें ग्रीष्मकालीन डेफलिंपिक्स के लिए हुआ सिलेक्शन, 800 मीटर दौड़ स्पर्धा में प्रतिनिधित्व करेंगे

बिहार के नालंदा जिले के एक छोटे से गांव महमूदपुर बलवा से निकलकर अब एक युवा धावक जापान की राजधानी टोक्यो में भारत का परचम लहराने जा रहा है। हरनौत प्रखंड के इस गांव के अनुपम कुमार ने साबित कर दिया है कि सीमित संसाधनों और शारीरिक चुनौतियों के बावजूद दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। अखिल भारतीय बधिर खेल परिषद (All India Sports Council of the Deaf) ने अनुपम कुमार का चयन 25वें ग्रीष्मकालीन डेफलिंपिक्स (Deaflympics) 2025 के लिए किया है। यह प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 15 से 26 नवंबर 2025 तक टोक्यो में आयोजित होगी, जहां अनुपम 800 मीटर दौड़ स्पर्धा में भारतीय तिरंगे का प्रतिनिधित्व करेंगे। अनुपम जापान के लिए रवाना हो गए हैं। यह यात्रा केवल एक खिलाड़ी की नहीं, बल्कि एक पूरे जिले और राज्य के सपनों की उड़ान है।

अनुपम की यात्रा आसान नहीं रही। उनके पिता पप्पू यादव आजीविका के लिए दिल्ली में मजदूरी करते हैं, जबकि दादा सुरेंद्र यादव खेती-किसानी से परिवार का पालन-पोषण करते हैं। माता बबीता देवी एक गृहिणी हैं। आर्थिक तंगी और सुविधाओं की कमी के बीच भी इस परिवार ने अपने बेटे के सपनों को पंख देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वर्तमान में अनुपम नियामतपुर, हरनौत में रहकर नालंदा लक्ष्य खेल अकादमी में प्रशिक्षण ले रहे हैं। उनकी मेहनत और लगन ने उन्हें इस मुकाम तक पहुँचाया है।

प्रेरणास्रोत और मार्गदर्शन: अनुपम के कोच कुंदन कुमार पांडे (नालंदा लक्ष्य खेल अकादमी, हरनौत) ने उनके चयन पर गर्व जताते हुए कहा कि अनुपम की कहानी उन सभी युवाओं के लिए एक मिसाल है जो प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य को पाने का साहस रखते हैं। उनकी मेहनत और समर्पण अनुकरणीय है। कोच पांडे ने आगे कहा कि अनुपम ने न केवल अपने शारीरिक प्रशिक्षण पर ध्यान दिया, बल्कि मानसिक रूप से भी खुद को मजबूत बनाया। "800 मीटर की दौड़ केवल शारीरिक शक्ति की नहीं, बल्कि रणनीति और मानसिक दृढ़ता की भी परीक्षा है। अनुपम इसके लिए पूरी तरह तैयार हैं।

जानें क्या है डेफलिंपिक्स: डेफलिंपिक्स अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की ओर से मान्यता प्राप्त बधिर एथलीटों के लिए आयोजित होने वाली सबसे पुरानी और प्रतिष्ठित बहु-खेल प्रतियोगिता है। इसकी शुरुआत 1924 में हुई थी, जो इसे ओलंपिक खेलों के बाद दूसरी सबसे पुरानी अंतरराष्ट्रीय बहु-खेल प्रतियोगिता बनाती है। इस बार टोक्यो में आयोजित होने वाले 25वें ग्रीष्मकालीन डेफलिंपिक्स में दुनियाभर से हजारों खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। भारतीय दल में अनुपम जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का शामिल होना देश के लिए गर्व की बात है।

श्रवण कुमार बोले- ये जीत प्रगतिशील सोच का नतीजा, सुनील कुमार ने कहा- जनता की जागरूकता का परिणाम

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा जिले से नीतीश सरकार के दोनों मंत्रियों की जीत हुई है। नालंदा विधानसभा सीट से श्रवण कुमार जबकि बिहार शरीफ विधानसभा सीट से सुनील कुमार ने जीत हासिल की है। नालंदा विधानसभा सीट से जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रत्याशी एवं मंत्री श्रवण कुमार ने अपनी चुनावी जीत के बाद बिहार की जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह विजय प्रगतिशील सोच, शांति और विकास के पक्ष में जनता के विश्वास का प्रतीक है। जीत के बाद अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि बिहार की प्रगतिशील जनता को, अमन और शांति चाहने वाली जनता को, प्रेम, भाईचारा, विकास और तरक्की के पक्षधर मतदाताओं को मैं कोटि-कोटि नमन करता हूं। उनके प्रति दिल से आभार प्रकट करता हूं।

नीतीश कुमार और मोदी पर जनता का भरोसा: श्रवण कुमार ने इस बात पर जोर दिया कि 2025 में एक बार फिर बिहार की जनता ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सरकार बनाने का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि जनता ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा जताया है। इसके लिए मैं उन्हें कोटि-कोटि नमन करता हूं और दिल की गहराइयों से शुभकामनाएं व्यक्त करता हूं।

मंत्री ने आगे कहा कि चुनाव के दौरान विपक्ष द्वारा खड़ी की गई हर चुनौती का जनता ने मुंहतोड़ जवाब दिया है। जो अहंकारी नेता थे, उन्हें आपने सबक सिखाने का काम किया है। बिहार की जागरूक जनता को इसके लिए कोटि-कोटि प्रणाम और नमन।

मंत्री सुनील कुमार ने कहा- ये जनता की संगठित शक्ति का प्रतीक: बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की शानदार जीत के बीच बिहार शरीफ विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं मंत्री डॉ. सुनील कुमार ने अपनी जीत को जनता का आशीर्वाद और विश्वास बताते हुए कहा कि यह जीत बिहार शरीफ की जनता की संगठित शक्ति और एनडीए के प्रति समर्पण का प्रतीक है। विजय के बाद मीडिया से बातचीत में डॉ. कुमार ने कहा कि बिहार शरीफ के लोग मुझे अथाह प्यार करते हैं, स्नेह देते हैं, आशीर्वाद देते हैं और संगठित समर्थन भी देते हैं। मैं आभारी हूं बिहार शरीफ के सभी अभिभावकों, माताओं-बहनों और युवा साथियों का, जिन्होंने मुझ पर अटूट विश्वास जताया है।

एनडीए की प्रचंड जीत का पूर्वानुमान: मंत्री सुनील कुमार ने अपने पूर्वानुमान को सही साबित होते देख संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि मैंने पहले ही कहा था कि पूरे बिहार राज्य में हम 200 पार करेंगे। आज वह भविष्यवाणी सच साबित हुई है। उन्होंने इस जीत को जनता की जागरूकता और एनडीए के प्रति समर्पण का परिणाम बताया।

विपक्ष पर गंभीर आरोप: चुनाव में हुई अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए डॉ. कुमार ने कहा कि विपक्षी दलों ने बोगस वोट डालने के लिए व्यापक षड्यंत्र रचा था। उन्होंने दावा किया कि रात में 1000 से ज्यादा बसें बोगस वोट देने के लिए लाई गई थीं। इन्हें अलग-अलग जगहों पर उतारा गया, लेकिन जनता जागरूक, संगठित और एनडीए के प्रति समर्पित थी, इसलिए यह षड्यंत्र विफल रहा।

बाहरी प्रत्याशियों पर तीखा प्रहार: बाहर से आए विपक्षी प्रत्याशियों पर कटाक्ष करते हुए मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि बाहर के प्रत्याशी आए थे, लेकिन काला मुंह करके जा रहे हैं। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि मैं लोगों से कह रहा था कि अरे भागो, जनाजा लेकर जाओगे क्या? बिहार शरीफ में, पूरे नालंदा में और पूरे बिहार में विशेष करके यही स्थिति है।

जनता के प्रति आभार: अपनी जीत को जनता की जीत बताते हुए डॉ. कुमार ने कहा कि लगातार ये जीत उनकी जीत होती है। यह सिर्फ मेरी जीत नहीं है, बल्कि हर उस मतदाता की जीत है जिसने एनडीए पर भरोसा किया है।

बिहार चुनाव में चिराग पासवान ने निभाई 'हनुमान' वाली भूमिका

निज संवाददाता। पटना

बिहार चुनाव नतीजों से जहां राजग का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है, तो वहीं महागठबंधन को अर्श से फर्श पर ला दिया है। बिहार के अप्रत्याशित नतीजों में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के चिराग पासवान की भूमिका काफी प्रशंनीय मानी जा रही है। चिराग की पार्टी लोजपा इस चुनाव में बेहतरीन कमबैक करती दिख रही है।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा लोजपा ने 29 सीटों पर चुनाव लड़ा था और बेहतरीन स्ट्राइक रेट के साथ 19 सीटों पर एनडीए को बढ़त दिलाई है। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में भाजपा और जदयू 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ रहे थे। इस चुनाव में लोजपा 29 सीटों पर लड़ रही थी। एनडीए के बड़े दलों ने इस चुनाव में मजबूत और शुरुआत की और बाद में चिराग की पार्टी ने बेहतरीन फिनिशर की भूमिका निभाते हुए एनडीए को जबरदस्त बढ़त दिलाई। 29 में से 19 सीटों पर बढ़त, यानी लगभग शानदार स्ट्राइक रेट के साथ चिराग की पार्टी ने 5 फीसदी से ज्यादा वोट शेयर हासिल कर बेहतरीन परफॉर्मेंस दी है।

साल 2024 लोकसभा चुनाव में चिराग की पार्टी ने 5 की 5 सीटों पर जीत दर्ज की थी। चिराग के इस शानदार प्रदर्शन पर प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें 'हनुमान' कहा था। बिहार के विधानसभा चुनाव 2025 में चिराग फिर से मोदी के लिए हनुमान साबित हुए हैं। लोजपा (रामविलास) की इस बढ़त के पीछे बड़ा कारण एनडीए की पार्टियों बीजेपी, जेडीयू और छोटे सहयोगियों का वोट ट्रांसफर माना जा रहा है। उतना ही खास यह भी है कि चिराग की पार्टी ने भी एनडीए को बराबर सहयोग दिया और वोट ट्रांसफर बखूबी काम किया। चिराग पासवान की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) का अब तक का सबसे धमाकेदार प्रदर्शन है। 2020 विधानसभा चुनाव में अकेले लड़ते हुए पार्टी ने 137 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन सिर्फ एक सीट जीती थी। उस चुनाव में चिराग के तेज एंटी-नीतीश कैंपेन ने जेडीयू के वोट काटे थे, जिससे नीतीश कुमार की सीटें 71 से गिरकर 43 पर आ गई थीं, जिसे लोजपा (रामविलास) के वोट-कटवा असर का परिणाम माना गया।

इस बार 2025 में राजग के भीतर रहते हुए लोजपा (रामविलास) ने न सिर्फ अपने लिए अच्छा परिणाम दिया, बल्कि सुचारू वोट ट्रांसफर के चलते जेडीयू को भी मजबूत किया और पूरे राजग को बढ़त दिलाई। इसी के चलते बिहार में भाजपा नंबर वन तो जदयू नंबर दो की पार्टी बन गई। इस तरह से चिराग पासवान ने सचमुच 'हनुमान' वाली भूमिका निभाई, जैसा वो कहते हैं।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

केसी त्यागी ने दिया नीतीश कुमार को जीत का श्रेय

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के रूझानों में एनडीए को स्पष्ट बहुमत मिलता दिख रहा है, जिसके बाद भाजपा और जदयू नेताओं के लगातार बयान सामने आ रहे हैं। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजों के रूझानों में एनडीए को स्पष्ट बहुमत मिलता दिख रहा है। जैसे-जैसे सीटों का आंकड़ा एनडीए के पक्ष में बढ़ रहा है, भाजपा, जदयू और सहयोगी दलों के नेताओं ने अपनी प्रतिक्रियाएं देना शुरू कर दी हैं। उन्होंने इसे जनता के विश्वास की जीत और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नेतृत्व क्षमता का परिणाम बताया है। दिल्ली में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि जनता के चेहरों से ही साफ पता चल रहा था कि इस बार भी एनडीए को जनादेश मिलने वाला है। उन्होंने कहा, 'एनडीए फिर से सरकार बनाने जा रहा है। नीतीश कुमार, चिराग पासवान, जीतन राम मांझी, उपेंद्र कुशवाहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जेपी नड्डा, अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सभी नेताओं ने जबरदस्त मेहनत की है। हम '2025, फिर से नीतीश' के चेहरे पर चुनाव लड़े थे।' केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, 'बिहार की जीत हमारी है। अब अगली बारी बंगाल की है, क्योंकि वहां से भी रोहिंग्या-बांग्लादेशी घुसपैठियों को निकालना जरूरी है।' जदयू के वरिष्ठ नेता के.सी. त्यागी ने एनडीए के बहुमत के रूझानों पर कहा, 'चुनाव से पहले ही मैंने कहा था कि जदयू करीब 80 सीटें जीतेगी। यह नीतीश कुमार की करिश्माई नेतृत्व क्षमता का परिणाम है।' गया में एनडीए की बढ़त पर केंद्रीय मंत्री और हम (सेक्युलर) के संरक्षक जीतन राम मांझी ने कहा, 'यह नतीजा अप्रत्याशित नहीं है। हम पहले से कह रहे थे कि एनडीए प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगा और नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बनेंगे। ट्रेंड्स बताते हैं कि एनडीए 160 सीटों से कम नहीं जाएगा और महागठबंधन 70-80 पर सिमट जाएगा।'

शख्स को बचाने में बाइक सवार युवक की मौत

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। वैशाली के चंदपुरा थाना क्षेत्र में बुधवार को एक सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा चंदपुरा थाना के निकट बाइक की टक्कर से हुआ। मृतकों में 15 वर्षीय अभय कुमार शामिल हैं, जो रविंद्र राय के बेटे थे। घायलों की पहचान देसरी थाना क्षेत्र के भीखनपुर गांव निवासी सुनील राय के 19 वर्षीय बेटे सतीश कुमार और देवेंद्र राय के 17 वर्षीय बेटे राजीव कुमार के रूप में हुई है। ये तीनों चचेरे भाई बताए जा रहे हैं। घायल राजीव कुमार ने बताया कि वे तीनों अपने घर से चौकोसन बाजार जा रहे थे। चंदपुरा थाना के पास अचानक एक व्यक्ति गाड़ी के सामने आ गया, जिसे बचाने के प्रयास में यह दुर्घटना हुई। पुलिस ने तीनों घायलों को तुरंत बिदुपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने अभय कुमार को मृत घोषित कर दिया। अन्य दो घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए हाजीपुर सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया है।

चंदन हत्याकांड में 2 नामजद आरोपियों का सरेंडर

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर में चंदन हत्याकांड में पुलिस की सख्ती के बाद 2 नामजद आरोपियों ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया। कोर्ट ने अंकित कुमार और संजीत कुमार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की तैयारी की जा रही है। इससे पहले 25 अक्टूबर को एक नामजद आरोपी सत्येंद्र सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। चरपोखरी थाना क्षेत्र के बजेन टोला में 23 अक्टूबर की रात गोवर्धन पूजा के मौके पर नाटक का आयोजन किया गया था। इस दौरान हथियारबंद अपराधियों ने राजेंद्र सिंह के पुत्र चंदन कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी थी। भाई की हत्या का बदला लेने के लिए चंदन को करीब से 4 गोलियां मारी गई थी। घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई थी। वारदात के बाद मृतक के बड़े भाई विनोद कुमार के बयान पर चरपोखरी थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जिसमें आठ लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया था। यह हत्या पुराने विवाद और प्रतिशोध का परिणाम मानी जा रही है। वर्ष 2023 में सत्येंद्र सिंह के भाई उपेंद्र सिंह की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। जबकि सत्येंद्र सिंह उस घटना में घायल हुआ था। उस समय मृतक चंदन कुमार समेत चार लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया था। वे जेल भी गए थे। बाद में जमानत पर छूटे थे। इसी विवाद और आपसी रंजिश के चलते सत्येंद्र सिंह सहित आठ आरोपियों पर चंदन कुमार की गोली मारकर हत्या करने का आरोप लगाया गया है। चरपोखरी थानाध्यक्ष ने बताया कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है। अब तक तीन आरोपी जेल भेजे जा चुके हैं। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

कैमूर में टेंपो-ट्रक टक्कर, महिला की मौत :8 लोग घायल, शादी समारोह से लौट रहे थे गांव

कैमूर, एजेंसी। कैमूर जिले के मोहनिया थाना क्षेत्र में एनएच 319 पर मामा देवगांव के पास गुरुवार की सुबह करीब 6 बजे एक टेंपो और ट्रक की भीषण टक्कर में एक महिला की मौत हो गई, जबकि 8 लोग घायल हो गए। घटना उस समय हुई जब सभी लोग शादी समारोह से वापस घर आ रहे थे।

स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को अनुमंडल अस्पताल मोहनिया पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया।

घटनास्थल पर मौजूद श्याम बहादुर सिंह ने बताया कि सभी लोग मोहनिया थाना क्षेत्र के मामा देव गांव के निवासी हैं। वे बीती रात मोहनिया शहर में होंडा एजेंसी के पास स्थित राधे कृष्णा मैरेज हॉल में बुधवार को एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। समारोह से अपने गांव मामा देव लौटते समय यह हादसा हुआ। घायलों में मामा देवगांव के 35 वर्षीय संतोष (रामलाल पासी के पुत्र), 35 वर्षीय सरोज (वकील मौर्य की पत्नी), 35 वर्षीय रीता देवी (महेंद्र सिंह की पत्नी), 16 वर्षीय निधि कुमारी (राजगिरी सिंह की पुत्री), 40 वर्षीय उषा देवी (राजगिरी सिंह की पत्नी), 38 वर्षीय सुगंधा देवी (कैलाश सिंह की पत्नी), 40 वर्षीय रीना देवी (शिव वचन की पत्नी) और 40 वर्षीय जमुना देवी (ईश्वर की पत्नी) शामिल हैं। मृत महिला की पहचान मोहनिया थाना क्षेत्र के मामा देव गांव निवासी धीरेंद्र कुशवाहा की 39 वर्षीय पत्नी देवंती देवी के रूप में हुई है।

घटना के विरोध में सड़क जाम : घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने एनएच 319 पर मामा देवगांव के पास कुछ देर के लिए सड़क जाम कर दिया। सूचना मिलने पर मोहनिया पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझा-बुझाकर जाम हटवाया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को जब्त कर लिया है और उसके चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

ट्रक चालक गिरफ्तार : मोहनिया थाना अध्यक्ष ने आलोक कुमार ने बताया कि मामा देव गांव के पास हा॥ 319 पर ट्रक और टेंपो की टक्कर हुई है। इस मामले में ट्रक को जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। मृतका के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है।

जदयू-भाजपा से भी बेहतर रहा लोजपा का स्ट्राइक रेट

चिराग की रोशनी से रोशन एनडीए

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव के मतगणना के रुझान की लहर बताती है कि एनडीए राज्य में एक बड़ी और निर्णायक जीत की ओर बढ़ रहा है। एनडीए के सभी गठबंधन दलों का प्रदर्शन भी शानदार और काबिलेतारीफ है। वहीं राज्य में करीब 27 सीटों पर लड़ रहे लोजपा रामविलास का स्ट्राइक रेट भाजपा-जदयू से उपर है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की मतगणना में लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान इस बार उम्मीदों से कहीं बढ़कर प्रदर्शन करते दिखाई दे रहे हैं। दोपहर 12:30 बजे तक, उनकी पार्टी 27 में से 20 सीटों पर आगे चल रही थी। यानी लगभग 69% सीटों पर बढ़त, जो किसी भी क्षेत्रीय पार्टी के लिए बेहद मजबूत प्रदर्शन माना जा रहा है।

सुगौली, गोविंदगंज, बेलसंड, बहादुरगंज, कटिहार का कसबा, बलरामपुर, सिमरी बख्तियारपुर, बोचहां, दरौली, महुआ, बखरी, परबत्ता, नाथनगर, ब्रह्मपुर, चेनारी, डेहरी, ओबरा, शेरघाटी, राजौली और गोबिंदपुर।

2020 के चुनाव में एलजेपी ने 130 से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन सिर्फ एक सीट जीत सकी। उस समय एलजेपी के उम्मीदवार कई जगह दूसरे नंबर पर रहे थे, लेकिन पार्टी विभाजन और सीट बंटवारे को लेकर एनडीए से दूर हो गई थी। फिर भी, चिराग पासवान की 2020 की आक्रामक मुहिम को जदयू के वोट कटाव का कारण माना गया था, जिससे नीतीश कुमार की सीटें 71 से घटकर 43 रह गई थीं। इस बार तस्वीर बिल्कुल उलट है, लोजपा रामविलास खुद एनडीए के साथ है और गठबंधन के लिए मजबूत स्तंभ बनकर उभर रही है।

करीब दो दशक तक बिहार पर शासन कर चुके नीतीश कुमार के लिए यह चुनाव राजनीतिक भरोसे की बड़ी परीक्षा माना जा रहा था। कभी सुशासन बाबू के नाम से मशहूर नीतीश के सामने इस बार चुनौती थी, जनता की नाराजगी और उनके गठबंधन बदलने की छवि। लेकिन रुझान साफ बता रहे हैं कि जनता एक बार फिर उनके अनुभव और शासन मॉडल पर भरोसा जता रही है।

इस चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक साथ, एक मंच पर दिखे। इसने गठबंधन को नई ऊर्जा दी, कल्याणकारी योजनाएं, सड़क-बिजली-नौकरी का वादा, और प्रशासनिक स्थिरता का संदेश जनता तक सीधा पहुंचा। पीएम मोदी की देशभर में लोकप्रियता और नीतीश की जमीनी पकड़ ने मिलकर गठबंधन को बंपर बढ़त दिलाई है।

बिहार में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान दो चरणों में हुआ है, जिसमें पहले चरण की वोटिंग 6 नवंबर और दूसरे चरण की वोटिंग 11 नवंबर को हुई। वहीं मतदान की प्रतिशत की बात की जाए तो पहले चरण में जहां 65.08 फीसदी वोटिंग हुई, वहीं दूसरे चरण में बंपर 68.69 वोटिंग हुई है। राज्य के विधानसभा चुनाव में कुल मतदान प्रतिशत 67.13 दर्ज हुआ है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2020 के नतीजे?

2020 विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला एनडीए और महागठबंधन के बीच था। इस चुनाव में एनडीए ने 125 सीटें जीतीं थीं। इनमें सबसे ज्यादा 74 सीटें भाजपा के खाते में गई थीं। जदयू को 43, वीआईपी और हम को 4-4 सीट पर सफलता मिली थी। राज्य की 110 सीटें महागठबंधन के खाते में गई थी। इसमें 75 सीटें जीतकर राजद राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। इसके साथ ही कांग्रेस को 19, वामदलों को 16 सीट पर जीत मिली थी। इनमें 12 सीटें माले और दो-दो सीटें भाकपा और माकपा के खाते में गईं थी। वहीं अन्य दलों में एआईएमआईएम ने पांच, बसपा, लोजपा और निर्दलीय ने एक-एक सीटें जीती थी।

मतगणना से पहले सुरक्षा व्यवस्था रही चाक-चौबंद

समस्तीपुर, एजेंसी। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 की मतगणना नजदीक आते ही जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। इसी क्रम में बुधवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-डीएम रोशन कुशवाहा और पुलिस अधीक्षक अरविंद प्रताप सिंह ने समस्तीपुर कॉलेज स्थित वज्रगृह (स्ट्रांग रूम) का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने मतदान के बाद जमा की गई ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा, व्यवस्था और निगरानी प्रणाली की बारीकी से समीक्षा की।

डीएम ने दिए सख्त निर्देश

डीएम रोशन कुशवाहा ने स्पष्ट निर्देश दिया कि वज्रगृह की सुरक्षा अभेद्य रहनी चाहिए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि मतगणना केंद्र में प्रवेश केवल उन्हीं व्यक्तियों को मिलेगा, जिनके पास निर्वाची पदाधिकारी द्वारा जारी आधिकारिक पहचान पत्र होगा। सुरक्षा जांच के उपरांत केवल निर्वाची पदाधिकारी, नियुक्त मतगणना अभिकर्ता तथा फॉर्म-18 पर अधिकृत व्यक्ति ही काउंटिंग हॉल में प्रवेश कर सकेंगे। उन्होंने यह भी सख्ती से निर्देश दिया कि एक बार अंदर प्रवेश करने वाले कर्मी या अभिकर्ता को बाहर जाने के बाद पुनः प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह व्यवस्था मतगणना प्रक्रिया की शुचिता, पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य की गई है।

काउंटिंग हॉल की तैयारियों की समीक्षा

निरीक्षण के दौरान डीएम ने काउंटिंग हॉल के अंदर की टेबल व्यवस्था, सीसीटीवी मॉनिटरिंग, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा बलों की तैनाती और कंट्रोल रूम की कार्यप्रणाली की भी विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मतगणना प्रक्रिया शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न होनी चाहिए तथा सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी की जाएं।

त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मतगणना के दौरान सुरक्षा व्यवस्था त्रिस्तरीय रहेगी। प्रत्येक संवेदनशील बिंदु पर पुलिस बल, अर्धसैनिक बल और दंडाधिकारी की तैनाती की जाएगी। प्रशासन का दावा है कि पूरी तैयारी के साथ मतगणना को निष्पक्षता और पूर्ण सुरक्षा के बीच सम्पन्न कराया जाएगा।

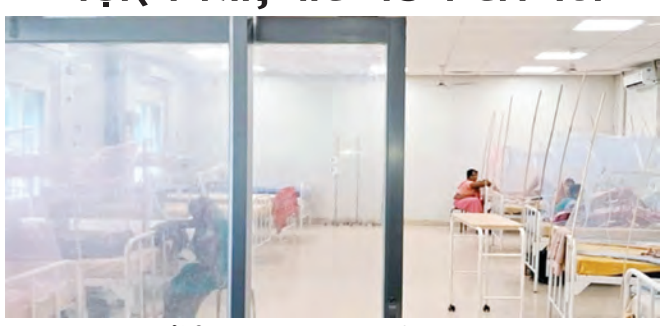

मुजफ्फरपुर में ठंड बढ़ते ही डेंगू ने बढ़ाई चिंता, चार नए केस मिले

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर में तापमान गिरने के साथ डेंगू के मामले बढ़ने लगे हैं। जिले में चार नए मरीजों में डेंगू की पुष्टि हुई है, जिनमें बोचहां प्रखंड का एक और तीन शहरी क्षेत्र के हैं।

मुजफ्फरपुर में ठंड बढ़ने के साथ ही डेंगू के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। जिले में चार नए मरीजों में डेंगू की पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। इनमें बोचहां प्रखंड के एक मरीज सहित तीन मरीज शहरी क्षेत्र के हैं।

एसकेएमसीएच (श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज अस्पताल) की माइक्रोबायोलॉजी लैब में जांच के बाद इन मामलों की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही अब तक जिले में डेंगू मरीजों की कुल संख्या बढ़कर 90 हो गई है। नए मरीजों में बुखार, शरीर में दर्द और प्लेटलेट्स गिरने की समस्या पाई गई है। वहीं, कई संदिग्ध बुखार के मरीज भी अस्पतालों में पहुंचने लगे हैं।डेंगू के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने सभी पीएचसी, सीएचसी और सरकारी अस्पतालों को अलर्ट पर रहने और आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

सिविल सर्जन डॉ. अजय कुमार ने बताया कि जिले के सभी अस्पतालों में डेंगू जांच और इलाज की पूरी व्यवस्था की गई है। दवाइयों और विशेष वार्ड की व्यवस्था है ताकि मरीजों को किसी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि पहले जो मरीज सामने आए थे, वे अब स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। इसके साथ ही नगर निगम, पंचायत और स्वास्थ्य विभाग की टीमें प्रभावित इलाकों में छिड़काव और सफाई अभियान चला रही हैं ताकि मच्छरों के प्रजनन पर रोक लगाई जा सके।

भाजपा विधायक श्रेयसी सिंह को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी, साइबर थाने में एफआईआर दर्ज

मुंगेर, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने से ठीक पहले जमुई से एक गंभीर मामला सामने आया है। एनडीए समर्थित भाजपा विधायक श्रेयसी सिंह को सोशल मीडिया पर अभद्र व धमकी भरी रीलों के जरिए जान से मारने की धमकी दी गई है, जिसके बाद राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है।

जमुई से भाजपा की वर्तमान विधायक श्रेयसी सिंह को सोशल मीडिया पर विदेशी व अभद्र संगीत के साथ आपत्तिजनक रीलों के जरिए जान से मारने की धमकी देने का मामला गुरुवार देर शाम उजागर हुआ। इस संबंध में विधायक के निजी सचिव मिल्टन कुमार ने साइबर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 'कृष्णा यादव' नामक व्यक्ति ने फेसबुक और इंस्टाग्राम पर कई अश्लील, अपमानजनक और धमकी भरे वीडियो पोस्ट किए हैं। इन रीलों में श्रेयसी सिंह की तस्वीरों का गलत तरीके से उपयोग किया गया है

और उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने वाली आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया गया है। शिकायतकर्ता ने इन रीलों को सोची-समझी साजिश बताते हुए कहा कि वीडियो में जान से मारने तक की धमकी दी गई है।

पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत कार्रवाई करते हुए स्न्नद्भक्र दर्ज कर ली है। साइबर डीएसपी राजन कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है और आरोपी के फेसबुक अकाउंट 'कृष्णा अहीर यादव' की गतिविधियों की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि फेसबुक कंपनी को आरोपी की विस्तृत प्रोफाइल व तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराने के लिए औपचारिक अनुरोध भेजा गया है।

डीएसपी ने कहा कि तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान की जाएगी और दोषी पाए जाने पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि सोशल मीडिया पर किसी भी जनप्रतिनिधि की छवि धूमिल करने, जातिगत टिप्पणी करने या हथियारों से जुड़े आपत्तिजनक कंटेंट पोस्ट करने वालों पर कठोर कार्रवाई होगी। पुलिस ने आम लोगों से सोशल मीडिया का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने की अपील की है और आश्वासन दिया है कि इस मामले में जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा।

बारुण गांव में व्यक्ति को सांप ने काटा:परिजनों ने बेलदौर पीएचसी पहुंचाया, इलाज जारी

खगड़िया, एजेंसी। खगड़िया जिले के बेलदौर प्रखंड के बारुण गांव में मंगलवार देर शाम एक व्यक्ति को सांप ने काट लिया। परिजनों ने उन्हें तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) बेलदौर में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है। मिली जानकारी के अनुसार, इतमादी पंचायत के बारुण गांव निवासी रामचंद्र सिंह अपने घर में छज्जे पर रखे कुछ सामान उतार रहे थे। इसी दौरान अचानक उन्हें सांप ने डस लिया। घटना के बाद परिजनों ने स्थानीय लोगों की मदद से रामचंद्र सिंह को पीएचसी बेलदौर पहुंचाया। वहां डॉक्टरों की टीम ने उनका इलाज शुरू कर दिया। उनका इलाज कर रहे चिकित्सक डॉ. एच.एन. शर्मा ने बताया कि मरीज को फिलहाल 'वेट एंड वॉच' में रखा गया है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि रामचंद्र सिंह की हालत स्थिर बनी हुई है।

पूर्व अध्यक्ष ने ईवीएम से छेड़छाड़ का लगाया आरोप बोले- मशीनों के पास वैन के दाखिले से संदेह

जमुई, एजेंसी। जमुई में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और सिकंदरा विधानसभा क्षेत्र से राजद प्रत्याशी उदय नारायण चौधरी ने जिला प्रशासन और निर्वाचन आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने बुधवार देर शाम एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ईवीएम मशीनों से छेड़छाड़ की आशंका जताई। चौधरी ने बताया कि मतदान के बाद के.के.एम. कॉलेज परिसर में रखी गई ईवीएम मशीनों के पास दो पिकअप वैन संदिग्ध रूप से दाखिल हुई। उनके अनुसार, इन वाहनों की मौजूदगी से ईवीएम में छेड़छाड़ की संभावना पैदा होती है।

मतदाताओं और प्रत्याशियों में संदेह : उन्होंने प्रशासन से यह स्पष्ट करने की मांग की कि उन वाहनों में क्या सामग्री ले जाई जा रही थी। चौधरी ने कहा कि ईवीएम की सुरक्षा को लेकर मतदाताओं और प्रत्याशियों में संदेह पैदा हो गया है, इसलिए निर्वाचन आयोग को पारदर्शिता सुनिश्चित करनी चाहिए।

तेजस्वी यादव होंगे अगले सीएम' : चौधरी ने मीडिया में प्रसारित एग्जिट पोल को भ्रामक करार दिया। उन्होंने दावा किया कि इस बार महागठबंधन की सरकार बनेगी और तेजस्वी यादव बिहार के अगले मुख्यमंत्री

होंगे। उन्होंने यह भी विश्वास जताया कि जमुई जिले की चारों विधानसभा सीटें सिकंदरा, जमुई, झाझा और चकाई महागठबंधन के खाते में जाएंगी। उन्होंने अपने सहयोगी प्रत्याशियों मोहम्मद शमशाद आलम (जमुई), जयप्रकाश नारायण यादव (झाझा) और सावित्री देवी (चकाई) की जीत का भरोसा भी जताया।

वैन में सुरक्षा कर्मियों का सामान था : वहीं, चौधरी के आरोपों पर जमुई के जिलाधिकारी नवीन कुमार ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने स्वीकार किया कि पिकअप वैन कॉलेज परिसर में गई थी, लेकिन स्पष्ट किया कि उनमें सुरक्षा कर्मियों का सामान था और कोई अनियमितता नहीं हुई।

मुकाबला जनता और ज्ञानेश कुमार के बीच', बिहार चुनाव नतीजों पर बोली कांग्रेस

पटना, एजेंसी। बिहार चुनाव नतीजों के रुझानों में एनडीए को आसानी से बहुमत मिलता नजर आ रहा है। रुझानों के बाद पटना में जदयू के कार्यालय के बाहर बड़ी संख्या में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समर्थक इकट्ठा हो गए हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के रुझान सामने आने के साथ ही आरोपों का शुरुआत हो चुकी है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने शुक्रवार को आरोप लगाते हुए कहा कि मुकाबला भारत के चुनाव आयोग और बिहार की जनता के बीच है और देखते हैं कि इसमें कौन जीतता है। उन्होंने कहा कि मैं राजनीतिक दलों की बात नहीं कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि मैं मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और बिहार की जनता के बीच सीधे मुकाबले की बात कर रहा हूं।

पवन खेड़ा ने कहा, ''ये शुरुआती रुझान हैं और हम अभी कुछ इंतजार करेंगे। फिलहाल आए रुझान इशारा हैं कि ज्ञानेश कुमार बिहार की जनता पर भारी पड़ रहे हैं। मैं बिहार के लोगों को कम नहीं आंक सकता हूं। उन्होंने हिम्मत दिखाई है।

एसआईआर के बावजूद हिम्मत दिखाई है। देखते हैं कि आने वाले कुछ घंटों में ज्ञानेश कुमार कितने असरदार साबित होंगे।''

बिहार चुनाव नतीजों के रुझानों में एनडीए को आसानी से बहुमत मिलता नजर आ रहा है। कुछ ही देर में नतीजों की स्थिति पूरी तरह साफ हो जाएगी। रुझानों के बाद पटना में जदयू के कार्यालय के बाहर बड़ी संख्या में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समर्थक इकट्ठा हो गए हैं। रुझानों के मुताबिक एनडीए ने बहुमत के आंकड़े को पार करके 185 सीटों पर बढ़त बना रखी है।

रुझानों के अनुसार इन 185 सीटों में से जदयू 76, भाजपा 83, एलजेपी (रामविलास) 22 और हम पार्टी 4 सीटों पर आगे चल रही है। भाजपा सांसद ने रुझानों में एनडीए के बहुमत का आंकड़ा पार करने और बढ़त बनाए रखने पर कहा कि नतीजों ने साबित कर दिया है कि टाइगर अभी जिंदा है, वह अब और भी बेहतर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि ये जीत बिहार की जनता की है। ये साफ है कि बिहार में डबल इंजन की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार पर भरोसा है। भाजपा और एनडीए के कार्यकर्ताओं ने कड़ी मेहनत की है और विकास की गति फिर बढ़ेगी।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

सातों विधानसभा में एनडीए का परचम, महागठबंधन का सुपड़ा साफ

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के सातों विधानसभा सीट से महागठबंधन का सुपड़ा साफ हो गया है। इन सातों विधानसभा सीट पर एनडीए के प्रत्याशियों ने जीत हासिल कर एक नया इतिहास रच दिया है। इस जीत को लेकर एनडीए खेमे में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। एनडीए समर्थक ढोल नगाड़े बजाते हुए एक दूसरे के ऊपर अबीर गुलाल लगाते देखे जा रहे हैं। वहीं एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई भी दे रहे हैं। वहीं दूसरी ओर महागठबंधन के खेल में निराशा देखी जा रही है। जिले के भागलपुर विधानसभा सीट से लगातार चार बार विधायक रहे कांग्रेस प्रत्याशी अजीत शर्मा को भाजपा के रोहित पांडे ने पराजित किया। वहीं बिहपुर से भाजपा प्रत्याशी इंजीनियर शैलेंद्र ने लगातार दूसरी बार जीत हासिल करते हुए वीआईपी के अपर्णा कुमारी को पराजित किया। राजद को छोड़ जदयू का दामन थामने वाले शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल ने वीआईपी के प्रेम सागर उर्फ डब्लू यादव को पराजित किया। कहलगांव विधानसभा क्षेत्र में जदयू प्रत्याशी शुभानंद मुकेश ने राजद प्रत्याशी रजनीश भारती को पराजित किया। पिरपैंती

विधानसभा से भाजपा के मुरारी पासवान ने राजद के रामविलास पासवान को पराजित किया। नाथनगर विधानसभा क्षेत्र से लोजपा आर के प्रत्याशी मिथुन यादव ने राजद के जेड हसन को पराजित किया। वहीं सुल्तानगंज विधानसभा क्षेत्र से जदयू के ललित मंडल ने रजत के चंदन सिन्हा को पराजित किया है। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक विधानसभा में इवीएम के मतों की गिनती के लिए 14 टेबल तथा पोस्टल बैलेट की गिनती के लिए पांच टेबल लगाया गए थे। इस प्रकार प्रत्येक विधानसभा वार 21 टेबल मतों की गिनती के लिए लगाए गए थे। इवीएम से मतों की गिनती के लिए प्रत्येक टेबल पर तीन मतगणना कर्मी लगाए गए थे। वोटों की गिनती के लिए एक माइक्रो आब्जर्वर, एक सुपरवाइजर और एक काउंटिंग असिस्टेंट मौजूद थे। पोस्टल बैलेट की गिनती के लिए प्रत्येक टेबल पर एक माइक्रो आब्जर्वर, एक सुपरवाइजर और दो काउंटिंग असिस्टेंट लगाए गए थे। उधर भागलपुर के दोनों मतगणना केंद्र राजकीय पालिटेक्निक, बरारी तथा महिला आइटीआइ, बरारी पर पुख्ता सुरक्षा की व्यवस्था की गई थी। शुक्रवार को आठ बजे पूर्वाह्न से मतगणना शुरू हुई। भागलपुर विधानसभा क्षेत्र में 28 राउंड की मतगणना हुई। कहलगांव और पीरपैंती विधानसभा क्षेत्र में 30 से 32 राउंड की मतगणना हुई। गोपालपुर और बिहपुर विधानसभा क्षेत्र की लगभग 24 से 26 राउंड की मतगणना हुई। सुबह दस बजे से रूझान आना शुरू हो गया था। पहला रूझान पोस्टल बैलेट के जरिए आया। मतगणना केंद्रों पर त्रि-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था थी। पहले घेरे में केंद्रीय अर्धसैनिक बल, दूसरे घेरे में बिहार सैन्य पुलिस एवं तीसरे घेरे में जिला पुलिस बल की तैनाती की गई थी। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए 60 से अधिक सीसीटीवी लगाए गए थे। जगह-जगह मजिस्ट्रेट तैनात किए गए थे।

कहलगांव के रामजानीपुर एनएच-80 पर दो बाइक की टक्कर

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर जिले के शिवनारायणपुर थाना क्षेत्र के रामजानीपुर गांव के समीप NH-80 पर शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे दो बाइक की टक्कर हो गई। इस हादसे में एक 18 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों बाइक तेज रफ्तार में थीं। सामने से आए एक वाहन को बचाने के प्रयास में वे आपस में टकरा गईं। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और घायलों को सड़क किनारे सुरक्षित स्थान पर ले गए। घायल युवक की पहचान अंतिचक थाना क्षेत्र के हारिचक गांव निवासी अंबिका मंडल के पुत्र नखील कुमार (18 वर्ष) के रूप में हुई है। ग्रामीणों ने उसे तुरंत कहलगांव अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया। कहलगांव अनुमंडल अस्पताल में डॉ. नवीन कुमार ने नखील का

♦ 18 वर्षीय युवक गंभीर घायल, मायागंज रेफर

प्राथमिक उपचार किया। डॉक्टर के अनुसार, युवक के सिर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं और उसकी हालत नाजुक बनी हुई थी। बेहतर इलाज के लिए चिकित्सकों ने उसे भागलपुर मायागंज मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

नामांकन वापस लेने पर शुल्क वापसी की नई नीति बनेगी, तब तक पुरानी नीति ही जारी रहेगी

भागलपुर। यूजीसी उच्चतर शिक्षा में नामांकन वापस लेने पर होने वाली शुल्क वापसी की नई नीति बनाएगा। कुछ राज्यों जैसे बिहार के विश्वविद्यालयों में स्नातक से पीजी तक कुछ खास वर्ग के छात्र-छात्राओं का नामांकन निःशुल्क होता है। इस दौरान यूजीसी की शुल्क वापसी की पॉलिसी भी लागू रहने से चीजें उलझ रही थीं। यूजीसी ने शुल्क वापसी की नीति 2024-25 तक के लिए बनाई थी। अब उसने कहा है कि इसको लेकर नई नीति बननी है। इसलिए शुल्क वापसी की व्यवस्था नई पॉलिसी बनने तक लागू रहेगी। यूजीसी की शुल्क वापसी पॉलिसी के तहत पांच कैटेगरी तय है। जो छात्र नामांकन की अंतिम तिथि के 15 दिन या इससे पहले अपना नामांकन वापस लेंगे उन्हें पूरी राशि वापस होगी। नामांकन की अंतिम तिथि के 15 दिनों या इससे कम दिनों में पहले नामांकन वापस लेने पर शुल्क का 90 प्रतिशत वापस होगा। नामांकन की अंतिम तिथि के 15 दिन के बाद नामांकन वापस लेने पर 80 प्रतिशत शुल्क वापस होगा। नामांकन की अंतिम तिथि के 15 से 30 दिन बाद तक नामांकन वापस लेने पर 50 प्रतिशत शुल्क वापस होगा। जबकि 30 दिन के बाद नामांकन वापस लेने पर शुल्क वापस नहीं होगा।

हर शनिवार रिसोर्स सेंटर में शिक्षकों संग होगी चर्चा

भागलपुर। बिहार शिक्षा परियोजना परिषद ने राज्यभर के 8827 स्कूल कॉम्प्लेक्स रिसोर्स सेंटर को सक्रिय और क्रियाशील बनाने की कवायद शुरू कर दी है। परिषद ने 19 और 20 नवंबर को दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित करने का निर्णय लिया है। बैठक में सभी जिले के रिसोर्स सेंटर प्रधानाध्यापकों को शामिल किया जाएगा। राज्य परियोजना निदेशक मयंक बरबरे ने सभी जिलों के डीईओ, प्रारंभिक शिक्षा और समग्र शिक्षा अभियान के डीपीओ को पत्र भेजकर कार्यशाला में अनिवार्य रूप से भाग लेने का निर्देश दिया है। दो दिवसीय कार्यशाला के पहले दिन 19 नवंबर को दोपहर 2:30 बजे से शाम 4 बजे तक 21 जिलों के रिसोर्स सेंटर हेड के साथ बैठक होगी। इसमें सेंटर को अधिक प्रभावी बनाने और शिक्षकों के अकादमिक विकास से जुड़ी रणनीतियों पर चर्चा होगी। राज्य में फिलहाल 180 से अधिक रिसोर्स सेंटर कार्यरत हैं। प्रत्येक सेंटर के अंतर्गत 10 से 15 प्राथमिक और मध्य विद्यालयों को जोड़ा गया है, जबकि नजदीकी हाईस्कूल को रिसोर्स सेंटर के रूप में विकसित किया गया है। इन केंद्रों के माध्यम से शिक्षण-प्रशिक्षण, शैक्षणिक गतिविधियों की मॉनिटरिंग और शिक्षकों के पेशेवर विकास से जुड़ी गतिविधियों का संचालन किया जाए।

शहर के दक्षिणी क्षेत्र में जहां वोट बहिष्कार वहां 55.50% वोटिंग

भागलपुर। शहर के दक्षिणी हिस्से को जिला मुख्यालय से जोड़ने के लिए फ्लाईओवर बनाया जा रहा है। जो भोलानाथ रेलवे पुल के ऊपर से गुजरेगा। फ्लाईओवर के लिए दो अप्रोच पथ की मांग लगातार की जा रही है। ये अप्रोच पथ इशाकचक व डिक्सन मोड़ पर मांगा जा रहा है। मतदान से कुछ दिन पहले इशाकचक व आसपास के लोगों ने घरों के बाहर वोट बहिष्कार का पोस्टर चिपकाया था। जिन जगहों पर बहिष्कार की बात लोगों ने की वहां 15 बूथ पड़ते हैं। उन 15 बूथों पर 55.50% मतदान हुआ है। सभी बूथों पर 12453 कुल मतदाता हैं। जहां से 6912 लोगों ने अपना मत डाला। इलाके की विधानसभा भागलपुर शहरी है, जहां कुल मतदान 57.15% हुआ। विस सीट से इन बूथों पर 1.65% कम मतदान दर्ज किया गया। लोगों ने बताया कि वोट बहिष्कार की एक रणनीति तैयार हुई, जिसे एक प्रत्याशी विशेष को लाभ दिलाने के लिए रचा गया। लोगों ने बताया कि जिस प्रत्याशी को लाभ दिलाने के मकसद से वोट बहिष्कार किया गया उन्होंने आंदोलन के समय खूब फोटो खिंचाए। उनकी पार्टी के बड़े नेताओं ने पहुंच पथ दिलाने का वादा किया, लेकिन विभाग ने अपने सर्वे में उसे मना कर दिया गया। आचार संहिता लागू होने से ठीक दो दिन पहले जिला कार्यालय ने एक रिपोर्ट तैयार कर मुख्यालय भेज मंजूरी मांगी है।

समर्थकों के साथ सुबह से शाम तक रणनीति बनाते रहे रोहित

भागलपुर। भाजपा प्रत्याशी रोहित पांडेय ने शुक्रवार को सच्चिदानंद नगर स्थित अपने आवास पर समर्थकों के साथ बैठक की। मतगणना को लेकर रणनीति बनाई। वहीं उन्होंने मतगणना एजेंटों के साथ भी बैठकर राय-शुमारी की। इस बीच वह पॉलिटेक्निक कॉलेज स्थित मतगणना केंद्र भी गए। वहां का जायजा लेने के बाद समर्थकों के लिए पंडाल की जगह तय कर बनवाया। दूसरी ओर तिलकामांझी मंडल में मंडल अध्यक्ष सोमनाथ शर्मा ने अपनी टीम के साथ बैठक की। कहा कि शुक्रवार को भागलपुर में एक नया सवेरा होगा। जबकि तीसरी टीम सेल्स टैक्स ऑफिस के पास ओम भास्कर, पार्षद प्रतिनिधि शशि मोदी सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने अपनी टीम के साथ रणनीति बनाई। कहा गया कि हर बूथ के अनुसार कार्यकर्ताओं ने आकलन कर लिया है। अब शुक्रवार को भागलपुर को नया विधायक मिल जाएगा। हालांकि रोहित ने बताया कि नतीजे शुक्रवार को आ ही जाएंगे, इसीलिए कुछ नहीं कह सकते।

21 नवंबर तक सभी सरकारी अस्पतालों में विशेष अभियान चलाया जाएगा

बेगूसराय। आज अंतरराष्ट्रीय मधुमेह दिवस है। इस अवसर पर जिला अस्पताल सहित सभी अनुमंडल एवं पीएचसी अस्पताल में विशेष अभियान चलाया जाएगा। 21 नवंबर तक चलने वाले इस अभियान में 30 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों का मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप की जांच की जाएगी। जांच के दौरान मधुमेह या उच्च रक्तचाप से ग्रसित व्यक्तियों को एक माह की दवाई दी जाएगी। इसकी जानकारी देते हुए एनसीडी के प्रभारी डॉ संजय कुमार सिंह ने कहा कि इसको लेकर विशेष रूप से दिशा-निर्देश दिया गया है। सदर अस्पताल से लेकर सभी सरकारी अस्पतालों के प्रभारी को आवश्यक निर्देश दिया गया है, जिसमें जांच के साथ-साथ मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप के लक्षणों से आमलोगों को अवगत कराया जाएगा।

मधुमेह के लक्षण व बचावः डॉ संजय सिंह ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को बार-बार पेशाब होता हो और वजन घटता जा रहा है, तो उन्हें तुरंत चिकित्सक से सलाह लेने की जरूरत है। इसके साथ ही अधिक प्यास लगना एवं कमजोरी लगने गले तो चिकित्सक से मिलना जरूरी है। डॉ सिंह ने कहा कि इन लक्षणों के उपरांत अवश्य चिकित्सक की सलाह पर जांच करानी चाहिए। यदि मधुमेह और उच्च रक्तचाप जांच में साबित हो जाता है तो संतुलित भोजन, नियमित जांच व उपचार, साईकिल चलाना, तैरना एवं व्यायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

अंडर-14 और 17 में मुंगेर और अंडर-19 में सारण प्रमंडल की टीम बनी उप विजेता

बेगूसराय। बेगूसराय में आयोजित चार दिवसीय राज्य स्तरीय (अंतर प्रमंडल) विद्यालय कबड्डी बालिका खेल प्रतियोगिता के चौथे और अंतिम दिन सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले गए। जिसमें अंडर-14 और 19 में पटना जबकि अंडर-17 में तिरहुत प्रमंडल की टीम विजेता बनी। वहीं अंडर-14 तथा 17 में मुंगेर जबकि अंडर-19 में सारण प्रमंडल की टीम उप विजेता बनी। ज्ञात हो कि उक्त आयोजन बिहार राज्य खेल प्राधिकरण एवं खेल विभाग बिहार सरकार तथा जिला प्रशासन बेगूसराय के संयुक्त तत्वावधान में गांधी स्टेडियम बेगूसराय में किया गया। प्रतियोगिता में अंडर-14 के पहले सेमीफाइनल में मुंगेर प्रमंडल की टीम ने रोमांचक मुकाबले में तिरहुत प्रमंडल को 32 के मुकाबले 30 अंक से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में पटना ने दरभंगा को 41 के मुकाबले 20 अंक से हराकर फाइनल में स्थान बनाया। खेल को सिर्फ खेल भावना से खेलने से खिलाड़ी अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है मैच के पश्चात जिला खेल पदाधिकारी श्याम कुमार सहनी ने अंडर 14,17 तथा 19 के विजेता,उप विजेता तथा तृतीय स्थान के टीम के खिलाड़ियों को मेडल एवं ट्रॉफी प्रदान किया। इस अवसर पर बिहार राज्य खेल प्राधिकरण द्वारा नियुक्त अंतरराष्ट्रीय कबड्डी रेफरी श्यामनंदन सिंह उर्फ पन्नालाल,राणा रणजीत सिंह के साथ मौजूद अन्य रेफरी एवं सिलेक्टर्स अंकिता कुमारी, नव्या कुमारी और मो. इस्राफिल को अंग वस्त्र और प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया गया।

बलिया पुलिस ने दो भाइयों को गिरफ्तार किया

निज संवाददाता। बेगूसराय

बेगूसराय की बलिया पुलिस ने शुक्रवार को छोटी बलिया अख्तियारपुर से मारपीट और शांति भंग के आरोप में दो भाइयों को गिरफ्तार किया है। ये दोनों भाई कई वर्षों से फरार चल रहे थे और इनके खिलाफ न्यायालय से वारंट जारी किया गया था। थाना प्रभारी विकास कुमार राय ने बताया कि दोनों भाइयों ने पड़ोसियों के साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया था। उन पर स्थानीय क्षेत्र में शांति भंग करने का भी प्रयास करने का आरोप है। पीड़ित पड़ोसियों द्वारा स्थानीय थाने में आवेदन दिया गया था। पुलिस जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद बलिया थाना कांड संख्या 52/18 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसमें दोनों भाइयों को नामजद आरोपी बनाया गया था। न्यायालय के आदेश पर गिरफ्तारी वारंट जारी होने

♦ मारपीट और शांति भंग मामले में कई साल से थे फरार

के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान छोटी बलिया अख्तियारपुर निवासी साछो यादव के पुत्र टुनटुन यादव और सुधीर यादव के रूप में हुई है। दोनों को कोर्ट के आदेश पर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

त्रि- स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के बीच कृषि उत्पादन बाजार समिति प्रांगण में मतगणना

निज संवाददाता। अररिया

अररिया के छह विधानसभा क्षेत्र के लिए कृषि उत्पादन बाजार समिति ने मतदान की व्यवस्था की गई है।शुक्रवार को हो रहे मतदान को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। त्रि स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतगणना का कार्य शुरू हुआ है। मतगणना के लिए छह अलग अलग हॉल की व्यवस्था की गई है। अहले सुबह से ही मतगणना में लगने वाले कर्मचारियों के साथ प्रत्याशियों के काउंटिंग एजेंट भारी सुरक्षा के बीच कृषि उत्पादन बाजार समिति प्रांगण में प्रवेश किया। प्रत्येक विधानसभा में मतगणना के लिए हरेक राउंड के लिए 14 टेबल लगाए गए हैं। जहां हरेक टेबल से मिले प्रत्याशी वार वोट को जोड़कर एक राउंड का मतदान की गिनती की जाएगी।सबसे पहले बैलेट पेपर की गिनती की जाएगी।जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी अनिल कुमार ने मतगणना और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम करने की बात कही।वहीं एसपी अंजनी कुमार ने आमलोगों

से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है।जीत हार के बाद किसी तरह की विजय जुलूस पर रोक लगाया गया है। मौके पर मौजूद जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि मतगणना की व्यापक तैयारियां की की गई है।सुबह से ही मतगणना करने वाले कर्मचारी मतगणना स्थल पर पहुंचकर मतगणना के कार्य में लगे हैं। वहीं एसपी अंजनी कुमार ने कहा कि यातयात को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए गए हैं।मतगणना स्थल से बाहर वाले अररिया रानीगंज मुख्य मार्ग पर आम वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाया गया है। रूट को डायवर्ट किया गया है।सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं और किसी भी तरह की परिस्थिति से निबटने के लिए तैयार है।

एनडीए की हुई प्रचंड जीत

निज संवाददाता। बेगूसराय

बेगूसराय जिले की सभी सात विधानसभा सीट का परिणाम घोषित हो गया है। यहां लोगों की उम्मीद के ठीक विपरीत रिजल्ट आया है। एनडीए ने पांच सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि महागठबंधन समर्थित आरजेडी को 2 सीटों पर जीत मिली है। यहां से बड़े चेहरों में खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता और पूर्व मंत्री मंजू वर्मा के बेटे अभिषेक आनंद चुनाव जीत गए हैं। लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री सतीश प्रसाद सिंह के पुत्र सुशील कुमार, मटिहानी से राजकुमार सिंह, तेघड़ा से सीपीआई के राम रतन सिंह चुनाव हार गए हैं। 6 नवंबर को मतदान के बाद अलग-अलग कयास लगाए जा रहे थे, लेकिन सभी के आशाओं को दरकिनार करते हुए बीजेपी के कुंदन कुमार एक बार फिर बेगूसराय से चुनाव जीत गए हैं। उन्होंने कांग्रेस के अमित भूषण को हराया है। 2020 में भी कुंदन कुमार ने तत्कालीन विधायक अमिता भूषण को हराया था। मटिहानी से चार बार के विधायक रह चुके राजद प्रत्याशी नरेंद्र कुमार सिंह उर्फ बोगो सिंह ने वर्तमान विधायक और जदयू के प्रत्याशी राजकुमार सिंह को हरा दिया है। 2020 में राजकुमार सिंह मटिहानी से लोजपा के टिकट पर चुनाव लड़े थे और उन्होंने तत्कालीन जदयू विधायक नरेंद्र कुमार सिंह उर्फ बोगो सिंह को चुनाव हराया था। चुनाव जीतने के बाद राजकुमार सिंह जदयू में चले गए और इस बार भी जदयू ने उन्हें मटिहानी से मैदान में उतारा था। लेकिन कड़े मुकाबले में इस बोगो सिंह ने हरा दिया है। साहेबपुर कमाल विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं ने एक बार फिर पूर्व मंत्री श्रीनारायण यादव के पुत्र और राजद प्रत्याशी वर्तमान विधायक सत्तानंद संबुद्ध उर्फ ललन यादव पर विश्वास जताते हुए उन्हें जीत का माला पहनाया। ललन यादव ने लोजपा (रा.) के सुरेंद्र विवेक को हराया है। यहां जदयू के बागी अमर कुमार निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहे थे और यही एनडीए के हार का कारण बने। बखरी (सु.) विधानसभा क्षेत्र से लोजपा (रा.) के संजय पासवान ने सीपीआई के वर्तमान विधायक और प्रत्याशी सूर्यकांत पासवान को हरा दिया है। यहां बाहरी और स्थानीय का खूब नारा चला। शुरुआती दौर में बीजेपी के कार्यकर्ता लोजपा(रा.) को टिकट मिलने से नाराज थे। लेकिन चुनाव के दौरान सारी नाराजगी दूर हो गई। लोजपा(रा.) ने पहली बार यहां से विजय हासिल किया है। चेरिया बरियारपुर विधानसभा क्षेत्र से पूर्व समाज कल्याण मंत्री और जदयू के प्रत्याशी अभिषेक आनंद ने पूर्व मुख्यमंत्री और राजद के प्रत्याशी सुशील कुमार को हरा दिया है। स्थानीय स्थिति को देखते हुए राजद ने इस बार अपने सिटिंग विधायक राजवंशी महतो का टिकट काट दिया था। टिकट के लिए लगातार प्रयास कर रहे रामसखा महतो निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में आ गए थे और यहां राजद की हार का कारण बना। रामसखा महतो का निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर खड़ा होना चर्चा का विषय बना हुआ है। तेघड़ा विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधान पार्षद और बीजेपी के राष्ट्रीय मंत्री रह चुके रजनीश कुमार ने सीपीआई के वर्तमान विधायक राम रतन सिंह को चुनाव हरा दिया है।

यहां भी स्थानीय बनाम बाहरी का मुद्दा खूब जोर-जोर से उठा। लेकिन जनता ने रजनीश कुमार पर विश्वास जताया और उन्हें अपार वोट देकर विजय श्री हासिल करवा दी। तेघड़ा विधानसभा क्षेत्र के मिनी मास्को कहे बीहट में लोगों ने सीपीआई को वोट नहीं देकर भाजपा का समर्थन किया है। बछवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी ने एक बार फिर वर्तमान खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता को चुनावी मैदान में उतारा था। उन्होंने कांग्रेस के प्रत्याशी शिव प्रकाश गरीबदास को चुनाव हरा दिया है।

तारापुर सीट से सम्राट चौधरी की जीत

निज संवाददाता। मुंगेर

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर आज(14 नवंबर) को रिजल्ट आने वाला है। इसको लेकर काउंटिंग सुबह 8 बजे से राज्य के हर जिले में शुरू हो जाएगी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी ने बताया, काउंटिंग हॉल में तीनों विधानसभा क्षेत्रों- तारापुर, मुंगेर और जमालपुर की एक साथ की जाएगी। इसके लिए कुल 14 टेबल लगाए गए हैं। EVM को हॉल में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और CCTV निगरानी में रखा गया है। काउंटिंग के काम में लगे सभी पदाधिकारियों और कर्मियों को पहले ट्रेनिंग भी दी जा चुकी है।

सुबह 7 बजे तक कर्मियों की एंट्रीः DM ने बताया, शुक्रवार को सुबह 7 बजे से पहले सभी मतगणना कर्मियों और पदाधिकारियों को प्रवेश दिया जाएगा।

राजनीतिक दलों के मतगणना अभ्यर्थियों को 8 बजे तक ही प्रवेश की अनुमति होगी। बिना प्रवेश पास के किसी भी व्यक्ति को अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। एक बार प्रवेश करने के बाद किसी को बाहर जाकर दोबारा आने की इजाजत नहीं होगी। काउंटिंग परिसर में मोबाइल फोन, लैपटॉप या किसी अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को ले जाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। सुरक्षा कर्मियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि कोई भी व्यक्ति नियमों का उल्लंघन न करे।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं.: टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2025-26-10, दिनांकः 12.11.2025, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा ख्यातिप्राप्त निविदाकारों जिनके पास वैध विद्युत ठेकेदार का लाइसेंस एवं सुपरवाइजरी लाइसेंस है और निम्नलिखित कार्य को करने में वित्तीय रूप से सक्षम हैं, से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **निविदा केस सं.: टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2025-26-10, कार्य का नामः** आसनसोल मंडल-आसनसोल मंडल में लार्ज स्पैन जंपर/जी जंपर आदि का प्रतिस्थापन। **निविदा मूल्यः** रु. 1,84,64,132.58, **बयाना राशिः** रु. 2,42,300/-, **कार्य की समापन अवधिः** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 12 माह। **कार्य के लिए प्रस्ताव की वैधताः** खुलने की तिथि से 45 दिन। **खुलने की तिथि और समयः** दिनांक 11.12.2025 को 15.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइटः **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है।

ASN-239/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइटः www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना सं.: 139, 140, 142 **एवं** 143 **दिनांक** 13.11.2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, मालदा टाउन ऑफिस, मंडल रेल प्रबंधक/पूर्व रेलवे/मालदा टाउन ऑफिस बिल्डिंग, डाकघर-झलझलिया, जिला-मालदा, पिन-732102 (पश्चिम बंगाल) द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली ई-निविदा सूचना आमंत्रित की जाती हैः **क्रम सं. 1, निविदा सं. :139-एमएलडीटी-25-26, कार्य का नाम एवं इसका स्थानः** वरिष्ठ मंडल अभियंता-II/पूर्व रेलवे/मालदा के अधीन सहायक अभियंता/साहिबगंज के अधिकार क्षेत्र में महाराजपुर, सकरीगली, करमटोला, मिर्जाचौकी, अम्मापाली हाल्ट, लक्ष्मीपुर भोरंग हाल्ट और बिक्रमशिला स्टेशनों के सर्कुलेटिंग एरिया, स्टेशन भवन, प्लेटफार्म सतह के सुधार के कार्य के लिए खुली ई-निविदा। **निविदा मूल्यः** रु.7,67,11,952.93, **क्रम सं. 2, निविदा सं. 140- एमएलडीटी-25-26, कार्य का नाम एवं इसका स्थान** : वरिष्ठ मंडल अभियंता-II/मालदा के अधिकार क्षेत्र में सहायक अभियंता/साहिबगंज के अधीन साहिबगंज-भागलपुर खंड में सीमित ऊंचाई के सबवे सं. 1 और 5 में जल निकासी व्यवस्था में सुधार, विभिन्न ग्राउटिंग को भरना और संप (हौज) के आकार में वृद्धि एवं अन्य सहायक कार्य के लिए खुली ई-निविदा। **निविदा मूल्यः** रु. 1,76,11,969.85, **क्रम सं. 3, निविदा सं. 142- एमएलडीटी-25-26, कार्य का नाम एवं इसका स्थान** : मंडल अभियंता/I/मालदा के अधिकार क्षेत्र में सहायक अभियंता/न्यू फरक्का के अधीन नोआपाड़ा, महिपाल, महिपाल रोड, पोड़ाडांगा, बड़हरवा, तिनपहाड़ में जलापूर्ति एवं जल निकासी सुविधाओं सहित प्लेटफॉर्म सरफेस वाटर बूथ, स्टेशन भवनों के सुधार के प्रावधान कार्य के लिए खुली ई-निविदा। **निविदा मूल्यः** रु. 2,35,49,618.78, **क्रम सं. 4, निविदा सं. 143- एमएलडीटी-25-26, कार्य का नाम एवं इसका स्थानः** मंडल अभियंता/I/मालदा के अधिकार क्षेत्र में सहायक अभियंता/न्यू फरक्का के तहत धुलियान गंगा में स्टेशन एप्रोच रोड के सुधार के कार्य के लिए खुली ई-निविदा। **निविदा मूल्यः** रु. 1,63,01,835.83, **निविदा की अंतिम तिथि और समय :** दिनांक 05.12.2025 को 15.30 बजे (क्रम सं. 1, 2, 3 एवं 4 प्रत्येक हेतु)। **वेबसाइट का विवरण एवं सूचना पट : www.ireps.gov.in/** डीआरएम कार्यालय/मालदा टाउन (प्रत्येक हेतु)। निविदाकारों से अनुरोध है कि वेबसाइट में विस्तृत निविदा सूचना एवं कागजात देखें।

MLD-227/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ऑन लाईन ई-निविदा (एकल) आमंत्रण सूचना संख्या ईएल/50/दानापुर/एस टी/30/2025-26

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व मध्य रेल दानापुर, भारत के राष्ट्रपति की ओर से उन संवेदकों से निविदा पत्र में वर्णित शर्तों को पूरा करते हों उनसे निम्नलिखित कार्य हेतु ऑन लाईन ई-निविदा (एकल) निविदा आमंत्रित करते हैं।

निविदा संख्या : ईएल/50/दानापुर/एस टी/30/2025-26

1. कार्य का नाम : दानापुर मंडल में 03 वर्ष की अवधि के लिए पावर कारों में लगे डीजी सेट (500 केवीए, मेक-ग्रीव्स) और एलएसएलआरडी के एस्कॉटिंग और संचालन सहित व्यपाक वार्षिक रखरखाव अनुबंध (सीएएमसी), 2. अनुमानित लागत : ₹13,15,97,539.17, 3. अग्रधन राशि : ₹8,08,000/- 4. निविदा जमा करने की तिथि एवं समय : 04.12.2025 को 12.00 बजे तक निर्धारित है, 5. उपरोक्त सभी निविदा की वेबसाइट, नोटिस बोर्ड और कार्यालय : क्रिस वेबसाइट http://www.ireps.gov.in. वरीय मंडल बिजली इंजीनियर(सामान्य) का कार्यालय, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय भवन, पूर्व मध्य रेल, दानापुर

नोट : (1) विवाद की स्थिति में अंग्रेजी नोटिस मान्य होगा। (2) यदि जरूरी हो तो शुद्धि-पत्र उपरोक्त वेबसाईट पर 15 दिन पहले तक अपलोड होगा।

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत/सा॰)/
पूमरे/दानापुर

पीआर/1274/डीएनआर/ईएलईसीटी/टी/25-26/40

पूर्व मध्य रेल

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति के तरफ से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य), पूर्व मध्य रेल, पं. दीन दयाल उपाध्याय मंडल द्वारा निम्न वर्णित पार्किंग स्टैंडो के संचालन हेतु ई-नीलामी आमन्त्रित किया जाता है। विस्तृत विवरण निम्न है :-

1. AA/1. कार्य का नाम, स्थान एवं पूर्ण अवधि : सासाराम रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में स्थित चार पहिया वाहन पार्किंग स्टैंड का संचालन 03 वर्षों के लिए। ई-नीलामी लॉट संख्या : PARKING-DDU-SSM-FW-14-25-1. ई-नीलामी की तिथि एवं समय : ई-नीलामी दिनांक 25.11.2025 को 12:00 बजे शुरू होगी और 12:30 बजे बंद होगी।
2. AB/1. कार्य का नाम, स्थान एवं पूर्ण अवधि : गया रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में स्थित तीन पहिया वाहन पार्किंग स्टैंड का संचालन 03 वर्षों के लिए। ई-नीलामी लॉट संख्या : PARKING-DDU-Gaya-RW-18-25-1. ई-नीलामी की तिथि एवं समय : ई-नीलामी दिनांक 25.11.2025 को 12:00 बजे शुरू होगी और 12:40 बजे बंद होगी।
3. AB/2. कार्य का नाम, स्थान एवं पूर्ण अवधि : अंकोरहा रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में स्थित तीन पहिया वाहन पार्किंग स्टैंड का संचालन 03 वर्षों के लिए। ई-नीलामी लॉट संख्या : PARKING-DDU-ANH-RW-36-22-1. ई-नीलामी की तिथि एवं समय : ई-नीलामी दिनांक 25.11.2025 को 12:00 बजे शुरू होगी और 12:50 बजे बंद होगी।

ई-नीलामी कैटेलॉग संख्या : Parking-Mix-27.

वेबसाइट का पता जहाँ ई-नीलामी का पूर्ण विवरण उपलब्ध है : www.ireps.gov.in (E-auction Leasing).

मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य)/
पूमरे/पं. दीन दयाल उपाध्याय

पीआर/1286/डीडीयू/वा./एन/25-26/48

संक्षिप्त समाचार

आज सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालय व आंगनबाड़ी केंद्र बंद

आरा| बिहार विधानसभा आम निर्वाचन-2025 के तहत जिले के सभी सात विधानसभा क्षेत्रों संदेश, बड़हरा, आरा, अगिआंव , तरारी, जगदीशपुर व शाहपुर में 6 नवंबर को शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हो चुका है। बिहार निर्वाचन आयोग, पटना द्वारा 14 नवंबर 2025 (शुक्रवार) को मतगणना दिवस निर्धारित किया गया है। जिला प्रशासन ने मतगणना के दिन जिले में शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से एक अहम निर्णय लिया है। जिले के सभी प्री-स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र, माध्यमिक और उच्च विद्यालयों का संचालन 14 नवंबर को बंद करने का आदेश जारी किया है। दंडाधिकारी ने आदेशित किया है कि मतगणना प्रक्रिया के दौरान स्कूलों व आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन से बच्चों के शैक्षणिक कार्य प्रभावित हो सकते हैं व सुरक्षा व्यवस्था पर भी असर पड़ सकता है।

सुनील का बयान राजद के हार की हताशा : कुंवर सेना

आरा। बिहार विधानसभा चुनाव के मतगणना से पहले राजद एमएलसी रहे सुनील सिंह के बयान को विवादित बयान बताते हुए भाजपा के वरीय नेता और कुंवर सेना के अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह ने निंदा किया है। कहा- राष्ट्रीय जनता दल हताश हो गयी है। सुनील सिंह खुद कभी चुनाव लड़े नहीं है। इनका बयान यह दिखा रहा कि राष्ट्रीय जनता दल हताश हो गयी है। इसलिए वह जो बयान दे रहे है, वह बचपना वाला बयान है। भोजपुर की सातों सीटों पर एनडीए प्रचंड बहुमत से जीत दर्ज कर रही है। बिहार में एनडीए की सरकार बनना तय है। इसे लेकर दल के लोग मतगणना की तैयारी में लगे हैं।

एसएन मेमोरियल स्कूल में मना बाल दिवस

आरा| एसएन मेमोरियल स्कूल, गौसगंज में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन पर बाल दिवस मनाया गया। बाल दिवस पर खेलकूद का आयोजन हुआ। बच्चों को सिनेमा दिखाया गया एवं गिफ्ट दिया गया। डायरेक्टर डॉ. स्मिता सिंह के नेतृत्व में यह कार्यक्रम हुआ। उन्होंने बच्चों से जीवन में बड़े सपने देखने और कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया। कहा कि चाचा नेहरू के कर्मों से प्रेरणा लेने की जरूरत है। बाल दिवस का मुख्य उद्देश्य बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना, शिक्षा का महत्व समझाना और उनके भीतर आत्मविश्वास तथा जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। यह दिन समाज को यह याद दिलाता है कि हर बच्चे को समान अवसर, सम्मान और सुरक्षित वातावरण मिलना चाहिए।

आरके एकेडमी में मनाया बाल दिवस का उत्सव

आरा| पकड़ियाबर चंदवा, आरा स्थित आरके एकेडमी में बाल दिवस मना। पहले सत्र की शुरुआत पंडित जवाहरलाल नेहरू के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर सभी शिक्षकों एवं कक्षा के वर्ग-नायकों द्वारा श्रद्धा-सुमन अर्पित किया गया। विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक जटाशंकर एवं वंदना ने पंडित जवाहरलाल नेहरू से जुड़ा हुआ प्रेरक प्रसंग बताया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में सभी कक्षाओं के वर्ग-शिक्षकों ने अपने-अपने छात्रों को प्रेमपूर्वक विशेष उपहार भेंट किए जिससे बच्चों के चेहरे खिल उठे। साथ ही विद्यालय प्रबंधन की ओर से सभी छात्र-छात्राओं के लिए एक पारंपरिक स्वादिष्ट भोज के विशेष आयोजन ने उत्सव के माहौल को और भी समृद्ध किया। प्राचार्या मोनिका राज ने कहा कि बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं।

गर्भवती की जांच और बच्चों का टीकाकरण

ब्रह्मपुर| स्वस्थ माता, स्वस्थ बालक कार्यक्रम डेनोन के सहयोग से ब्रह्मपुर प्रखंड के बडकी नैनीजोर पंचायत के ढाबी टोला गांव के वार्ड नंबर- 1 स्थित आँगनबाडी केन्द्र संख्या-160 पर आरोग्य दिवस मनाया गया। एएनएम वैजन्ती कुमारी ने गर्भवती महिलाओं की पेट, खून, शुगर, बीपी, ऊंचाई और वजन की जांच की। खानपान को लेकर जरूरी सलाह दी। बच्चों को टीके लगाए गए। डीएफवाई के अंजनी मिश्रा ने गर्भवती महिलाओं और बच्चों के माता-पिता को स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ी जानकारी दी। आरोग्य दिवस पर स्वास्थ्य जागरूकता बैठक भी हुई।बैठक में एएनएम वैजन्ती, आशा फैसिलिटेटर अंशु तिवारी, आशा कल्पना देवी, सेविका सरोज देवी और गांव के लोग मौजूद रहे।

समाज में दूसरे के काम आना सबसे बड़ा धर्म

बक्सर| नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी आशुतोष श्रीवास्तव की स्मृति में जरूरतमंदों के बीच कम्बल वितरण किया गया। उनके बड़े भाई मनोज श्रीवास्तव उर्फ लल्लू लाल ने कहा कि आशुतोष हमेशा कहते थे कि समाज में रहकर दूसरों के काम आना ही सबसे बड़ा धर्म है।उनके बताए रास्ते पर चलकर हम उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनकी स्मृति में प्रत्येक वर्ष इसी तरह सामाजिक कार्य कर उनकी स्मृति को संजोय रखा जाएगा। इस दौरान समाजसेवी कृष्णानंद सिंह उर्फ छोटे सिंह, सन्तोष श्रीवास्तव, गौतम श्रीवास्तव व अन्य रहे ।

श्रद्धालुओं से पटा रहा ऐतिहासिक किला मैदान चरित्रवन का इलाका, जिसे जहां जगह मिली वहां बनाया प्रसाद

बक्सर। विश्व प्रसिद्ध पंचकोसी परिक्रमा यात्रा के अंतिम पड़ाव बक्सर में हजारों श्रद्धालुओं ने गुरुवार को चरित्रवन में लिट्टी-चोखा बनाकर भोग लगाया। बता दें कि अहले सुबह से ही चरित्रवन में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। पंचकोसी परिक्रमा के चौथे पड़ाव नुआंव में रात्रि विश्राम के बाद सुबह में श्रद्धालु बक्सर स्थित महर्षि विश्वामित्र के आश्रम में आने लगे। सबसे पहले उन्होंने रामरेखा घाट, नाथ बाबा घाट समेत अन्य गंगा घाटों पर स्नान कर पूजा-अर्चना की। इसके बाद चरित्रवन, ऐतिहासिक किला मैदान, अतिथि गृह, रामरेखा घाट के किनारे यानी जिसको जहां भी जगह मिला गोबर के उपला जला लिट्टी चोखा का प्रसाद बनाना शुरू कर दिया। चरित्रवन का पूरा इलाका श्रद्धालुओं से पट गया था। चरित्रवन का पूरा इलाका और किला का मैदान धुआं से भर गया था। लिट्टी-चोखा के अनूठा मेला में बक्सर जिले के अलावा आरा जिला, सीमावर्ती उत्तर प्रदेश, झारखंड व नेपाल से भी लोग आए हुए थे। बता दें कि विश्व प्रसिद्ध पंचकोसी परिक्रमा यात्रा की शुरूआत अगहन मास के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि से शुरूआत होती है। पंचकोसी परिक्रमा का पहला पड़ाव अहिरौली, दूसरा नदांव, तीसरा भभुअर, चौथा नुआंव और अंतिम पड़ाव विश्वामित्र की तपोस्थली बक्सर है। अंतिम पड़ाव पर लिट्टी-चोखा का प्रसाद ग्रहण करने के साथ ही पंचकोसी परिक्रमा का समापन हो गया। पंचकोशी मेला में नौलखा मंदिर के समीप गंगा पुत्र लक्ष्मी नारायण स्वामी जी महाराज द्वारा श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद व ठहरने की व्यवस्था की गयी थी। वही उन्होंने प्रवचन के दौरान कहा की राम की कथा बक्सर के आरम्भ हुयी थी।

मतगणना के मद्देनज़र डुमरांव में फ्लैग मार्च, शांति बनाए रखने की अपील

डुमरांव। आज चुनावों के होने वाले मतगणना को लेकर डुमरांव पुलिस प्रशासन की ओर से फ्लैग मार्च निकाला गया। नगर क्षेत्र के प्रमुख मार्गों पर थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा के नेतृत्व में यह फ्लैग मार्च आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य लोगों में सुरक्षा का विश्वास जगाना और मतगणना के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना था। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि मतगणना के मद्देनज़र जिले में धारा 144 लागू कर दी गई है। किसी भी व्यक्ति को पांच से अधिक संख्या में एकत्रित होने की अनुमति नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी प्रकार का विजय जुलूस निकालना सख्त वर्जित रहेगा। थानाध्यक्ष ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति या समूह इन नियमों का उल्लंघन करता है तो उसके विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आमजन से अपील की कि मतगणना परिणाम को लेकर किसी भी प्रकार की अफवाह, भ्रमात्मक या भड़काऊ बातों पर विश्वास न करें। सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही अपुष्ट खबरों से सावधान रहें और ऐसी सूचना मिलने पर तुरंत पुलिस को अवगत कराएं। पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और मतगणना के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। थानाध्यक्ष ने कहा कि मतगणना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अहम हिस्सा है, इसलिए हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह शांति, संयम और अनुशासन बनाए रखे।

दुल्लमचक गांव चुनावी रंजिश में पुलिस की छापेमारी

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले चौरी थाना क्षेत्र के दुल्लमचक गांव में चुनावी रंजिश से जुड़ी घटनाओं के आरोपितों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस ने देर रात तक विशेष अभियान चलाया। पीरो डीएसपी के.के. सिंह एवं चौरी थानाध्यक्ष जय राम शुक्ला के नेतृत्व में अर्द्धसैनिक बलों की मदद से दोनों पक्षों के घरों पर छापेमारी की गई। हालांकि, किसी भी नामजद आरोपित को पुलिस पकड़ नहीं सकी। सभी आरोपी घर छोड़कर फरार बताए जा रहे हैं। छापेमारी अभियान के बाद इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। वहीं, शांतिप्रिय ग्रामीणों ने पुलिस कार्रवाई को सराहनीय बताया है। DSP के.के सिंह ने बताया कि सभी नामजद आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी हाल में दुल्लमचक की कानून-व्यवस्था बिगड़ने नहीं दी जाएगी। बता दें कि दुल्लमचक गांव में चुनावी रंजिश को लेकर पिछले दिनों कई हिंसक घटनाएं हुई हैं। अब तक करीब 8 से 9 प्राथमिकी दर्ज हो चुकी हैं।

6 नवंबर को दो पक्षों में वोट को लेकर मारपीट हुई थी: तीन नवंबर को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की गई थी। छह नवंबर को मतदान के दिन दो पक्षों में वोट को लेकर मारपीट हुई थी। सात नवंबर को राजनीतिक दलों के समर्थकों के बीच झड़प और पथराव के दौरान पुलिस पर हमला भी हुआ था, जिसमें आधा दर्जन वाहन क्षतिग्रस्त हो गए थे। आठ नवंबर को एक व्यक्ति को ऑटो से खींचकर पीटा गया था। वहीं, 11 नवंबर को रंजिश में एक महिला निक्की देवी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जिसमें चार लोगों को नामजद किया गया है। लगातार घटनाओं के बाद से दुल्लमचक गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। प्रशासन की ओर से शांति-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है। बताया गया कि मतदान के दिन से ही गांव में दो गुटों के बीच झड़प और मारपीट की घटनाएं जारी थीं। अतिरिक्त बल की तैनाती के बाद अब क्षेत्र में फोर्स की कमी पूरी कर दी गई है।

- चुनावी रंजिश में 8 से अधिक एफ आई आर, लगातार झड़प, हत्या की घटनाओं से गांव में फैला तनाव

युवक की गोली मारकर हत्या

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले के पवना थाना क्षेत्र के भगवान मोड़ से संदेश की ओर जाने वाली बिछियांव गांव के समीप गुरुवार को हथियारबंद अपराधियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। युवक को गोली सीने के बीचों-बीच मारी गई है। जिससे युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। अपराधियों ने गोली मारने के बाद शव को गांव से 200 मीटर दूरी पर सड़क किनारे फेंककर फरार हो गए। इसके बाद राहगीरों ने शव मिलने की जानकारी स्थानीय थाना पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस ने शव का सदर अस्पताल में पोस्टमॉर्टम करवाया। पोस्टमॉर्टम में युवक के दाहिने साइड सीने से बुलेट बरामद किया गया है।

मृतक की पत्नी प्रेग्नेंट: मृतक गड़हनी थाना क्षेत्र के पहरपुर गांव निवासी ललक राम का 22 वर्षीय पुत्र अशोक राम है। वह पेशे से मजदूरी का काम करता था। इधर,मृत युवक की बहन गोरकी देवी ने बताया कि अशोक की पत्नी पंचकिलो देवी पेट से गर्भवती है। इसे लेकर वो अपने मायके रहती थी। छठ के दो दिन पहले वो अपने ससुराल संदेश थाना क्षेत्र के जमुआंव गांव चला गया था। इसके बाद उसे अपने घर छठ महापर्व को लेकर गीधा पूरे परिवार के साथ बुला लिए थे। दो दिन पहले मंगलवार को अशोक अपनी पत्नी और एक बेटी के साथ वापस ससुराल चला गया था। आज गांव पर मां घर पर पूजा कर रही थी। उसी पूजा में शामिल होने के लिए पत्नी से सौ रूपये लेकर गांव वापस आ रहा था। इसी बीच उसकी हत्या कर दी गई। बहन गोरकी ने कहा कि उसके भाई की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। किसी से कोई विवाद नहीं चल रहा था। किस कारण से उसकी हत्या की गई,ये हमारे परिवार को नहीं पता था। वहीं, पुलिस को शव अज्ञात के रूप में बरामद किया गया था। घटना के बाद पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है।

राजनीतिक रंग में रंगा रहा लिट्टी-चोखा का भोज

निज संवाददाता। बक्सर

पंचकोसी परिक्रमा यात्रा का अंतिम पड़ाव बक्सर में पंचकोसी का भोज राजनीतिक रंग में रंगा हुआ दिखा। समर्थकों ने लिट्टी चोखा का आयोजन किया। जहां सदर विधायक संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी के समर्थकों ने कलेक्ट्रेट रोड में लिट्टी-चोखा का महाप्रसाद ग्रहण किया। इस भोज में महागठबंधन के कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ जुटी थी। इस दौरान सदर विधायक मुन्ना तिवारी लोगों को खुद लिट्टी और चोखा परोसे। प्लेट लेकर लोग टेबल पर बैठ लिट्टी का आनंद लेने के साथ ही कल नतीजे पर बात कर रहे थे। कार्यकर्ताओं का उत्साह भी देखने लायक था। वहीं सदर विधायक मुन्ना तिवारी अपने जीत के प्रति अश्वस्त दिखे। वहीं दूसरी ओर एनडीए समर्थकों की ओर से गोयल धर्मशाला में लिट्टी चोखा भोज की व्यवस्था की गई थी। वहां भी कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ जुटी थी। एनडीए प्रत्याशी आनंद मिश्र और समर्थक अपने जीत के प्रति निश्चिंत दिखे। आनंद मिश्र ने कहा कि जीत का जश्न कल मनेगा।

टीएलएम मेला 3.0 की नई तिथियों की घोषणा

निज संवाददाता। बक्सर

बिहार सरकार के शिक्षा विभाग ने निपुण बिहार मिशन के तहत आयोजित होने वाले टीएलएम मेला 3.0 की नई तिथियों की घोषणा कर दी है। इस आयोजन से शिक्षकों को अपने रचनात्मक प्रयासों और शिक्षण नवाचारों को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा, जिससे बच्चों के बुनियादी अधिगम में सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें। विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि निपुण टीएलएम मेला 3.0 के आयोजन से संबंधित सभी पूर्व दिशा-निर्देश एवं नियम यथावत रहेंगे। इसको लेकर प्राथमिक शिक्षा निदेशालय, बिहार, पटना द्वारा जारी पत्र के अनुसार यह मेला 15 नवम्बर 2025 से शुरू होकर फरवरी 2026 तक चार चरणों में आयोजित किया जाएगा। प्राथमिक शिक्षा सह निपुण बिहार मिशन के निदेशक साहिला द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि निपुण बिहार मिशन के अंतर्गत शिक्षण-अधिगम सामग्री के नवाचार और उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह मेला राज्यभर में विद्यालय, प्रखंड, जिला और राज्य स्तर पर आयोजित किया जाएगा। निदेशक ने कहा कि यह मेला शिक्षकों के बीच नवाचारी प्रतियोगिता के रूप में भी कार्य करेगा, जहां वे अपने द्वारा तैयार की गई शिक्षण सामग्री, मॉडल, चार्ट और अन्य नवाचारी साधनों को प्रदर्शित करेंगे। इससे शिक्षण में रचनात्मकता और गुणवत्ता बढ़ेगी तथा विद्यार्थी सीखने के प्रति अधिक उत्साहित होंगे।

जिला शिक्षा पदाधिकारी, प्रारंभिक शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान के डीपीओ को आयोजन की तैयारी समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। विद्यालय कॉम्प्लेक्स स्तरीय मेला: 15 नवम्बर 2025 से 15 दिसम्बर 2025 तक प्रखंड स्तरीय मेला: 16 दिसम्बर 2025 से 15 जनवरी 2026 तक जिला स्तरीय मेला: 16 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 तक राज्य स्तरीय मेला: 24 एवं 25 फरवरी 2026

रघुनाथपुर रेल रोको आंदोलन के 10 आंदोलनकारियों को जमानत मिली

निज संवाददाता। बक्सर

बीते 15 सितम्बर को रघुनाथपुर रेलवे स्टेशन पर हुए रेल रोको आंदोलन मामले में गिरफ्तार किए गए आंदोलनकारियों को गुरुवार को जमानत मिल गई। कुछ ही दिनों पहले आरपीएफ ने इस मामले में नामजद 10 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। मामला रघुनाथपुर स्टेशन पर प्रमुख एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की मांग से जुड़ा था। रेल यात्री कल्याण समिति के आह्वान पर हुए इस आंदोलन में स्थानीय नागरिकों और यात्रियों ने श्रमजीवी एक्सप्रेस, पंजाब मेल और बनारस जनशताब्दी एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन किया था। समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर पाठक के नेतृत्व में सुबह से ही ग्रामीणों और यात्रियों की भीड़ स्टेशन परिसर में जुट गई थी। संयोजक नागेंद्र मोहन सिंह, प्रभु मिश्रा और सोनू दुबे समेत सैकड़ों लोगों ने हाथों में तख्तियां लेकर रेलवे प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की थी। आंदोलन के दौरान अप लाइन पर रेल परिचालन करीब 25 मिनट तक ठप रहा, जिससे 13209 पैसेंजर और उसके पीछे खड़ी कई एक्सप्रेस ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई। स्टेशन प्रबंधक राकेश कुमार के बयान पर आरपीएफ ने कांड संख्या 1518/25 दर्ज की थी, जिसमें धारा 147, 145, 146 और 174 के तहत सात नामजद व 20-30 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया था। बाद में दस लोगों की गिरफ्तारी कर उन्हें जेल भेजा गया।

चौरस्ता पर पानी का निकास नहीं होने से रिहायशी इलाकों के घरों में लगा पानी

ब्रह्मपुर। ब्रह्मपुर चौरस्ता एनएच 922 फोरलेन के पानी का निकास नहीं होने से रिहायशी इलाकों के घरों में लगा पानी मुसीबत बना हुआ है। बता देंगे कि 922 ब्रह्मपुर चौरस्ता के समीप पुल के पास सड़क के दोनों तरफ पानी का निकास नहीं होने से सड़क के दोनों किनारे के बने घरों में घुटने भर पानी लगा हुआ है। पानी का निकास नहीं होने से स्थानीय लोगों को परेशानी के साथ ही जमा पानी में मच्छर और जल जीव के पैदा होने से कई रोगों के बढ़ाने की संभावना बढ़ गई है। फोरलेन के समीप घर बनाने वाले शिवदयाल पांडे का कहना है कि जब से बरसात हुआ है उनके अहाते में घुटने पर पानी लगा है।पानी जमा होने की वजह से लाखों रुपए के फलदार पौधे और शो प्लांट सूखने के कगार पर पहुंच गए हैं। पानी का निकास नहीं होने से अगले महीने होने वाले शादी ब्याह वाले घरों में काफी परेशानी होगी।फोरलेन पर घर बनकर रहने वाले ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन को नाला निर्माण कर पानी निकास की व्यवस्था करनी चाहिए।

जाम लगने के चलते घंटों सड़क पर रेंगते रहे वाहन, परेशान रहे लोग

निज संवाददाता। बक्सर

पंचकोसी परिक्रमा यात्रा के अंतिम पड़ाव पर लिट्टी-चोखा महाप्रसाद का भोग लगाया जाता है। आज के दिन श्रद्धालुओं की अप्रत्याशित भीड़ होती है। भीड़ को नियंत्रित करने और यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए प्रशासन की तैयारी धरी की धरी रह गई। स्टेशन रोड में जाम लगने के चलते वाहन रेंगते रहे। मॉडल थाना से लेकर रेलवे स्टेशन तक सैकड़ों वाहन जाम में फंसे रहे। कुछ इसी तरह की स्थिति मॉडल थाना से कोचस की ओर जाने वाली सड़क की स्थिति रही। पुलिस प्रशासन के आलाधिकारी भी जाम को नियंत्रित करने के लिए सड़क पर उतर गये। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और शहर में वाहनों के बढ़े दबाव के चलते यातायात व्यवस्था चरमरा गई।

जाम के चलते सबसे अधिक परेशानी राहगीर, यात्रियों व पैदल चरित्रवन जाने वाले श्रद्धालुओ को हुई। सिर पर गठरी रख वे किसी भी तरह से चरित्रवन पहुंचे। मनाही के बावजूद शहर में बड़े वाहनों का प्रवेश भी जाम की वजह बन जा रही थी। शाम तीन बजे के बाद स्थिति कुछ सामान्य हुई।

महिलाओं के लिए सुजनी कला प्रशिक्षण शुरू

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर महिला कला केन्द्र द्वारा दसरा के सहयोग से पियनिया, उदवंतनगर में एक माह का सुजनी निर्माण हेतु उन्नत कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया। प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन राष्ट्रपति द्वारा नारीशक्ति सम्मान से सम्मानित सह संस्थान की सचिव अनिता गुप्ता, कोषाध्यक्ष गीता देवी, रमेश, अतुल एवं प्रशिक्षिका रीता देवी ने किया। यह प्रशिक्षण 13 नवम्बर से 12 दिसम्बर 2025 तक चलेगा। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं और किशोरियों को पारंपरिक सुजनी कला में उन्नत तकनीक की जानकारी देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को डिज़ाइन चयन, रंग संयोजन, सिलाई-कढ़ाई तकनीक और बाजार से जुड़ाव के गुर सिखाए जा रहे हैं। संस्थान की सचिव अनिता गुप्ता ने बताया कि भोजपुर महिला कला केन्द्र का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को रोजगारपरक कला प्रशिक्षण के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। सुजनी जैसी पारंपरिक कला न केवल हमारी संस्कृति की पहचान है बल्कि आज के समय में सतत आजीविका का प्रभावी साधन भी बन रही है। इस प्रशिक्षण से महिलाओं में स्वरोजगार की भावना को बल मिलेगा और वे अपने कौशल से स्थायी आय के अवसर सृजित कर सकेंगी। प्रशिक्षण पूर्ण होने पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र भी प्रदान किया जाएगा।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. एसजी.निविदा/डीएसटीई/एसडीएएच/576, दिनांक 13.11.2025, वरिष्ठ डीएसटीई, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **ई-निविदा सं.: एसडीएसटीई/एसआईजी/टी/26/25-26/आरआरएसके। कार्य का नाम एवं इसका स्थान:** बालीगंज जंक्शन-डायमंड हार्बर, सोनारपुर-कैनिंग एवं बारुईपुर-नामखाना की शाखा में एल/बॉक्स, सिग्नल पोस्ट, एलसी गेट आदि के पुनर्वास के साथ विश्वसनीयता सुधार कार्य। **निविदा मूल्य :** रु.94,67,426.20, **बयाना राशि/बोली प्रतिभूति जमा की जाएगी :** रु.1,89,400/-, **निविदा कागजात का मूल्य :** शून्य। **कार्य की समापन अवधि:** 12 माह। **निविदा जमा देने की प्रारंभिक तिथि:** 26.11.2025, **निविदा जमा देने की अंतिम तिथि:** 10.12.2025 को 14.00 बजे तक। **निविदा बोली के खोलने की तिथि:** 10.12.2025 को 14.30 बजे। **विवरण यहाँ से देखा जा सकता है: www.ireps.gov.in तकनीकी पात्रता मानदंड:** निविदाकार ने निविदा आमंत्रण से पूर्व महीने के अंतिम दिन को समाप्त, पिछले 07 (सात) वर्षों के दौरान, निम्नलिखित श्रेणियों में से किसी एक कार्य का सफलतापूर्वक पूरा या पर्याप्त रूप से निष्पादन किया है: (i) तीन समरूप कार्य जिनमें से प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 30% की समान राशि से कम न हो, या (ii) दो समरूप कार्य जिनमें से प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 40% की समान राशि से कम न हो, या (iii) एक समरूप कार्य जिसकी लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 60% की समान राशि से कम न हो। **वित्तीय पात्रता मानदंड:** निविदाकार का न्यूनतम औसत वार्षिक ठेकाजनित कारोबार V/N या 'V' होना चाहिए, जो भी कम हो, जहाँ V = निविदा का विज्ञापित मूल्य करोड़ रुपये में, N = कार्य पूरा करने के लिए निर्धारित वर्षों की संख्या जिसके लिए बोलियाँ आमंत्रित की गई हैं। औसत वार्षिक ठेकाजनित कारोबार की गणना लेखापरीक्षित तुलन पत्र के अनुसार पिछले तीन वित्तीय वर्षों में "कुल ठेकाजनित भुगतान" के औसत के रूप में की जाएगी। तथापि, यदि पिछले वर्ष का तुलन-पत्र अभी तैयार किया जाना है/लेखापरीक्षित नहीं है, तो औसत वार्षिक ठेकाजनित कारोबार की गणना के लिए चौथे पिछले वर्ष के लेखापरीक्षित तुलन-पत्र को विचार में लिया जाएगा। निविदाकार जीसीसी 2022 के अनेक्सर-VIबी (मौजूदा निविदा कागजात का फॉर्म-6) के अनुसार आवश्यक जानकारी के साथ सनदी लेखापाल द्वारा यथा प्रमाणित लेखापरीक्षित तुलन पत्र की प्रतियाँ/लेखापरीक्षित तुलन पत्र द्वारा यथा समर्थित सनदी लेखापाल से प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेंगे। **जमा किए जाने वाले अन्य कागजात:** निविदा कागजात में उल्लिखित अनुसार। **समरूप कार्य की प्रकृति:** डेटालॉगर या आरटीयू की आपूर्ति, स्थापना और आरंभ या कोई सिग्नल इंटरलॉकिंग कार्य जिसमें शामिल है ईआई या आरआरआई या पीआई या आईबीएस या आईबीएच या एलसी गेट इंटरलॉकिंग या यार्ड रूपांतरण या यूएफएसबीआई या ट्रैक सर्किट (एएफटीसी या डीसी टीसी) या एक्सल काउंटर (एसएसडीएसी या एमएसडीएसी या एचए-एसएसडीएसी) या ऑटोमेटिक सिग्नलिंग। **टिप्पणी:** निविदाकार अपने निविदा प्रस्ताव के साथ निविदा कागजात में उल्लिखित पात्रता मानदंड को पूरा करने के अपने दावे के समर्थन में कागजात प्रस्तुत करेंगे। निविदाकार द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रमाण पत्रों के समर्थन में कागजातों/प्रमाणपत्रों की प्रतिलिपि का प्रत्येक पृष्ठ निविदाकार या निविदाकारी फर्म के अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा स्व-सत्यापित/डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित होगा। स्व-सत्यापन में हस्ताक्षर, मुहर और तिथि (प्रत्येक पृष्ठ पर) शामिल होंगे।

SDAH-258/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पटना में एनडीए की प्रचंड जीत पर जश्न, जदयू-बीजेपी कार्यालय में गूंजी ढोल-नगाड़ों की आवाज

निज संवाददाता। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिली प्रचंड बहुमत ने राजधानी के राजनीतिक माहौल को उत्सव में बदल दिया है। बुधवार को जदयू और बीजेपी कार्यालय पूरे दिन ढोल-नगाड़ों, पटाखों और गुलाल से रंगा रहा। कार्यकर्ताओं के चेहरे पर जीत की खुशी साफ झलक रही थी और दोनों ही दलों के समर्थक इस जीत को दिवाली और होली जैसा पर्व मानकर मना रहे थे।

जदयू कार्यालय में सुबह से उत्सव जैसा माहौलः जदयू कार्यालय में सुबह से ही ढोल-नगाड़े बजते रहे। कार्यकर्ता पटाखे छोड़ते रहे और एक-दूसरे को गुलाल लगाकर जीत की बधाई देते रहे। महिलाओं ने साफ कहा कि नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बनेंगे और उनके सामने किसी की टक्कर नहीं है।

बीजेपी दफ्तर में जीत की खुशी, मिठाइयों का दौर जारीः बीजेपी कार्यालय का माहौल भी पूरी तरह उत्साह से भरा रहा। यहां कार्यकर्ता जीत के नारे लगाते दिखे, मिठाइयां बांटी जा रही थीं और हर कोई केंद्रीय नेतृत्व की तारीफ करता नजर आया। कार्यकर्ताओं का कहना था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय नेतृत्व की नीतियों ने पार्टी को बिहार में मजबूत बनाया है।

नीतीश-मोदी की जोड़ी को 'सुपर हिट' बतायाः दोनों दलों के समर्थक बार-बार यही कहते दिखे कि नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी की जोड़ी बिहार की जनता के दिल में बस गई है। कार्यकर्ताओं के

अनुसार, विपक्ष की तमाम रणनीतियों को जनता ने खारिज कर दिया और विकास तथा स्थिरता के नाम पर एनडीए को भारी समर्थन दिया।

महिलाओं और पेंशन योजनाओं का बड़ा असरः इस चुनाव में महिलाओं की भूमिका अहम रही। छह महीने पहले महिलाओं को 10 हजार रुपये देने की घोषणा, पेंशन बढ़ाकर 1100 रुपये करना और बिजली बिल माफी की योजना ने एनडीए के पक्ष में हवा बनाई। महिलाओं ने ज्यादा संख्या में मतदान किया, जिसका लाभ नीतीश सरकार को मिला।

'सनातन की जीत' का नारा भी गूंजाः बीजेपी कार्यकर्ताओं ने इस जीत को 'सनातन की विजय' बताया। उनका कहना है कि राम मंदिर के विरोध करने वालों को जनता ने जवाब दिया है और जंगलराज के भय को पूरी तरह नकार दिया है। पूरे दिन जदयू और बीजेपी कार्यालय में जीत का जश्न चलता रहा। एनडीए की इस ऐतिहासिक कामयाबी से दोनों दलों के समर्थक बेहद उत्साहित हैं और इसे बिहार में विकास की नई शुरुआत मान रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

बेतिया से रेणु देवी की बड़ी जीत, कांग्रेस उम्मीदवार को भारी मतों से हराया

बेतिया। बिहार विधानसभा चुनाव में बेतिया सीट पर पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री और बीजेपी उम्मीदवार रेणु देवी ने शानदार जीत दर्ज की। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार वसी अहमद को 22373 मतों से पराजित किया। रेणु देवी को कुल 91907 मत मिले, जबकि कांग्रेस के वसी अहमद 69534 मत ही हासिल कर सके। इस जीत के साथ बीजेपी ने बेतिया विधानसभा सीट एक बार फिर अपने खाते में सुरक्षित रखी। गणना पूरी होने के बाद निर्वाचन कार्यालय ने आधिकारिक रूप से परिणाम जारी किया। रेणु देवी की इस जीत को उनके क्षेत्र में विकास कार्यों, संगठन की मजबूती और महिला मतदाताओं के समर्थन का नतीजा माना जा रहा है। बेतिया में जीत के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया और एक-दूसरे को बधाई दी।

बांकीपुर से नितिन नवीन की प्रचंड जीत, राजद उम्मीदवार को भारी मतों से हराया

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में बांकीपुर सीट पर पथ निर्माण मंत्री और बीजेपी उम्मीदवार नितिन नवीन ने एक बार फिर अपना दबदबा कायम रखा। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी राजद उम्मीदवार रेखा कुमारी को 51936 मतों के बड़े अंतर से पराजित किया। अंतिम परिणाम के अनुसार, नितिन नवीन को कुल 98299 मत, जबकि रेखा कुमारी को 46363 मत मिले। इस तरह बीजेपी ने बांकीपुर सीट को लगातार अपने कब्जे में बनाए रखा। चुनावी नतीजों के आते ही बांकीपुर क्षेत्र में बीजेपी समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों और मिठाइयों के साथ जश्न मनाया। स्थानीय कार्यकर्ताओं का कहना है कि नितिन नवीन की जीत विकास कार्यों, सड़क निर्माण परियोजनाओं और क्षेत्र में उनकी सक्रिय उपस्थिति का परिणाम है। बांकीपुर में जीत के साथ नितिन नवीन ने एक बार फिर विधानसभा में मजबूत वापसी की है।

जदयू नेताओं ने एनडीए की ऐतिहासिक जीत पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दी बधाई

पटना। एनडीए गठबंधन की ऐतिहासिक महाविजय पर जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हार्दिक बधाई दी। साथ ही बिहारवासियों को भी हृदय से बधाई देते हुए पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। पार्टी के प्रदेश अध्यक्षा उमेश सिंह कुशवाहा, विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उप नेता ललन कुमार सर्राफ, मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, प्रदेश महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी चंदन कुमार सिंह, मनीष कुमार, प्रो. नवीन आर्य चंद्रवंशी, डॉ अमरदीप अनिल कुमार, परमहंस कुमार और वासुदेव कुशवाहा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जीत की बधाई दी।

उन्होंने बिहारवासियों का धन्यवाद करते हुए विश्वास व्यक्त किया। नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार बिहार को समृद्ध, सशक्त और विकास के नए शिखरों तक ले जाएगी। जनता की हर आशा और आकांक्षा को पूरा करने में डबल इंजन की एनडीए सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

रालोमो प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने दी एनडीए कार्यकर्ताओ को बधाई

डेहरी आन सोन। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) प्रमुख तथा राज्य सभा सदस्य उपेंद्र कुशवाहा ने बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए के प्रचंड बहुमत के लिए बिहार की जनता के लिए आभार जताया है। उन्होंने खासकर सासाराम विधानसभा क्षेत्र की जनता को बधाई दी की उन्होने जाति धर्म से ऊपर उठकर उनकी पत्नी रा लो मो प्रत्याशी स्नेहलता कुशवाहा को जीत दिलाई। उन्होने कहा कि यह जीत बिहार की जनता द्वारा डबल इंजन सरकार के कार्यों पर लगाई गई मोहर के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नितीश कुमार के कुशल नेतृत्व एवं एनडीए के घटक दलों के बीच मजबूत एक जुटता को जनता के द्वारा दिया गया आशीर्वाद है। उन्होने कहा कि इस जीत में एनडीए के सभी कार्यकर्ता बराबर के हकदार हैं ।सभी को दिल से बधाई । मौके पर दिनारा के रालोमो के नवनिर्वाचित विधायक आलोक सिंह भी मौजूद थे।

मसौढ़ी में सूने घर को बनाया निशाना, बेटी के इलाज को गए परिवार के घर में लाखों की चोरी

निज संवाददाता। मसौढ़ी

इलाके में ठंड की दस्तक के साथ ही चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। शुक्रवार की देर रात चोरों ने पुरानी बाजार मुहल्ले में ऐसे घर को निशाना बनाया, जहां का परिवार अपनी बीमार बेटी के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती था। मौके का फायदा उठाकर चोर छत के रास्ते घर में घुसे और ताला तोड़कर लाखों के सामान पर हाथ साफ कर दिया।

पीड़ित लालबाबू सिंह ने थाने में आवेदन देकर बताया कि 10 अक्टूबर की शाम उनकी पुत्री अचानक बीमार हो गई थी। वे पत्नी और बेटी को लेकर एक निजी अस्पताल में भर्ती थे। शुक्रवार की सुबह उनकी छोटी बेटी और सारूहु घर पहुंचे तो देखा कि मुख्य दरवाजे

का ताला टूटा हुआ है और कमरों का सामान बिखरा पड़ा है।

सूचना मिलने के बाद लालबाबू अस्पताल से घर पहुंचे। उन्होंने बताया कि चोरों ने घर में रखे लगभग ढाई से तीन लाख रुपये के सोने-चांदी के गहने, 1.25 लाख रुपये नकद और कई कीमती सामान चुरा लिए। चोरी की यह घटना सुनसान पड़े घर को अच्छे से खंगालकर अंजाम दी गई।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। पुलिस का कहना है कि फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान की कोशिश की जा रही है और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

ऑपरेशन मुस्कान का असर, पुलिस ने खोया मोबाइल खोजकर युवक को लौटाया

निज संवाददाता। मसौढ़ी

स्थानीय पुलिस ने "ऑपरेशन मुस्कान" के तहत सराहनीय कार्रवाई करते हुए एक युवक का खोया हुआ मोबाइल बरामद कर उसे वापस सौंप दिया। मोबाइल लौटते ही युवक के चेहरे पर दोबारा मुस्कान लौट आई। जानकारी के अनुसार क्रीमदीचक गांव निवासी महेश सिंह के पुत्र रोहित कुमार का मोबाइल दो महीने पहले अचानक खो गया था। मोबाइल गुम होने के बाद रोहित ने लहसुना थाना में आवेदन देकर पुलिस से मदद मांगी थी।

थानाध्यक्ष के निर्देश पर पुलिस टीम ने मोबाइल की तकनीकी जांच की और उसकी लोकेशन ट्रेस कर उसे बरामद कर लिया। सभी

विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद पुलिस ने मोबाइल रोहित कुमार को सौंप दिया। मोबाइल मिलने के बाद रोहित ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि पुलिस की तत्परता से आम लोगों का भरोसा बढ़ा है और ऐसी पहल से लोगों को काफी राहत मिलती है। पुलिस की इस कार्रवाई की स्थानीय लोग भी सराहना कर रहे हैं।

मसौढ़ी सीट पर अरुण मांझी का कब्जा, दो बार की विधायक रहीं रेखा देवी हारी

निज संवाददाता। मसौढ़ी

मसौढ़ी विधानसभा सीट पर इस बार राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदलते नजर आए। जनता दल (यू) के उम्मीदवार अरुण मांझी ने राष्ट्रीय जनता दल की रेखा देवी को 7643 मतों से पराजित कर सीट पर कब्जा जमा लिया। कुल 33 राउंड की मतगणना पूरी होने के बाद मांझी को 106505 वोट मिले, जबकि रेखा देवी को 98862 वोट प्राप्त हुए। दो बार की विधायक रहीं रेखा देवी इस बार तीसरी जीत की उम्मीद में मैदान में उतरी थीं, लेकिन जनता ने उन्हें नकार दिया और जदयू के पक्ष में फैसला सुना दिया।

यह जीत इसलिए भी अहम मानी जा रही है क्योंकि मसौढ़ी को पिछले एक दशक से राजद का मजबूत गढ़ माना जाता रहा है। 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में रेखा देवी ने लगातार जीत दर्ज की थी और सीट पर राजद की पकड़ मजबूत हो गई थी। 2008 के परिसीमन के बाद सीट अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित हुई और इसके बाद से यादव-दलित समीकरण राजद के पक्ष में खड़ा हो गया था। हालांकि इस बार माहौल बिल्कुल अलग था। एनडीए ने इस

सीट पर खास जोर लगाया। जदयू ने अरुण मांझी को उतारकर सीधा मुकाबला बनाया और राजद के गढ़ को भेदने की रणनीति पर काम किया। नतीजा यह हुआ कि एक दशक बाद मसौढ़ी में सत्ता परिवर्तन हो गया।

मसौढ़ी का राजनीतिक इतिहास भी काफी दिलचस्प रहा है। प्राचीन काल में इसे 'तारेगना' कहा जाता था, जिसका अर्थ है 'तारों की गणना'। माना जाता है कि छठी शताब्दी में महान गणितज्ञ और खगोलशास्त्री आर्यभट्ट ने यहीं अपनी खगोल वेधशाला स्थापित की थी। आज भी यहां स्थित मणिचक सूर्य मंदिर सूर्य उपासना की सदियों पुरानी परंपरा का प्रतीक है।

परिसीमन से पहले यह सीट 'स्विंग' मानी जाती थी। कभी कांग्रेस तो कभी सीपीआई और कभी जनता दल यहां से चुनाव जीतती रहीं। कांग्रेस तीन बार, जबकि जदयू और सीपीआई दो-दो बार यहां से विजयी रही हैं। लेकिन आरक्षण लागू होने और नए सामाजिक समीकरण बनने के बाद राजद ने इसे अपने नियंत्रण में कर लिया था।

इस बार की जीत न सिर्फ अरुण मांझी के लिए बड़ी उपलब्धि है बल्कि एनडीए के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि सूबे में एनडीए की सरकार बनना लगभग तय हो गया है। मसौढ़ी सीट पर मिली सफलता को जदयू ने अपने लिए बड़ी राजनीतिक जीत के रूप में देखा है, वहीं राजद के लिए यह करारी हार मानी जा रही है।

एनडीए की जीत पर कार्यकर्ताओं में मनाया जश्न

निज संवाददाता। मसौढ़ी

बिहार में एनडीए की चौथी बार सरकार बनने की खुशी में भाजपा कार्यकर्ताओं ने नगर में जमकर जश्न मनाया।कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़ों के साथ नाचते झूमते हुए लड्डू बांटे।विकास की जीत के नारे लगाए गए।महामंत्री विजय यादव ने बताया कि बिहार में एनडीए को मिली यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विकासवादी नीतियों, सुशासन और जनता के भरोसे का परिणाम है।बिहार की जीत से पूरे एनडीए परिवार का मनोबल बढ़ा है।कार्यक्रम का समापन मिठाइयां वितरित कर और एक-दूसरे को बधाई देकर किया गया।इस मौके पर नगर अध्यक्ष आशीष देव राजेश कुमार उर्फ पिंटू रजक रंजन चंद्रवंशी शंकर रजनीश भारती मंतोष पासवान अजय शर्मा राकेश कुमार टुनटुन शर्मा राणा लखन सिंह चंदेल सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

युवा तेजस्वी की बजाय प्रौढ़ नीतीश पर युवाओं ने भरोसा जताया

निज संवाददाता। पटना

आरजेडी के नेता तेजस्वी यादव की आयु 36 वर्ष है। वहीं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 74 बसंत देख चुके हैं। बावजूद इसके बिहार चुनाव नतीजों में दिख रहा है कि बिहार के युवाओं ने युवा तेजस्वी की बजाय प्रौढ़ और अनुभवी नीतीश कुमार पर भरोसा जताया है। नीतीश कुमार ने इस बार एमवाई (महिला+युवा) फैक्टर के फार्मूले पर फोकस किया और महागठबंधन पूरी तरह इसमें फंस कर हार गया। बिहार में 1.77 करोड़ से अधिक युवा मतदाता हैं। इनमें 14.84 लाख ने पहली बार मतदान किया। राजनीतिक दलों ने शिक्षा, रोजगार जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर युवाओं को आकर्षित करने के लिए सोशल मीडिया और जनसभाओं का सहारा लिया।

नीतीश ने 5 लाख से ज्यादा नौकरियां दीं—शिक्षक, पुलिस, स्वास्थ्य कर्मी। हर सभा में वे

कहते,'जाकर अपने घर वालों से पूछो, जंगलराज में क्या होता था?' जंगलराज बनाम सुशासन का नैरेटिव इस बार युवाओं के बीच भी चला। सोशल मीडिया पर कैम्पेन चलाया गया। चुनाव प्रचार के दौरान मौसम खराब होने के कारण हेलीकॉप्टर नहीं उड़ पाया तो नीतीश कुमार सड़क मार्ग से ही प्रचार करने निकल गए। उन्होंने सबसे अधिक रैली और चुनावी सभाएं की। इससे उनके स्वास्थ्य पर सवाल उठाने वालों को बड़ा जवाब मिला।

महागठबंधन ने अपने घोषणापत्र में सरकार बनने के 20 दिनों के अंदर हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने के लिए एक कानून लाने का वादा किया था। साथ ही, 20 महीनों के भीतर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की बात कही है। वहीं, एनडीए ने इस वादे को 'झूठ का पुलिंदा' करार दिया है। एनडीए के नेताओं ने चुनाव प्रचार के दौरान ये कहा कि, 2005 से पहले जब उनके माता-पिता की सरकार थी, तब उन्होंने कितना पलायन रोका था? उन्होंने कहा कि तब बिहार में कानून व्यवस्था बहुत खराब थी। महागठबंधन ने लंबे चौड़े वादे तो किये लेकिन वो वादों का पूरा करने का रोड मैप और ब्लूप्रिंट दे पाने में असफल रहे। ऐसे में युवाओं को महागठबंधन का नौकरी रोजगार का वादा अव्यवहारिक और हवाहवाई लगा। राजनीतिक विशलेषकों के अनुसार, बिहार के युवाओं ने नीतीश कुमार जी पर भरोसा जताया है, क्योंकि उनके नेतृत्व में उन्हें एक बेहतर और सुरक्षित भविष्य की गारंटी मिली है। वरिष्ठ पत्रकार सुशील शुक्ल के अनुसार, नीतीश कुमार ने युवाओं के लिए एक करोड़ रोजगार की घोषणा की है। उन्होंने अब तक जो कहा है, वह जमीन पर उतारा है। कहा कि विपक्ष के नेता के माता-पिता ने पहले बिहार को ठगा है और अब ख़ुद भी ठगना चाहते हैं। चूंकि अब बिहार में सब जगह उजाला है, लालटेन की आवश्यकता युवाओं और प्रदेशवासियों को नहीं है।

'हार को जनादेश के रूप में स्वीकार करता हूं'

अब राजनीति परिवारवाद की नहीं, सुशासन-शिक्षा की होगी-तेज प्रताप यादव

निज संवाददाता। पटना

'हमारी हार में भी जनता की जीत छिपी है। आज के परिणामों को मैं जनादेश के रूप में स्वीकार करता हूँ'। हमारी हार कर भी जीत हुई है। क्योंकि बिहार ने यह साफ संदेश दे दिया है कि अब राजनीति परिवारवाद की नहीं, सुशासन और शिक्षा की होगी। ये जयचंदों की करारी हार है, हमने पहले ही कहा था। इस चुनाव के बाद बिहार से कांग्रेस खत्म हो जाएगी और आज कहना नहीं, साफ़-साफ दिख भी गया ! मैं तो हारकर भी जीता हूँ, क्योंकि मेरे साथ जनता का प्रेम, विश्वास और आशीर्वाद खड़ा है।लेकिन सच्चाई कड़वी है। इन जयचंदों ने RJD को भीतर से खोखला कर दिया, बरबाद कर दिया। इसी वजह से आज तेजस्वी फेलस्वी हो गया !

जिन्होंने अपनी कुर्सी और अपनी राजनीति बचाने के लिए अपने ही घर को आग लगा दीइतिहास उन्हें कभी माफ नहीं करेगा। मैं बार-बार कहता हूँ। जनता ही माँ-बाप होता है। जनता का फैसला सर-माथे पर और आज भी उसी भावना के साथ मैं आपका फैसला स्वीकार करता हूँ। हार और जीत अलग बातें हैं, लेकिन

इरादा और प्रयास ही असली जीत होते हैं। महुआ की जनता से मैंने जो वादे किए थे, उनको निभाने का प्रयास मैं लगातार करता रहूँगा। मैं विधायक बनूँ या नहीं। मेरे दरवाजे हर समय जनता के लिए खुले रहेंगे। बिहार ने सुशासन की सरकार चुनी है। हम उसका सम्मान करते हैं और जनता के हित में हर कदम पर रचनात्मक भूमिका निभाएंगे।

ये जीत हमारे यशस्वी कर्मठ प्रधानमंत्री और विश्व के सबसे मजबूत नेता श्री नरेंद्र मोदी जी के व्यक्तित्व और उनके जादुई नेतृत्व का कमाल है। जनता ने माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के सुशासन को खुले दिल से अपनाया है। बिहार की यह ऐतिहासिक जीत भारत के गृहमंत्री और बीजेपी के चाणक्य माननीय अमित शाह जी, तथा भारत सरकार में मंत्री और बीजेपी बिहार के प्रभारी श्री धर्मेंद्र प्रधान जी की कूटनीति, दूरदृष्टि और दिन-रात किए गए परिश्रम का परिणाम है।

इस विजय का सबसे बड़ा कारण NDA की अटूट एकता है। NDA गठबंधन की सभी पाँचों पार्टियों 'पाँच पांडवों' ने एकजुट होकर चुनाव लड़ा, और जनता ने अपना विश्वास, मत और भरपूर समर्थन देकर इस एकता को विजय की शक्ति में बदल दिया।यह जीत बिहार की जनता की है, यह जीत विश्वास की है,यह जीत विकास और सुसाशन के संकल्प की है। मैं बिहार की युवा शक्ति, मातृशक्ति और आप सभी को दिल से धन्यवाद देता हूँ। आपने मुझे अपार प्यार दिया।

संक्षिप्त समाचार

घाटशिला उपचुनाव में झामुमो की प्रचंड बढ़त, सोमेश आगे

पूर्वी सिंहभूम। घाटशिला विधानसभा उपचुनाव की मतगणना में 13 वां राउंड पूरा हो चुका है और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के उम्मीदवार सोमेश चंद्र सोरेन ने भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन पर बड़ी बढ़त बना ली है। ताज़ा आंकड़ों के अनुसार सोमेश चंद्र सोरेन को 71,343 वोट मिले हैं, जबकि भाजपा के बाबूलाल सोरेन को 43,366 वोट प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार झामुमो के प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन भाजपा उम्मीदवार बाबूलाल सोरेन से 27,977 मतों से आगे चल रहे हैं। झामुमो समर्थकों में बढ़त के साथ उत्साह का माहौल है, वहीं भाजपा खेमे में मायूसी देखी जा रही है। अन्य प्रत्याशियों में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के रामदास मरांडी को 9,472 वोट मिले हैं, जबकि निर्दलीय प्रत्याशी डॉ श्रीलाल किस्कू, मांसा राम हांसदा, पंचानन सोरेन, बिकाश हेम्ब्रम, मनोज कुमार सिंह, परवती हांसदा, रामकृष्ण कांति महली और बसंत कुमार टोपनो सहित अन्य प्रत्याशी काफी पीछे चल रहे हैं। नोटा को 1,938 वोट प्राप्त हुए हैं। 13 वें राउंड तक के नतीजे झामुमो के पक्ष में जाते दिख रहे हैं और लगातार बढ़त बढ़ने से पार्टी के कार्यकर्ताओं में जीत को लेकर उत्साह है।

दुर्घटना में चार लोग गंभीर रूप से घायल

पूर्वी सिंहभूम। पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एकताल गांव के निकट दो बाइकों की आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि दोनों बाइक सवार सड़क पर दूर तक जा गिरे। घायलों में दो पुरुष, एक महिला और तीन वर्षीय बच्ची शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, बरागाड़िया गांव के सुकुमार मुंडा अपनी मां बैशाखी मुंडा को लेकर कहीं जा रहे थे। इसी समय ईंटामुड़ा गांव के दीपांकर मुंडा अपनी तीन साल की बेटी भाग्यलक्ष्मी मुंडा के साथ पश्चिम बंगाल की ओर जा रहे थे। एकताल गांव के पास दोनों बाइकों का नियंत्रण अचानक बिगड़ गया और देखते ही देखते दोनों वाहनों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे के बाद चारों लोग सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गए। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और मानवता का परिचय देते हुए सभी घायलों को अपने निजी वाहनों से बहरागोड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने दोनों बाइक चालकों दीपांकर मुंडा और सुकुमार मुंडा की स्थिति गंभीर बताई और बेहतर चिकित्सा के लिए उन्हें पीआरएम मेडिकल कॉलेज, बारीपदा (ओडिशा) रेफर कर दिया। वहीं बैशाखी मुंडा और छोटी बच्ची भाग्यलक्ष्मी मुंडा का उपचार फिलहाल बहरागोड़ा सीएचसी में जारी है।

घाटशिला उपचुनाव में झामुमो की मजबूत बढ़त, मतगणना के बीच जश्न का माहौल

पूर्वी सिंहभूम। घाटशिला विधानसभा उपचुनाव की मतगणना शुक्रवार सुबह आठ बजे से जमशेदपुर कोऑपरेटिव कॉलेज में शुरू हुई, और शुरुआती राउंड से ही झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के उम्मीदवार सोमेश सोरेन ने बढ़त बना ली। जैसे-जैसे राउंड बढ़ते गए, झामुमो की बढ़त और मजबूत होती गई। मतगणना स्थल पर झामुमो के टेंट में जश्न का माहौल है, जबकि भाजपा का टेंट लगभग खाली हो चुका है। कुल 20 राउंड की गिनती होनी है और दोपहर बाद परिणाम की घोषणा की संभावना जताई जा रही है। बारहवें राउंड की गिनती पूरी होने तक सोमेश सोरेन 23,385 मतों की बड़ी बढ़त के साथ आगे चल रहे हैं। उन्हें अब तक 64,637 वोट मिले हैं, जबकि भाजपा उम्मीदवार बाबूलाल सोरेन 41,252 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वहीं,झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के प्रत्याशी रामदास मुर्मू 9,364 वोट प्राप्त कर तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। दसवें राउंड में भी झामुमो की बढ़त कायम रही, जिसमें सोमेश सोरेन 20,807 वोटों से आगे थे। उन्हें 53,096 वोट मिले थे, जबकि बाबूलाल सोरेन को 32,289 मत प्राप्त हुए। इसी तरह नौवें राउंड में झामुमो उम्मीदवार 15,692 वोटों से आगे थे और उन्हें 46,150 मत मिल चुके थे। आठवें राउंड में उनकी बढ़त 11,280 तक पहुँच गई थी। उस समय उन्हें 39,163 वोट मिले थे और भाजपा प्रत्याशी 27,883 वोटों पर थे। उपचुनाव में स्वतंत्र एवं छोटे दलों के उम्मीदवारों को भी मत मिले हैं। श्रीलाल किस्कू, विकास हेंब्रम, पंचानन सोरेन, मनोज कुमार सिंह, मंसा राम हांसदा, राम कृष्ण कांति महली सहित अन्य प्रत्याशियों को विभिन्न राउंड में कुछ सौ वोट प्राप्त हुए। NOTA ने भी कई राउंड में 500 से अधिक मत हासिल किए। मतगणना के शुरुआती राउंड में भी झामुमो ने बढ़त बनानी शुरू कर दी थी। पहले राउंड में सोमेश सोरेन 2,164 वोटों से आगे थे और दूसरे-तीसरे राउंड तक यह बढ़त और बढ़ती गई। चौथे, पांचवें और छठे राउंड में उन्होंने लगातार भाजपा उम्मीदवार को पीछे छोड़ते हुए मजबूत स्थिति बना ली। सातवें राउंड में उनकी बढ़त 7,762 वोटों तक पहुँच गई थी। घाटशिला उपचुनाव कुल 13 प्रत्याशियों के बीच मुकाबला है, लेकिन मुख्य संघर्ष झामुमो के सोमेश सोरेन और भाजपा के बाबूलाल सोरेन के बीच देखा जा रहा है। यह सीट पूर्व शिक्षा मंत्री स्वर्गीय रामदास सोरेन के निधन के बाद खाली हुई थी।

घाटशिला उपचुनाव में झामुमो की 16वें राउंड में बढ़त बरकरार

पूर्वी सिंहभूम। पूर्वी सिंहभूम जिले की 45-घाटशिला (अ.ज.जा) विधानसभा सीट पर हो रही उपचुनाव की मतगणना के 16वें राउंड तक झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के उम्मीदवार सोमेश चंद्र सोरेन ने भारी बढ़त बना ली है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक सोमेश सोरेन 84,786 वोटों के साथ सबसे आगे हैं, जबकि भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार बाबूलाल सोरेन 53,496 वोटों पर सिमट गए हैं। झामुमो प्रत्याशी 31,300 वोटों की बड़ी बढ़त के साथ जीत की ओर मजबूती से बढ़ रहे हैं। तीसरे स्थान पर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के रामदास मुर्मू 11,095 वोटों के साथ काफी पीछे चल रहे हैं। अन्य उम्मीदवारों में निर्दलीय डॉ. श्रीलाल किस्कु, भारत आदिवासी पार्टी के पंचानन सोरेन, निर्दलीय मानसा राम हांसदा, बिकाश हेंब्राम, मनोज कुमार सिंह, पार्वती हांसदा, रामकृष्ण कांटी महाली, नारायण सिंह और परमेश्वर टुडू सहित कई प्रत्याशी बेहद कम मतों के साथ पिछड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। मतपत्र में शामिल नोटा को भी 2,379 वोट मिले हैं, जो कई छोटे उम्मीदवारों से अधिक है।

घाटशिला उपचुनाव : 17 वें राउंड में झामुमो प्रत्याशी 32,805 वोटों से आगे

पूर्वी सिंहभूम। पूर्वी सिंहभूम जिले की घाटशिला विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव की मतगणना अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। 17वें राउंड की गिनती के बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के उम्मीदवार सोमेश चंद्र सोरेन ने एकबार फिर जोरदार बढ़त बना ली है। वे 89,251 मतों के साथ सबसे आगे हैं और अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा उम्मीदवार बाबू लाल सोरेन से चल रहे हैं। इसी के साथ उनकी जीत लगभग तय मानी जा रही है और झामुमो खेमे में जश्न का माहौल देखने को मिल रहा है। भाजपा के बाबूलाल सोरेन को अब तक 56,445 वोट मिले हैं, जबकि तीसरे स्थान पर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के रामदास मुर्मू हैं, जिन्हें 11,235 वोट प्राप्त हुए हैं। अन्य उम्मीदवारों की जमानत बचना भी मुश्किल होता दिखाई दे रहा है। स्वतंत्र और अन्य दलों के उम्मीदवारों का प्रदर्शन बेहद कमजोर रहा। स्वतंत्र उम्मीदवार डॉ. श्रीलाल किस्कू को 1,341 वोट मिले हैं, जबकि भारत आदिवासी पार्टी के पंचानन सोरेन को केवल 901 वोट मिले। अधिकांश अन्य उम्मीदवार 1,000 के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। स्वतंत्र प्रत्याशी बिकाश हेम्ब्रम को 847, मनोज कुमार सिंह को 339, परवती हांसदा को 336 और राम कृष्ण महाली, नारायण सिंह, परमेश्वर टुडू, बसंत कुमार टोपनो को 300 से भी कम मत मिले हैं।

एचईसी की देनदारियां बढ़कर पहुंची तीन हजार करोड़ : लालदेव

एजेंसी। रांची

हटिया कामगार यूनियन एटक के उपाध्यक्ष लालदेव सिंह ने कहा है कि भेल प्रबंधन के अधीन रहने के दौरान हेवी इंजीनियर्स कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचईसी) रांची की देनदारियां बढ़कर लगभग तीन हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गई हैं। आनेवाले समय में यह राशि और बढ़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि एचईसी का सीआईएसएफ के पास 150 करोड़, सप्लायर के रिटायर कर्मी, कर्मचारी के वेतन बकाया में 100 करोड़, बिजली मद में 15ग0 करोड़, पानी का मद, पेंशन मद, इनकम टैक्स सहित अन्य मद में कुल मिलकर तीन हजार करोड़ से भी अधिक राशि शामिल है। उन्होंने कहा कि यह बोझ अंततः राज्य सरकार या केंद्र सरकार को ही उठाना पड़ेगा, जो दीर्घकालिक दृष्टि से न कर्मचारियों के हित में है और न ही उद्योग के विकास के अनुकूल है। उन्होंने शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि यदि एचईसी को समय रहते पुनर्जीवित नहीं किया गया, तो यह ऐतिहासिक उद्योग पूरी तरह ठप पड़ जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब साफ हो चुका है कि सरकारी आर्थिक सहायता के बिना एचईसी का संचालन संभव नहीं है और यदि किसी तरह चलाया भी गया तो केवल कर्मचारियों और सेवानिवृत्त कर्मियों को परेशान करने के लिए ही चलेगा। उन्होंने केंद्र सरकार से कर्मचारियों और रिटायर कर्मियों के हित में जल्द से जल्द ठोस फैसला लेते हुए एचईसी को बचाने की दिशा में कदम उठाने का आग्रह किया।

झारखंड उच्च न्यायालय का सिल्वर जुबिली समारोह मनेगा 15 को

एजेंसी। रांची

झारखंड उच्च न्यायालय का सिल्वर जुबिली समारोह 15 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। मुख्य कार्यक्रम उच्च न्यायालय परिसर में सुबह 11.30 बजे से होगा। इसके बाद शाम 7.30 बजे से ज्यूडिशियल एकेडमी में सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित सम्मान समारोह भी होगा। इसमें उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) के होने वाले चीफ जस्टिस सूर्यकांत समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। इसके अलावा उच्चतम न्यायालय के अन्य न्यायाधीश सहित 10 राज्यों के उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस भी समारोह के गवाह बनेंगे। न्यायाधीशों की ओर से कार्यक्रम में आने की स्वीकृति मिल गई है। इधर, सिल्वर जुबिली समारोह को लेकर तैयारियां तेजी से चल रही है। उच्च न्यायालय भवन और पूरे परिसर को दुल्हन की तरह सजाया गया है। चारों ओर रंग-बिरंगी लाइटें लोगों को आकर्षित कर रही है। उच्चतम न्यायालय सहित विभिन्न राज्यों के उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस के आने की संभावना 'को देखते हुए सुरक्षा कड़ी की गई है। झारखंड हाइकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल सत्य प्रकाश सिन्हा ने शुक्रवार को बताया कि समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। उल्लेखनीय है कि झारखंड उच्च न्यायालय 165 एकड़ में फैला हुआ है।

बिहार चुनाव में राजग की जीत पर जमशदुपर में जदयू कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की प्रचंड जीत की खुशी में जमशेदपुर में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के कार्यकर्ताओं ने जोरदार उत्सव मनाया और अक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की शुभकामनाएं दीं। शहर के बिष्टुपुर स्थित विधायक सरयू राय के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में भी बड़ी संख्या में जदयू नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता पहुंचे। सभी ने उत्साहपूर्वक एक-दूसरे को लड्डू खिलाकर खुशी का इजहार किया और बिहार में मिली प्रचंड जीत को जनता के विश्वास का प्रतीक बताया। विधायक सरयू राय ने भी सभी कार्यकर्ता और समर्थकों को लड्डू खिलाकर विजय की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि राजग की यह ऐतिहासिक जीत सुशासन, विकास और जनहित की नीतियों पर जनता की मुहर है। उन्होंने कार्यकर्ताओं की मेहनत और संगठन के समर्पण की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह ऊर्जा आगे भी संगठन को मजबूत बनाने में मदद करेगी। उत्सव कार्यक्रम में जदयू झारखंड प्रदेश के युवा अध्यक्ष निर्मल सिंह, झारखंड प्रदेश महासचिव कौशल सिंह, पूर्वी सिंहभूम जिला अध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव, जदयू नेता आशुतोष राय, अंजली सिंह, संजय ठाकुर, जदयू महानगर अध्यक्ष अजय कुमार सहित कई अन्य नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

जगन्नाथपुर में दो मादा हाथियों की रहस्यमय मौत, वन विभाग जांच में जुटा

एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम

जिले के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत जैंतगढ़ के जुगीनंदा टोला स्थित गगराई लांगर इलाके में दो मादा हाथियों की संदिग्ध हालात में मौत का मामला सामने आया है। इसमें एक मादा हथनी गर्भवती थी। पोस्टमार्टम के दौरान मृत बच्चा बरामद हुआ है। बताया जाता है कि स्थानीय ग्रामीणों को तेज दुर्गंध महसूस होने के बाद जब आसपास तलाश की गई, तो जंगल के भीतर दोनों हाथियों के शव पड़े मिले। बताया जा रहा है कि इनकी मौत दो से तीन दिन पहले हुई होगी, क्योंकि शवों में सड़न के संकेत स्पष्ट दिखाई दे रहे थे। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। वन कर्मी उदित नारायण गगराई ने घटना की जानकारी वन प्रमंडल पदाधिकारी (डीएफओ) को भेज दी है। वन विभाग की ओर से पोस्टमार्टम टीम भी बुलाई गई । ताकी मौत के वास्तविक कारणों का वैज्ञानिक ढंग से पता लगाया जा सके। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू होते ही एक हथनी के पेट से मृत बच्चा बरामद हुआ। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि हाल के दिनों में इस इलाके में हाथियों की आवाजाही काफी बढ़ी थी और कई बार मानव-हाथी संघर्ष की परिस्थितियां भी सामने आती रही हैं। कुछ लोगों ने आशंका जताई है कि हाथियों की मौत किसी जहरीले पदार्थ या अवैध शिकार के कारण भी हो सकती है, हालांकि वन विभाग ने अभी किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से इनकार किया है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, विस्तृत जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि यह प्राकृतिक मृत्यु है, बीमारी के कारण हुई है या फिर किसी मानवीय गतिविधि का नतीजा है। दोनों हाथियों के आसपास किसी बड़े संघर्ष, बिजली प्रवाहित तार या गोलीबारी जैसी गतिविधि के निशान नहीं मिले हैं, जिसके कारण मौत का रहस्य और गहरा हो गया है। घटना के सामने आने के बाद जिले में हाथियों की सुरक्षा और मॉनिटरिंग व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि हाथियों की मौत किसी बाहरी हस्तक्षेप के कारण हुई है, तो यह वन्यजीव संरक्षण के लिए बेहद चिंताजनक संकेत है। विभाग ने आसपास के ग्रामीण इलाकों में पूछताछ शुरू कर दी है और इलाके में लगे कैमरा ट्रैप के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। वन विभाग ने आश्वासन दिया है कि जांच पूरी होने पर मौत के कारणों को सार्वजनिक किया जाएगा और यदि किसी प्रकार की अनियमितता पाई गई, तो दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

टाटानगर रेल मंडल में कई ट्रेनों का परिचालन प्रभावित

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

रेलवे की ओर से कोचिंग ट्रेनों की मरम्मत और परिचालन संबंधी कार्यों को ध्यान में रखते हुए नवंबर माह के विभिन्न तिथियों में कई ट्रेनों को रद्द, शॉर्ट-टर्मिनेट, शॉर्ट-ओरिजिनेट और री-शेड्यूल किया गया है। रेलवे की ओर से शुक्रवार को दी गई जानकारी में बताया गया है कि इन बदलावों का सीधा प्रभाव टाटानगर रेलखंड से गुजरने वाली ट्रेनों पर पड़ेगा, जिससे यात्रियों को यात्रा योजना बनाने में सतर्क रहने की जरूरत है। पहले चरण में टाटानगर से हाटिया के बीच चलने वाली 18602/18601 हाटिया–टाटानगर–हाटिया पैसेंजर ट्रेन 22 नवंबर 2025 को रद्द रहेगी। इसके अलावा आद्रा, बांकुड़ा, बोकारो स्टील सिटी, आसनसोल और बाघाजोड़ा रूट की कई मेमू पैसेंजर ट्रेनों को भी अलग-अलग तिथियों में रद्द किया गया है। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि 68053/68054 आद्रा–बांकुड़ा–आसनसोल मेमू पैसेंजर 23 नवंबर को, जबकि 68075 आद्रा–बाघाजोड़ा मेमू पैसेंजर 17, 19, 20 और 22 नवंबर को संचालित नहीं होगी। इसी तरह 68076 बाघाजोड़ा–आद्रा मेमू पैसेंजर 18, 20, 21 और 23 नवंबर को रद्द रहेगी। दूसरे चरण में कई ट्रेनों को शॉर्ट-टर्मिनेट और शॉर्ट-ओरिजिनेट किया गया है। टाटा–आसनसोल–बांकुड़ा रूट पर चलने वाली 68056/68060 मेमू ट्रेन 18 नवंबर को आद्रा तक ही सीमित रहेगी, जिससे आद्रा से आसनसोल के बीच की सेवा रद्द रहेगी। वहीं 63594/63593 आसनसोल–पुरुलिया मेमू ट्रेन 19 व 23 नवंबर को आद्रा से ही चलेगी और पुरुलिया सेक्शन में सेवाएं उपलब्ध नहीं रहेंगी। उधर जामशेदपुर–धनबाद सेक्शन पर 18019/18020 जामशेदपुर–धनबाद एक्सप्रेस 17 और 20 नवंबर को बोकारो स्टील सिटी से ही चलेगी, जिससे धनबाद तक का परिचालन प्रभावित रहेगा। इसके अतिरिक्त कुछ ट्रेनों को री-शेड्यूल भी किया गया है। हाटिया से खड़गपुर जाने वाली 18036 एक्सप्रेस 18 नवंबर को 60 मिनट और 19 नवंबर को 120 मिनट विलंब से खुलेगी। इसी तरह खड़गपुर–हाटिया एक्सप्रेस 18035, 23 नवंबर को 120 मिनट की देरी से प्रस्थान करेगी। बक्सर–टाटानगर एक्सप्रेस 18184 को भी 23 नवंबर को 60 मिनट विलंब से चलाने का निर्णय लिया गया है। रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पूर्व ट्रेन की स्थिति की जानकारी अनिवार्य रूप से जांच लें, ताकि किसी भी असुविधा से बचा जा सके।

कांग्रेस ने पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती मनाई

एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम

पश्चिमी सिंहभूम जिला में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती शुक्रवार को कांग्रेस भवन, चाईबासा में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने नेहरू के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।कार्यक्रम में कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार बलमुचू ने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद पंडित नेहरू ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और दूरदर्शिता से देश को नयी दिशा दी। उन्होंने सभी चुनौतियों का सामना करते हुए एक सशक्त, समृद्ध, आधुनिक और प्रगतिशील भारत की नींव रखी। डॉ. बलमुचू ने कहा कि पंडित नेहरू ने विश्व मंच पर भारत को अग्रिम पंक्ति में खड़ा करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई।उन्होंने बताया कि नेहरू जी को देश के आर्थिक रूप से कमजोर तबके से विशेष लगाव था। बच्चों के प्रति उनके प्रेम और स्नेह के कारण ही उनका जन्मदिन बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। वे सदैव देश की प्रगति और विकास के प्रति चिंतित रहते थे।इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने नेहरू जी के आदर्शों और संकल्पों को पुनः दोहराते हुए उन्हें साकार करने के लिए निरंतर परिश्रम करने का संकल्प लिया। साथ ही बाल दिवस के अवसर पर छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। कार्यक्रम में कांग्रेस जिला प्रवक्ता त्रिशानु राय, जिला महासचिव लियोनार्ड बोदरा, जिला सचिव जया सिंकु, जानवी कुदादा, प्रखंड अध्यक्ष दिकु सावैयां, नगर उपाध्यक्ष मो. ऐसान सहित कई कांग्रेसी उपस्थित थे।

झारखंड के घाटशिला उपचुनाव में झामुमो उम्मीदवार को भारी बढ़त, जीत लगभग तय

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

झारखंड की घाटशिला विधानसभा सीट पर उपचुनाव की मतगणना जारी है। 15वें राउंड की गिनती पूरी होने तक झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के उम्मीदवार सोमेश चंद्र सोरेन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार बाबूलाल सोरेन पर करीब 29,500 वोटों की निर्णायक बढ़त बना ली है। घाटशिला उपचुनाव में झामुमो उम्मीदवार की बढ़त लगातार राउंड दर राउंड बढ़ती जा रही है, जिसके बाद झामुमो खेमे में उत्साह और जश्न का माहौल है। समर्थकों ने जीत लगभग तय मानते हुए परिसर में नारेबाजी शुरू कर दी है। चुनाव आयोग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, झामुमो के सोमेश चंद्र सोरेन को सबसे अधिक वोट मिले हैं, जबकि भाजपा के बाबूलाल सोरेन दूसरे स्थान पर चल रहे हैं। तीसरे स्थान पर भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के पंचानन सोरेन हैं। अन्य उम्मीदवारों को भी मत मिले हैं, लेकिन मुकाबला मुख्य रूप से झामुमो और भाजपा के बीच ही है। मतगणना में भाजपा के बाबूलाल सोरेन को 50,314 वोट, झामुमो के सोमेश चंद्र सोरेन को 79,547 वोट, भारत आदिवासी पार्टी के पंचानन सोरेन को 8,284 वोट, पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक) की पार्वती हांसदा को 3,065 वोट और झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के रामदास मुर्मू को 10,956 वोट मिले हैं। निर्दलीय उम्मीदवारों सहित अन्य प्रत्याशियों में नारायण सिंह को 1,737, परमेश्वर टुडू को 1,178, बसंत कुमार तोपनो को 1,189, मनसा राम हांसदा को 783, मनोज कुमार सिंह को 3,171, रामकृष्ण कांति माहली को 2,631, विकास हेम्ब्रम को 784, डॉ. श्रीलाल किस्कू को 1,229 वोट मिले हैं। इसके अलावा नोटा में 2,251 वोट दर्ज हुए हैं। लगातार बढ़त के साथ झामुमो उम्मीदवार सोमेश सोरेन की जीत लगभग तय मानी जा रही है।

एनडीए की बिहार में ऐतिहासिक जीत पर अधिवक्ताओं में खुशी का माहौल

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन की प्रचंड जीत का उत्सव जमशेदपुर में भी देखने को मिला। शुक्रवार को जमशेदपुर स्थित नये कोर्ट परिसर (डीबीए कैंपस) में अधिवक्ताओं ने एकत्र होकर जीत का जश्न मनाया और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं। नये कोर्ट परिसर में माहौल सुबह से ही उत्साहपूर्ण था। अधिवक्ताओं ने लड्डू बांटते हुए कहा कि बिहार में जनादेश स्पष्ट रूप से विकास और स्थिरता के पक्ष में मिला है। इस अवसर पर भाजपा से जुड़े वरिष्ठ अधिवक्ता विनोद मिश्रा और जिला जदयू के उपाध्यक्ष परमजीत श्रीवास्तव मौजूद थे। कार्यक्रम में सैकड़ों अधिवक्ता शामिल हुए, जिनमें अमित, प्रभात तिवारी, संजीव झा, केशव, राजेश चौधरी, नीरज सहित कई अन्य वकील भी उत्सव में शामिल थे। सभी ने बिहार की जनता के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह परिणाम सकारात्मक राजनीति की जीत है। मौके पर अधिवक्ताओं ने परिसर में एक-दूसरे को बधाई दी और आगामी दिनों में बिहार में मजबूत सरकार बनने की उम्मीद जताई। कोर्ट परिसर में पूरे दिन जश्न का माहौल रहा और वकीलों ने फोटो खिंचवाते हुए इस पल को यादगार बनाया।

संक्षिप्त समाचार

हाई कोर्ट ने पोस्को मामला रद्द करने से किया इनकार

बेंगलूरू एजेंसी। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा को हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कर्नाटक हाई कोर्ट ने उनके खिलाफ पोस्को एक्ट के तहत दर्ज मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया है। इसके अलावा हाई कोर्ट ने पूर्व सीएम के खिलाफ निचली अदालत के कथित अपराध का संज्ञान लेने और समन जारी करने के आदेश को जारी रखा। हालांकि, हाईकोर्ट ने निचली अदालत को निर्देश भी दिया कि येदियुरप्पा की उपस्थिति पर तब तक जोर न दिया जाए, जब तक यह अत्यंत आवश्यक न हो। कर्नाटक हाई कोर्ट के जस्टिस एम आई अरुण ने मामले को रद्द करने से इनकार करते हुए इस बात पर भी जोर दिया कि येदियुरप्पा को इस मामले से बरी होने के लिए निचली अदालत का दरवाजा खटखटाने के लिए स्वतंत्र हैं। गौरतलब है कि जस्टिस अरुण का यह वर्तमान आदेश 7 फरवरी के उच्च न्यायालय के एक पूर्व आदेश के बाद आया है, जब न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना की अध्यक्षता वाली एकल पीठ ने येदियुरप्पा के खिलाफ अपराधों का संज्ञान लेने वाले निचली अदालत के पहले आदेश को यह कहते हुए रद्द कर दिया था कि यह बिना सोचे-

समझे पारित किया गया था। हालाँकि, उस समय न्यायमूर्ति नागप्रसन्ना ने जाँच और अंतिम रिपोर्ट को अपरिवर्तित छोड़ दिया था और मामले को नए सिरे से विचार के लिए निचली अदालत को वापस भेज दिया था। जस्टिस नागप्रसन्ना के इस आदेश के बाद निचली अदालत ने 28 फरवरी को एक नया आदेश जारी किया था। इसके बाद अंतरिम आदेश के जरिए कुछ समय के लिए रोक लगा दी। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा के ऊपर मार्च 2024 में एक 17 वर्षीय लड़की की मां ने बच्ची के साथ गलत काम करने का आरोप लगाया था। नाबालिग की मां की शिकायत के मुताबिक येदियुरप्पा ने फरवरी 2024 में बेंगलुरु स्थित अपने आवास पर एक बैठक के दौरान उनकी बेटी का यौन उत्पीड़न किया था।

पुणे जमीन विवाद में अंजलि दमानिया ने डिप्टी सीएम अजित पवार से मांगा इस्तीफा

पुणे, एजेंसी। पुणे जमीन घोटाले मामले में अजित पवार विपक्ष के निशाने पर हैं। शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के नेता अंबादास दानवे ने एक बड़ा बयान दिया है। दानवे ने महायुति के दावे को निराधार करार दिया है और कहा की पार्थ पवार मामले से नाराज होकर अजित पवार सरकार से इस्तीफा देने वाले थे। दरअसल, दानवे का कहना है कि अजित पवार के दबाव के कारण पार्थ पवार को बचाया जा रहा है। इस बीच सामजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया ने कथित पूणे जमीन घोटालों को लेकर अजीत पावर के इस्तीफे की मांग की है। अंजलि दमानिया ने डिप्टी सीएम अजित पवार को घेरते हुए कहा कि इस पुणे जमीन घोटाले मामले में पार्थ पवार का नाम एफआईआर में शामिल किया जाए और जिला कलेक्टर के खिलाफ एक्शन लिया जाए। सामजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया की ओर से इस्तीफा मांगे जाने पर डिप्टी सीएम अजित पवार ने कहा कि मैं अपनी अंतरात्मा की आवाज पर फैसला लूंगा। उन्होंने दावा किया कि पार्थ को इस बात की जानकारी नहीं थी कि कंपनी की ओर से खरीदी गई जमीन सरकार की है। के पास महार वतन की 40 एकड़ जमीन को 300 करोड़ रुपये में अमाडिया नाम की कंपनी को हस्तांतरित करने की कोशिश की गई थी। इस कंपनी में पार्थ भी एक हिस्सेदार थे। इसके बाद 21 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी का भुगतान न करने और जमीन की वास्तविक कीमत 1800 करोड़ रुपये होने का दावा करने के विवाद के बाद इस टेंडर को रद कर दिया गया था।

राजस्थान में सुबह-शाम बढ़ी ठिठुरन, दिन में सुहानी धूप

जयपुर, एजेंसी।
राजस्थान में सर्दी एक बार फिर अपने तेवर दिखाने लगी है। राज्य के अधिकांश जिलों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे पहुंच गया है, जिसके कारण सुबह और शाम के समय तीखी सर्द हवाओं के बीच लोगों को ठिठुरन का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि दोपहर होते-होते सूर्य की तेज किरणें मौसम को काफी सुहाना बना देती हैं। इस बार ऊपरी राजस्थान से लेकर दक्षिणी राजस्थान तक तापमान में गिरावट का असर साफ दिख रहा है।

गुरुवार को राज्य में सबसे ठंडा दिन सिरोही में रहा, जहां अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे दर्ज किया गया। सिरोही में दिन का तापमान गिरकर 23.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो इस सीजन के सबसे कम अधिकतम तापमानों में से एक है। उधर, शेखावाटी क्षेत्र में न्यूनतम तापमान लगातार 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे बना हुआ है, जिससे सुबह और देर रात कड़ाके की ठंड महसूस की जा रही है।

गुरुवार की रात फतेहपुर में न्यूनतम तापमान सर्वाधिक गिरावट के साथ 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। फतेहपुर लगातार राजस्थान के सबसे ठंडे स्थानों में शामिल रहता है और इस बार भी

मौसम ने अपनी परंपरागत ठिठुरन बरकरार रखी।

इसके अलावा बारां में 9.8 डिग्री, चूरू में 9.7, सीकर में 9.4, पिलानी में 9.8 और नागौर में न्यूनतम तापमान 8.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इन शहरों में सुबह-सुबह घना कोहरा तो नहीं, लेकिन तेज सर्द हवाएं चलने से लोगों को घरों से निकलने में कठिनाई हुई।

सीकर, झुंझुनूं और पिलानी में सुबह-शाम शीतलहर जैसी स्थिति देखने को मिली। इन इलाकों में हवा की गति और तापमान दोनों सर्दी को और तीखा बना रहे हैं। हालांकि सुबह-शाम सर्दी अपने चरम पर रहने के बावजूद दिनभर तेज धूप मौसम को राहत दे रही है। प्रदेश के अधिकांश शहरों में दिन का तापमान 27 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच रिकॉर्ड किया गया।

जैसलमेर में अधिकतम तापमान 33.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो राज्य में सबसे गर्म शहरों में से एक बना। जोधपुर में दिन का तापमान 30.8, बीकानेर में 29.8, चूरू में 29.3 और गंगानगर में 28.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। नागौर में अधिकतम तापमान 30 डिग्री, उदयपुर में 28, कोटा में 29, सीकर में 27 और जयपुर में 29 डिग्री सेल्सियस रहा। अलवर में 27, पिलानी में 28.5, अजमेर में 28.6 और बारां में 28.8 डिग्री सेल्सियस का तापमान रिकॉर्ड किया गया। इन सभी शहरों में दोपहर के समय धूप निकलने के कारण लोगों को हल्की गर्माहट महसूस हुई और बाजारों, सड़कों पर सामान्य भीड़ दिखी। मौसम विज्ञान केंद्र, जयपुर ने अगले एक सप्ताह तक प्रदेश में मौसम शुष्क और आसमान साफ रहने की संभावना जताई है। ठंडी उत्तरी हवाओं के प्रभाव से रात के तापमान में 2 डिग्री तक और गिरावट हो सकती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि नवंबर के दूसरे पखवाड़े में सर्दी सामान्यतः तेज होती है, लेकिन इस बार तापमान औसत से 2 से 4 डिग्री कम चल रहा है। इससे शीतलहर जैसी स्थिति कई जिलों में बन सकती है।

डॉक्टरों ने सुबह के समय अत्यधिक ठंड के कारण बुजुर्गों, बच्चों और श्वसन रोगियों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। सुबह की सैर और तेज हवाओं में बाहर निकलने से परहेज करने की हिदायत दी गई है।

राजस्थान में सर्दी इस समय तेज रफ्तार पकड़ चुकी है। सुबह-शाम की ठिठुरन और दिन की सुहानी धूप के बीच तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। अगले कुछ दिनों में ठंड और बढ़ने की संभावना है, जिससे सर्दियों का मौसम और भी कड़ा महसूस होगा।

राजस्थान के सबसे बड़े एसएमएस अस्पताल में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

जयपुर, एजेंसी। राजधानी के सबसे बड़े एसएमएस अस्पताल में नए अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी ने कार्यभार संभालने के बाद प्रशासनिक ढांचे में बड़ा बदलाव कर दिया है। 17 डॉक्टरों की जिम्मेदारियां बदल दी गई हैं। नए आदेश में न केवल जिम्मेदारी का पुनर्वितरण हुआ बल्कि यह भी साफ हो गया कि अब एसएमएस की गाड़ी नई रफ्तार और नए सिस्टम से चलेगी। रिश्वत प्रकरण में फंसे डॉ. मनीष अग्रवाल को ऑर्गन ट्रांसप्लांट कमेटी से हटाकर डॉ. गिरधर गोयल को नया कन्वीनर बना दिया गया है। डॉ. सतीश वर्मा को बनाया गया है हेड ऑफ ऑफिस। अब वे डी.डी.ओ., एस्टेब्लिशमेंट ऑफिस, अकाउंट सेक्शन और कांट्रेक्ट सेल की कमान संभालेंगे। यानी प्रशासनिक मामलों की चाबी अब उनके पास रहेगी। वहीं डॉ. प्रदीप शर्मा अब वीवीआईपी प्रोटोकॉल संभालेंगे - यानी कोई खास मेहमान आए तो अब सारी तैयारी उन्हीं की देखरेख में होगी। डॉ. गौरव शर्मा को सेंट्रल मेडिकल स्टोर और मेडिकल इक्यूपमेंट मेंटेनेंस का नोडल ऑफिसर नियुक्त किया गया है। उनके साथ डॉ. मनोज शर्मा की जोड़ी भी बनी रहेगी। डॉ. जगदीश मोदी अब ट्रॉमा सेंटर एमओआईसी, मुख्यमंत्री निशुल्क दवा व जांच योजना, इंक्वायरी सेंटर और एम्बुलेंस सेवाओं की जिम्मेदारी देखेंगे। डॉ. बी.एल. यादव को ट्रॉमा सेंटर नोडल ऑफिसर और डॉ. आर.के. पूनिया को लीगल सेल का इंचार्ज बनाया गया है। वहीं डॉ. नरेंद्र सिंह अब ऑक्सीजन प्लांट की देखरेख करेंगे। डॉ. संजय शेखावत को आईसीयू मैनेजमेंट, ओटी मैनेजमेंट और मुख्य भवन की पहली मंजिल के मेडिकल ऑफिसर के तौर पर जिम्मेदारी सौंपी गई है। डॉ. राजेश शर्मा को मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना, निरोगी राजस्थान और ओपीडी संचालन का जिम्मा सौंपा गया है। डॉ. एन.एस. चौहान को आरटीआई, संपर्क-सुगम पोर्टल और ग्रीवांस सेल का प्रभारी बनाया गया है। वहीं मुख्य भवन की जिम्मेदारी भी अब उन्हीं के पास होगी। डॉ. अजीत सिंह को मिली है सिक्योरिटी, वाइलेंस प्रिवेंशन और सीसीटीवी मॉनिटरिंग की अहम जिम्मेदारी। इंफेक्शन कंट्रोल भी उनके हवाले किया गया है, ताकि अस्पताल में सफाई और सुरक्षा दोनों मजबूत रहें।

यूपी में भीषण हादसा, श्रद्धालुओं से भरा आटो पलटा

अंबेडकरनगर एजेंसी। यूपी के अंबेडकरनगर में जलालपुर कोतवाली क्षेत्र के रफीगंज,जलालपुर मार्ग पर मदरहा के समीप शुक्रवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। भियांव दरगाह से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरा एक ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकराकर पलट गया। हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक दर्जन के करीब यात्री घायल हुए हैं। जानकारी के अनुसार सुबह लगभग आठ बजे जौनपुर जनपद के कलीचाबाद निवासी 11 श्रद्धालु ऑटो से मालीपुर स्टेशन की ओर जा रहे थे। मदरहा के पास सामने से आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली को बचाने के प्रयास में चालक का नियंत्रण ऑटो से हट गया, जिससे वाहन पेड़ से जा टकराया और पलट गया। हादसे के तुरंत बाद ऑटो चालक मौके से फरार हो गया। हादसे में बिंदु (50), रंजना (19), सुनीता (40), साक्षी (14), सागर (12), बीना (35), सुशांत (14), जगत (68) और मीनाक्षी (22) समेत कई लोग घायल हो गए। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगपुर में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने 55 वर्षीय चिंता देवी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त ऑटो को कब्जे में ले लिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाल संतोष कुमार सिंह ने बताया कि घायलों का उपचार चल रहा है और सभी घायल जौनपुर जनपद के निवासी हैं।

मुकदमे में समझौता न करने पर पति ने पत्नी के अश्लील फोटो फेसबुक पर डाले

पीलीभीत, एजेंसी। यूपी के पीलीभीत में दहेज के मुकदमे में समझौता न करने पर पति ने सोशल साइट फेसबुक पर फर्जी आईडी बनाकर पत्नी के अशलील फोटो वायरल कर दिए। पत्नी के साथ ससुराल पक्ष के अन्य लोगों के फोटो भी वायरल किए गए। गजरौला पुलिस ने विवाहिता की तहरीर पर पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मामले में मिली जानकारी के अनुार थाना गजरौला क्षेत्र के एक गांव के निवासी महिला ने थाना गजरौला में रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसमें कहा गया कि उसकी शादी 26 अप्रैल को सुनील कुमार पुत्र मोहनलाल निवासी मोहल्ला हबीबगंज पूरनपुर के साथ हुई थी। विवाह के उपरांत उसके पति सुनील कुमार और ससुराल पक्ष के लोग दहेज की मांग को लेकर मारपीट करते थे। 30 नवंबर 2021 को ससुराल पक्ष के लोगों ने मारपीट कर उसको घर से निकाल दिया। जिस संबंध में उसके पिता ने थाना गजरौला में दहेज का मुकदमा दर्ज कराया था।

उमर नबी के घर को सुरक्षा बलों ने उड़ाया, दिल्ली ब्लास्ट केस में ऐक्शन

कार विस्फोट में 13 लोगों की मौत हो गई थी

पुलवामा एजेंसी। दिल्ली धमाके में विस्फोटक से लदी कार चलाने वाले मुख्य आरोपी डॉ. उमर नबी के पुलवामा जिले स्थित मकान को सुरक्षा बलों ने बम से उड़ा दिया है। यह कार्रवाई देर रात की गई। आपको बता दें कि सोमवार रात लाल किले के पास हुए कार विस्फोट में 13 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे। डॉ. उमर नबी उस हुंडई द्ब20 कार को चला रहा था, जिसमें विस्फोटक लदे थे। विस्फोट स्थल से

एकत्र किए गए डीएनए नमूने डॉ. उमर की मां के नमूनों से मेल खाने के बाद उसकी पहचान की पुष्टि हुई थी। उमर नबी पर आरोप है कि वह पिछले दो वर्षों में कट्टरपंथी बन गया था। जांचकर्ताओं ने बताया कि वह सोशल मीडिया पर कई कट्टरपंथी मैसेजिंग ग्रुप में शामिल हो गया था। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अंतर-राज्यीय व्हाइट कॉलर आतंकी मॉड्यूल के सिलसिले में काजीगुंड स्थित डॉ. मुजफ्फर के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने के लिए इंटरपोल से संपर्क किया है। गिरफ्तार किए गए आठ लोगों में तीन डॉक्टर शामिल हैं। उनमें से एक डॉ. अदील का भाई है। जांचकर्ताओं ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आठ में से सात कश्मीर से हैं। मुजफ्फर भी उन डॉक्टरों की टीम का हिस्सा था जिसने 2021 में मुजम्मिल गनई और उमर नबी के साथ तुर्की का दौरा किया था। पुलिस के मुजफ्फर का पता लगाने की कोशिश करने पर पता चला कि वह अगस्त में भारत छोड़कर दुबई चला गया था और माना जाता है कि वह वर्तमान में अफगानिस्तान में है। आपको यह भी बता दें कि केंद्र सरकार ने दिल्ली विस्फोट के बाद अल फलाह यूनिवर्सिटी के सभी रिकॉर्ड का फोरेंसिक ऑडिट कराने का आदेश दिया है। इसके साथ ही प्रवर्तन निदेशालय और अन्य वित्तीय जांच एजेंसियों को इस हरियाणा-स्थित संस्थान के मनी ट्रेल की जांच करने का निर्देश दिया गया है। यह निर्णय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई एक उच्च-स्तरीय बैठक के बाद लिया गया,।

फरीदाबाद के आतंकी डॉक्टरों से जुड़े 20 और जिहादियों की तलाश, 7 ग्रुप से चल रहा था नेटवर्क

फरीदाबाद, एजेंसी।
जम्मू-कश्मीर पुलिस के हत्थे चढ़े फरीदाबाद मॉड्यूल के संदिग्ध दो टेलीग्राम ग्रुप, एक सिग्नल ऐप ग्रुप और चार व्हाट्सऐप ग्रुप के जरिये ऑपरेट हो रहा था। जब मॉड्यल के खिलाफ धर-पकड़ की कार्रवाई शुरू हुई तो इन ग्रुपों से जुड़े करीब 20 सदस्य एग्जिट हो गए। पुलिस अब ग्रुप छोड़कर जाने वालों के बारे में जानकारी जुटा रही है। पुलिस को शक है कि ये संदिग्ध भी मॉड्यूल का हिस्सा थे, तभी इन्होंने आनन-फानन में एजेंसियों से बचने के लिए खुद को ग्रुप से अलग कर दिया।

यह खुलासा फरीदाबाद मॉड्यूल के दबोचे गए संदिग्धों की डिवाइस की जांच में हुआ है। जांच एजेंसियों ने कुछ अन्य डिवाइस को भी जब्त किया है, जिनकी जांच जारी है। माना जा रहा है कि इन डिवाइस की जांच में भी कुछ सनसनीखेज खुलासे हो सकते हैं। मॉड्यूल को लेकर अबतक हुई तकनीकी जांच में यह पता चला है कि किसी ग्रुप को डॉ. मुजम्मिल ऑपरेट कर रहा था तो किसी ग्रुप को डॉ. अदील, डॉ. शहीन, जबकि एक ग्रुप को वसीम नाम कोई शख्स ऑपरेट कर रहा था।

मॉड्यूल के संदिग्ध और कार धमाके के फिदायीन डॉ. उमर द्वारा कुछ महीने पहले ही सिग्नल ऐप पर चार-पांच लोगों को जोड़ने की जानकारी भी मिल रही है। तकनीकी जांच व पूछताछ में मिलने वाली इन जानकारियों के आधार पर जांच एजेंसियां अब जिन भी प्लेटफार्म के जरिये ग्रुप से जुड़ी जानकारी मिल सकती है, उससे संपर्क साध रही है।

जांच एजेंसियों द्वारा बरामद किए गए डिवाइसों की जांच में संदिग्धों द्वारा जिस तरह से अपडेट किए जाने की बात सामने आई है, उसके मुताबिक मॉड्यूल का सरगना करीब दो महीने पहले फरार हुआ डॉ. मुजफ्फर है। संभवत~ उसके जरिये ही तुर्कीये में जैश-ए-मोहम्मद के हैंडलर से मॉड्यूल के संदिग्धों डॉ. मुजम्मिल व डॉ. उमर की मुलाकात हुई थी। एजेंसियां अब ग्रुप छोड़ने वालों की तलाश में दिल्ली, यूपी, हरियाणा व कश्मीर में कई स्थानों पर छापेमारी कर रही है। शक के आधार पर लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी कर रही हैं। रिक्रूटमेंट चीफ अदील-शहीन की निशानदेही पर संदिग्धों के संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। इस दौरान यह बात भी सामने आई है कि जैश-ए-मोहम्मद का कमांडर व मॉड्यूल के बीच कड़ी के तौर फरार संदिग्ध डॉ. मुजफ्फर ही काम कर रहा था।

छत्तीसगढ़ में इनामी 6 नक्सली ढेर

पुलिस ने बताया कैसे तोड़ी माओवादी संगठन के नेटवर्क की कमर

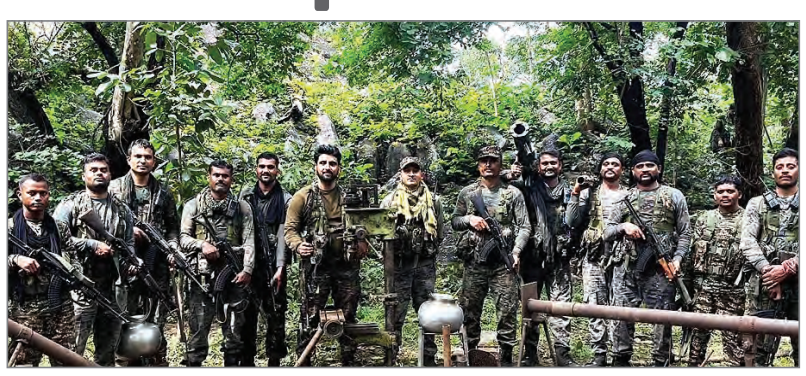

बीजापुर, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों ने हाल ही में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए दक्षिणी बस्तर के लिए खतरा माने जाने वाले छह कुख्यात माओवादियों को एक भीषण मुठभेड़ में मार गिराया। यह मुठभेड़ कांदुलनार-कचलारम के जंगलों में हुई। इस बारे में जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि मारे गए नक्सलियों पर कुल 27 लाख रुपए का इनाम घोषित था और इनकी मौत से माओवादी संगठन के सैन्य, राजनीतिक और सप्लाई नेटवर्क की कमर टूट गई है। इस कार्रवाई को बीजापुर की DRG (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड), DRG दंतेवाड़ा और विशेष टास्क फोर्स की संयुक्त टीमों ने अंजाम दिया। इस बारे में जानकारी देने के लिए गुरुवार को बस्तर पुलिस महानिरीक्षक पी सुंदरराज, पुलिस उपमहानिरीक्षक दंतेवाड़ा और पुलिस अधीक्षक बीजापुर ने एक संयुक्त प्रेस वार्ता की, जिसमें उन्होंने बताया कि यह सफल अभियान विश्वसनीय सूचना पर शुरू किया गया था, जिसमें DKSZCM पापाराव की मद्देड़ एरिया कमेटी के प्रभारी DVCM कन्ना उर्फ बुचन्ना और पामेड़ एरिया कमेटी की सचिव DVCM उर्मिला सहित 50-60 माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी मिली थी। आगे उन्होंने कहा, बीती 11 नवंबर की सुबह से शुरू हुए इस ऑपरेशन के दौरान रुक-रुक कर गोलीबारी का दौर चला, जिसके बाद मुठभेड़ स्थल से छह शव मिले जिन्हें

बीजापुर लाया गया साथ ही मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार भी बरामद किए गए। मारे गए नक्सलियों में से सबसे महत्वपूर्ण नाम DVCM कन्ना उर्फ बुचन्ना (35) का है, जिस पर आठ लाख रुपए का इनाम रखा गया था। बीजापुर पुलिस के अनुसार, बुचन्ना पर जिले के विभिन्न थानों में 42 आपराधिक मामले दर्ज थे और उसके खिलाफ 18 स्थायी वारंट जारी थे। पुलिस अधीक्षक बीजापुर जितेंद्र कुमार यादव ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा, बुचन्ना उर्फ कन्ना पिछले एक दशक से अधिक समय से इस क्षेत्र में माओवादी हिंसा का एक प्रमुख चेहरा था। वह कैम्प हमलों, IED विस्फोटों, ग्रामीणों की हत्या, डकैतियों और संचार टॉवरों को नष्ट करने जैसी सैकड़ों वारदातों का मास्टरमाइंड था। उसकी मौत से इस क्षेत्र में आतंक का एक लंबा अध्याय समाप्त हुआ है। दूसरी प्रमुख कैडर DVCM उर्मिला थी, जो कुख्यात शीर्ष माओवादी नेता छ्यर्स्ष्टरूपापाराव की पत्नी और पामेड़ एरिया कमेटी की सचिव थी। उस पर भी आठ लाख रुपए का इनाम था। उर्मिला न केवल हिंसक घटनाओं में शामिल थी, बल्कि संगठन के राजनीतिक विंग और PLGA (पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी) बटालियनों के लिए रसद आपूर्ति (सप्लाई चेन) की मुख्य संचालक भी थी। मारे गए अन्य माओवादियों में ACM जगत तामो उर्फ मोटू (5 लाख रुपए का इनामी) और तीन पार्टी सदस्य - देवे, भगत और मंगली ओयाम (तीनों पर दो-दो लाख रुपए का इनाम) शामिल हैं। इसमें दो इंसास राइफलें, एक 9 स्र्रू कार्बाइन, एक .303 राइफल, एक सिंगल शॉट राइफल, एक 12 बोर बंदूक, इनके मैगजीन और सैकड़ों कारतूस शामिल हैं। इसके अलावा रेडियो सेट, स्कैनर, मल्टीमीटर, हथगोले, सुरक्षा फ्यूज, माओवादी साहित्य, वर्दी और चिकित्सा सामग्री भी जब्त की गई है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संपादकीय

बिहार में रिकार्ड मतदान

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में मतदाताओं ने जबरदस्त जोश दिखाया। 60.13 प्रतिशत मतदान लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है। मतदान में जनता की भागीदारी अधिक होने का मतलब यह है कि लोकतंत्र जीवंत है। इसका अर्थ यह भी है कि लोग राजनीति से उदासीन नहीं हैं। डेमोक्रेसी में ऐसा ही होना भी चाहिए। पहले चरण में 121 सीटों के लिए वोटिंग हुई है। महागठबंधन के सीएम पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव, डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा, सम्राट चौधरी समेत कई बड़े नामों की किस्मत दांव पर लगी है इस चरण में। गुरुवार की वोटिंग अभिनेता से नेता बनने का सपना देख रहे खेसारी लाल यादव और मैथिली ठाकुर जैसे उम्मीदवारों की जीत-हार तय करेगी, तो यह लड़ाई अनंत सिंह जैसे बाहुबलियों की भी है। बिहार में दो दशकों से सत्तासीन नीतीश कुमार या उनकी जगह कोई और - हाल के चुनावों में यह सवाल इतनी मजबूती के साथ कभी नहीं पूछा गया था। जनता जो निर्णय लेगी, वह राज्य की सामाजिक-राजनीतिक दिशा तय करेगा। सकारात्मक बात यह है कि बिहार के लोगों ने इस बात को समझा और 2020 की तुलना में 8.3त्न ज्यादा वोटिंग की। आमतौर पर ज्यादा मतदान को बदलाव का संकेत माना जाता है। हालांकि बिहार के केस में इस आंकड़े से इतना साफ निष्कर्ष निकालना संभव नहीं। यहां कई फैक्टर हैं। हां, इतना जरूर है कि पिछला विधानसभा चुनाव कोविड की छाया के बीच हुआ था, तो वोटिंग पर उसका असर पड़ा हो सकता है। लेकिन, इस बार भी स्पेशल इंटेनशिप रिवीजन और वोट चोरी जैसे विवाद थे। विपक्ष की ओर से चुनाव आयोग पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। वोटिंग के एक दिन पहले ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नए आरोप लगाए। फिर एसआईआर का मुद्दा रहा, जिसकी फाइनल लिस्ट में इंटेंसिव रिवीजन के पहले के मुकाबले करीब 47 लाख कम वोटर हैं। इसके बावजूद जनता ने पोलिंग बूथों तक पहुंच कर संदेश दिया कि उसे चुनावी प्रक्रिया और वोट की ताकत पर पूरा भरोसा है।पिछले विवादों को देखते हुए चुनाव आयोग ने इस बार रियल टाइम डेटा उपलब्ध कराने की तैयारी की है, बाद में वोटिंग पर्सेंटेज पर अंगुली न उठे। यह पहल इस मायने में अच्छी है कि चुनावी प्रक्रिया जितनी पारदर्शी, सरल और तेज हो, उतना ही बेहतर। कुछ जगहों से विवाद की भी खबरें आईं, लेकिन उनके बीच भी लोगों का मताधिकार का इस्तेमाल करना सुखद है।

उत्तराखंड नरेंद्र मोदी के हृदय में बसता है

वर्ष 2000 में प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा गठित यह राज्य पहाड़ी महिलाओं के अभूतपूर्व आंदोलन से गुजरा था। अटल जी ने ठीक ही कहा था कि इस राज्य का जन्म मां की शक्ति से हुआ है। मातृ-शक्ति ने नया राज्य बनाया, जिसमें बड़ी आकांक्षाएं और उम्मीदें थीं। हिमालयी राज्य की महिलाओं के सपनों को साकार करना बाकी है। हिमालय में संन्यासी बनते-बनते से लेकर उत्तराखंड निर्माण की रजत जयंती समारोह के उद्घाटन तक, नरेंद्र मोदी ने अपने जीवन में एक पूरा हिमालय जी लिया है। गंगा-यमुना का प्रवाह उनकी आत्मा में है और उत्तराखंड जो आदि काल से वैदिक संस्कृति के लिए जाना जाता है, वही उनकी दृष्टि को दिशा देती है। राज्य के हर सुख-दुख में नरेंद्र मोदी इस हिमालयी राज्य के लोगों के साथ खड़े दिखे, तब भी जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे। उत्तराखंड ने जो भी आपदा झेली, नरेंद्र मोदी सबसे पहले मदद के लिए दौड़े और सभी जरूरी बचाव दल, सामग्री तथा राहत प्रदान की। वर्ष 2000 में दूरदर्शी प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा गठित यह राज्य पहाड़ी महिलाओं के अभूतपूर्व आंदोलन से गुजरा था। अटल जी ने ठीक ही कहा था कि इस राज्य का जन्म मां की शक्ति से हुआ है। मातृ-शक्ति ने नया राज्य बनाया, जिसमें बड़ी आकांक्षाएं और उम्मीदें थीं। हिमालयी राज्य की महिलाओं के सपनों को साकार करना बाकी है। उत्तराखंड प्रतिभाशाली व्यक्तियों और साहसी, निडर लोगों का खजाना रहा है। तीन हजार वर्ष पूर्व कई राजाओं ने अश्वमेध यज्ञ जैसे वैदिक अनुष्ठानों के लिए इसी स्थान को चुना था। आज भी राज्य में दो प्राचीन स्थल एएसआई द्वारा राष्ट्रीय स्मारक घोषित कर संरक्षित हैं। इनमें से एक श्येन चिति अश्वमेध स्थल (उड़ते गरुड़ के आकार में बना अश्वमेध यज्ञ) देहरादून में है और दूसरा, जो ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी का है, पूरोला में। यमुना तट पर महाभारत कालीन शिव मंदिरों के लिए प्रसिद्ध लखामंडल क्षेत्र में कर्ण को समर्पित मंदिर है, जो शायद भारत में एकमात्र है। नौवीं शताब्दी में कत्यूरी राजाओं द्वारा निर्मित कटारमल सूर्य मंदिर 44 मंदिरों का समूह है, जिसे ओडिशा के कोणार्क जितना महत्वपूर्ण माना जाता है।

अपराधियों को पकड़ने और दोषियों को सजा दिलाने में किसी भी तरह की देरी इस देश की न्यायिक साख पर सवाल उठाएगी। हमारी प्राथमिकता इस समय तीन दिशाओं में होनी चाहिए, पीड़ितों के प्रति संवेदना, जांच में निष्पक्षता और भविष्य के लिए सबक। लाल किले के पास हुआ यह धमाका चेतावनी है कि सुरक्षा एक सतत प्रक्रिया है, जिसे हर नागरिक की जागरूकता, तकनीकी सशक्तता और प्रशासनिक दृढ़ता के साथ ही साकार किया जा सकता है। यह समय दोषारोपण का नहीं बल्कि आत्ममंथन का है, यह सोचने का कि क्या हम सुरक्षा के हर स्तर पर सचमुच उतने सजग हैं, जितना एक जिम्मेदार राष्ट्र को होना चाहिए। दिल्ली की हवा में आज केवल धुआं नहीं बल्कि चिंता और सवाल तैर रहे हैं ।

लाल किला विस्फोट के बाद उठते गंभीर सवाल

(योगेश कुमार गोयल)

दिल्ली-एनसीआर और पुलवामा में लगातार छापेमारी से अलफलाह यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर आतंकी डॉ. उमर नबी दबाव में आ गया था। वह फरीदाबाद से जल्दबाजी में अधूरा तैयार आईईडी लेकर कार से निकला, जिससे धमाका हुआ। इसलिए धमाके का असर सीमित रहा और क्रेटर या छर्रे नहीं मिले। दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए भयानक धमाके ने न केवल देश की राजधानी दिल्ली बल्कि राष्ट्रीय चेतना को झकझोर दिया। शाम के करीब सात बजे जब दिल्ली अपनी सामान्य चहल-पहल में डूबी थी, अचानक लाल किला मैट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास एक तेज धमाका हुआ, जिसने पूरे इलाके को दहला दिया। कुछ ही पलों में कार जलते मलबे में बदल गई, आसपास खड़ी गाड़ियां आग की लपटों में घिर गई और घना धुआं आसमान में छा गया। यह दृश्य किसी युद्ध के बाद की तबाही जैसा था, आवाज इतनी भयावह कि चांदनी चौक से लेकर जामा मस्जिद तक सायरन और चीखों की गूंज फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, एक सफेद हुंडई आई-20 कार में अचानक जबरदस्त विस्फोट हुआ। कार के परखच्चे उड़ गए और आग ने पास खड़ी गाड़ियों, ई-रिक्शा आदि को अपनी लपटों में ले लिया। कुछ ही सैकेंडों में पूरा इलाका दहशत के घेरे में था। विस्फोट की तीव्रता ने न केवल वाहनों को चूर-चूर किया बल्कि लाल किला और आसपास की इमारतों तक को हिला दिया, आसपास की दुकानों के शीशे टूट गए और लोगों के दिलों में एक बार फिर वही पुराना भय लौट आया, वह भय जो दिल्ली ने 2001, 2005, 2008 और 2011 के धमाकों के दौरान महसूस किया था। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 12 लोगों की मौत हुई है जबकि दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हुए। आनन-फानन में जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुट गई कि वाहन में कौन सवार था और विस्फोट से पहले क्या गतिविधियां हुई। जांच एजेंसियों के हाथ कई अहम सुराग लगे हैं। दिल्ली-एनसीआर और पुलवामा में लगातार छापेमारी से अलफलाह यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर आतंकी डॉ. उमर नबी दबाव में आ गया था। वह फरीदाबाद से जल्दबाजी में अधूरा तैयार आईईडी लेकर कार से निकला, जिससे धमाका हुआ। इसलिए धमाके का असर सीमित रहा और क्रेटर या छर्रे नहीं मिले। धमाके वाले दिन, आई20 कार लाल किला पहुंचने से पहले दिल्ली के कई इलाकों से गुजरी थी। कार दोपहर ढ़ाई बजे कनॉट प्लेस पहुंची और कुछ देर बाद वहां से निकल गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, कार में विस्फोट सामाग्री वही थी, जो फरीदाबाद से जब्त की गई है। यह मॉड्यूल जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़ा है, जो जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और यूपी में सक्रिय है। इस मामले में गिरफ्तार फरीदाबाद आतंकी मॉड्यूल में शामिल डॉ. शाहीन शाहिद ने स्वीकार किया है कि वह अपने साथी आतंकी डॉक्टरों के साथ मिलकर देशभर में हमलों की साजिश रच रही थी। पूछताछ के दौरान उसने खुलासा किया कि वह पिछले दो सालों से विस्फोटक जमा कर रही थी। लाल किला केवल एक राष्ट्रीय स्मारक नहीं बल्कि भारतीय लोकतंत्र और अस्मिता का प्रतीक है। इसकी दीवारों पर हर स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री का भाषण गूंजता है। ऐसे पवित्र स्थल के समीप हुआ यह धमाका सुरक्षा व्यवस्था के सबसे गहरे स्तरों तक प्रश्न खड़े करता है। सवाल यह है कि इतनी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद राजधानी के दिल में यह घटना कैसे घट गई? दिल्ली पुलिस और खुफिया एजेंसियों की निगरानी में लाल किला सबसे उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्रों में शामिल है, जहां नियमित रूप से सीसीटीवी, ड्रोन और बीट पैट्रोलिंग की जाती है। फिर भी यदि इस स्तर का विस्फोट हो सकता है तो यह केवल तकनीकी विफलता नहीं बल्कि सुरक्षा मानसिकता की जड़ता का भी संकेत है। यह दर्शाता है कि हम अब भी उस सुरक्षित भ्रम में जी रहे हैं, जहां खतरे को हमेशा दूर मान लिया जाता है, जब तक कि वह हमारे दरवाजे पर दस्तक नहीं देता। इस धमाके की भयावहता का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि इसकी गूंज बहुत दूर तक सुनाई दी और आसपास के वाहनों में आग फैल गई, फायर ब्रिगेड ने बड़ी मुश्किल से आग पर काबू पाया। दिल्ली में ऐसा धमाका करीब 13 वर्षों बाद हुआ है। फरवरी 2012 में इजराइली राजनयिकों को निशाना बनाकर हुए बम धमाके के बाद से राजधानी अपेक्षाकृत शांत रही थी। उससे पहले 7 सितंबर 2011 को दिल्ली हाईकोर्ट गेट नंबर-5 के पास हुए धमाके में 15 लोग मारे गए थे। 2008 के सिलसिलेवार धमाकों में तो दिल्ली का दिल ही दहल गया था, जब करोल बाग, कनॉट प्लेस और ग्रेटर कैलाश जैसे इलाकों में मौत और तबाही की कहानियां लिखी गई थी। उससे पहले 29 अक्तूबर 2005 को दीवाली से दो दिन पहले लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने पहाड़गंज, गोविंदपुरी और सरोजिनी नगर में एक साथ तीन धमाके किए थे, जिनमें 60 से अधिक निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। यह लंबा इतिहास बताता है कि दिल्ली हमेशा से आतंकवादियों के निशाने पर रही है क्योंकि यह न केवल सत्ता का केंद्र है बल्कि देश की आत्मा है। लाल किले के पास हुआ यह विस्फोट उस समय हुआ, जब फरीदाबाद में करीब तीन हजार किलो संदिग्ध विस्फोटक बरामद हुआ था। एक कश्मीरी डॉक्टर के किराए के मकान से 360 किलो विस्फोटक, हथियार और टाइमिंग डिवाइस बरामद किए गए थे। इस मामले में कई लोगों की गिरफ्तारी हुई, जिनमें मेडिकल प्रोफैशनल्स और मौलवी भी शामिल बताए गए। इन दोनों घटनाओं के बीच कड़ियां जुडने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि कोई गहरी साजिश पनप रही थी, जिसे शायद पूरी तरह रोका नहीं जा सका। इस हादसे ने एक बार फिर सवाल उठाया है कि क्या हमारी खुफिया प्रणाली में समय रहते चेतावनी देने की क्षमता घट रही है? क्या सूचनाओं का साझा तंत्र अब भी कागजी प्रक्रियाओं में उलझा हुआ है? सुरक्षा केवल हथियारों, बुलेटप्रूफ जैकेटों या बड़ी टीमों से नहीं आती, यह निरंतर सतर्कता, सामुदायिक सहयोग और त्वरित इंटेलिजेंस साझा करने से बनती है। यदि फरीदाबाद जैसी घटनाओं के बाद तत्काल सतर्कता बढ़ाई जाती और वाहन जांच प्रणाली में रैंडम सर्च बढ़ाई जाती तो शायद यह विस्फोट टल सकता था। बहरहाल, पीड़ितों के परिवारों के लिए यह दर्द केवल आंकड़ों का मामला नहीं बल्कि उनके लिए यह जीवन के उजाले का बुझ जाना है। अस्पतालों में घायल तड़प रहे हैं, कुछ ने अपने प्रियजनों को हमेशा के लिए खो दिया। प्रशासन के लिए यह करुणा और जिम्मेदारी की सबसे कठिन परीक्षा है।

पीएम मोदी की भूटान यात्रा ने लिख दिया हिमालयी मित्रता का नया अध्याय

(नीरज कुमार दुबे)

देखा जाये तो भारत और भूटान का संबंध केवल सीमा-रेखाओं तक सीमित नहीं, बल्कि यह संस्कृतियों, धर्मों और भावनाओं का सेतु है। गुरु पद्मसंभव की परंपरा से लेकर आधुनिक लोकतांत्रिक मूल्यों तक, दोनों देशों की जीवन-दृष्टि में शांति और मानव कल्याण की समान धारा बहती है। थिम्फू की शांत वादियों में आज जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भूटान के राजा जिग्मे सिंग्ये वांगचुक के 70वें जन्मदिवस पर भारतीय जनता की ओर से शुभकामनाएँ दीं, तो यह केवल एक राजनयिक औपचारिकता नहीं थी– यह हिमालयी सभ्यता की आत्मीयता, साझा मूल्यों और सामरिक साझेदारी की नई अभिव्यक्ति थी। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर जहाँ 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के शाश्वत भारतीय आदर्श की पुनः स्मृति कराई, वहीं उन्होंने भूटान के वैश्विक योगदान यानि 'सकल राष्ट्रीय प्रसन्नता' की संकल्पना को मानव विकास के नए प्रतिमान के रूप में रेखांकित किया। परंतु यह भाषण केवल आध्यात्मिक या सांस्कृतिक विमर्श तक सीमित नहीं था। इसके भीतर भारत की सुरक्षा नीति, पर्यावरणीय साझेदारी, और पड़ोसी-प्रथम नीति की गहरी रणनीतिक परतें भी स्पष्ट झलकती हैं। देखा जाये तो भारत और भूटान का संबंध केवल सीमा-रेखाओं तक सीमित नहीं, बल्कि यह संस्कृतियों, धर्मों और भावनाओं का सेतु है। गुरु पद्मसंभव की परंपरा से लेकर आधुनिक लोकतांत्रिक मूल्यों तक, दोनों देशों की जीवन-दृष्टि में शांति और मानव कल्याण की समान धारा बहती है। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं उल्लेख किया कि गुजरात के वडनगर से लेकर वाराणसी तक भारत की बौद्ध परंपरा और भूटानी आध्यात्मिकता में समानता है। आज जब विश्व वैचारिक विभाजन, जलवायु संकट और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से जूझ रहा है, भारत-भूटान का यह शांतिपूर्ण विकास मॉडल एशिया के लिए प्रेरक उदाहरण बन रहा है। हम आपको बता दें कि भारत-भूटान साझेदारी की रीढ़ 'जलविद्युत' है। चौथे राजा के दूरदर्शी नेतृत्व में शुरू हुई यह साझेदारी आज एक निर्णायक मोड़ पर है। प्रधानमंत्री मोदी की घोषणा के अनुसार, नया 1000 मेगावाट का पनबिजली प्रकल्प भूटान की क्षमता में 40 प्रतिशत वृद्धि करेगा, यह न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक कदम है, बल्कि भारत की 'ग्रीन एनर्जी ग्रिड' रणनीति का भी सशक्त आधार बनेगा। भूटान का 'कार्बन-नेगेटिव' दर्जा–विश्व में अद्वितीय–भारत-भूटान पर्यावरणीय साझेदारी की नैतिक ऊँचाई को दर्शाता है। यह सहयोग चीन की तीव्र औद्योगिक विस्तार नीति के बरक्स एक वैकल्पिक सतत विकास मॉडल प्रस्तुत करता है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी के शब्द -केन्द्रीय एशिया से लेकर उत्तर-पूर्व भारत तक भारत की सामरिक सोच का मूल सूत्र बन चुके हैं। गेलफू और सामत्से को भारत की रेल-परिवहन प्रणाली से जोड़ने की पहल, न केवल व्यापारिक लाभ बल्कि सामरिक पहुँच के लिहाज से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। चीन जिस प्रकार भूटान की उत्तरी सीमाओं पर दबाव बना रहा है, उस संदर्भ में भारत-भूटान के बीच सड़क, रेल और डिजिटल संपर्क को मजबूत करना रक्षा-नीति की दृष्टि से अनिवार्य कदम है। साथ ही प्रधानमंत्री ने जिस प्रकार भारत और भूटान के युवाओं द्वारा संयुक्त रूप से उपग्रह निर्माण की बात कही, वह हिमालयी साझेदारी को अंतरिक्ष तक ले जाने की प्रतीकात्मक पराकाष्ठा है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5913

	3	6	9					
2				8				5
			1		6	8		
	2	7	4		1		9	
	1						4	
	4		2		8	7	3	
		2	8		5			
1				3				6
					9	2	8	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5912

7	6	2	3	1	9	4	8	5
9	4	3	5	8	6	7	1	2
5	8	1	7	2	4	6	9	3
6	3	4	9	7	5	1	2	8
1	9	7	8	3	2	5	6	4
2	5	8	4	6	1	3	7	9
3	2	5	1	9	7	8	4	6
8	1	9	6	4	3	2	5	7
4	7	6	2	5	8	9	3	1

आज का राशिफल

मेष
आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। घर के किसी सदस्य या फिर संतान का व्यवहार आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है। इसको लेकर आप नाखुश रहेंगे। आज के दिन कानूनी विवाद में सफलता मिलेगी। स्थान परिवर्तन की योजना सफल हो सकती है। आज के दिन न चाहते हुए भी आपको कुछ ऐसा काम करना पड़ सकता है।

वृष
आज का दिन शुभ संकेत लेकर आया है। आज का दिन परिवार के लोगों के साथ बीतेगा। आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और दोपहर तक कोई शुभ समाचार आपको प्राप्त हो सकता है। हालांकि, इस दौरान आपको अपने स्वास्थ्य पर थोड़ा ध्यान देने की आवश्यकता है। शाम के समय किसी अतिथि के घर आने से आपको खुशी होगी।

कर्क
आज का दिन कुछ अच्छा गुजरता नहीं दिख रहा है। सुबह से ही आपको कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में आज के दिन आपको अपने स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देना होगा। हो सके तो दिन के पहले हिस्से में ही डॉक्टर को दिखा लें। इससे परेशानी बढ़ेगी नहीं और आपके अपने रोजमर्रा के कामकाज में परेशानी भी नहीं आएगी।

सिंह
आज का दिन आर्थिक स्थिति के लिहाज से काफी अच्छा रहने वाला है। कामकाज में आज सुधार होता दिख रहा है। कार्यक्षेत्र में किसी बड़े अधिकारी का आशीर्वाद प्राप्त होगा। इससे आपकी नौकरी की स्थिति मजबूत है। वहीं, विरोधियों और आलोचना करने वाले आपकी सफलता पसंद नहीं आएगी।

मिथुन
आज का दिन आपके लिए अच्छा व्यतीत होगा। हालांकि, कार्यक्षेत्र में कुछ बाधाएं आपकी परेशानी को बढ़ा सकती हैं। दोपहर तक आर्थिक संकोच खत्म हो जाएगा। इस दौरान कार्यक्षेत्र की धीमी गति से मानसिक तनाव पैदा हो सकता है।

कन्या
आज का दिन सकारात्मक रहने वाला है। इंटरव्यू की तैयारी कर रहे लोगों को आज अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे। इस दौरान कारोबार से जुड़ा कोई समझौता आपके लिए सफलता लेकर आएगा। दोपहर तक ग्रहों की स्थिति आपके पक्ष में रहेगी।

तुला
आज चापलूसों से दूरी बनाकर रखनी होगी। दूसरों की मदद करने की प्रवृत्ति आपको परेशानी में डाल सकती है। आपके इस व्यवहार का फायदा उठाकर कुछ लोग आगे निकल सकते हैं। आज के दिन ऐसी ही लोगों से आपका सामना हो सकता है। ऐसे लोगों की पहचान करें और उन लोगों की मदद करें जिनको जरूरत है।

वृश्चिक
आज का दिन धैर्य की परीक्षा ले सकता है। जिन लोगों पर आप भरोसा करते थे उनसे आपको निराश मिलेगी। आज के दिन कुछ कार्यों में सफलता मिलने से मन को राहत मिलेगी। कोई शुभ समाचार मिलने से आपकी चिंताएं कम होंगी और आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज के दिन किसी पर आंख बंद करके भरोसा न करें। जो दूसरों के लिए असुविधाजनक हो।

मकर
आज का दिन प्रेरणादायक रहने वाला है। आपकी बौद्धिक क्षमता में वृद्धि होगी। प्रभावशाली व्यक्तियों से मुलाकात आपके लिए लाभदायक साबित हो सकती है। इस दौरान कार्यक्षेत्र में तरक्की के आपको नए अवसर मिलेंगे। परिवार से भी कोई सुखद समाचार मिल सकता है। वहीं, रात के समय में किसी मांगलिक कार्य में शामिल होने से आपका सम्मान बढ़ेगा।

कुंभ
आज का दिन कार्यक्षेत्र में व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आपके लिए दिन भागदौड़ भरा रहने वाला है। कुछ नजदीकी लोगों की वजह से आपको परेशान होना पड़ सकता है। ऐसे में खुद को शांत रखने की कोशिश करें। आज के दिन अपने प्रेम संबंधों को लेकर सोच-समझकर निर्णय लें। महत्वपूर्ण कार्यों को निपटाना आपके लिए लाभदायक होगा। प्रभावशाली व्यक्तियों से मुलाकात आपके लिए लाभदायक साबित हो सकती है।

धनु
आज के दिन पूरे हो सकते हैं। आज के दिन लंबे समय से चली आ रही परेशानियों में राहत मिलेगी। हालांकि किसी अनजाने डर से आप थोड़ा परेशान हो सकते हैं। दोपहर के बाद आपको कुछ भागदौड़ करनी पड़ सकती है। दिन के अंत तक परिस्थितियां धीरे-धीरे आपके पक्ष में आने लगेंगी।

मीन
आज सुबह का समय थोड़ा तनाव पूर्ण रह सकता है। कई काम एक साथ सामने आने से आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है। ऐसे में अपने सभी जरूरी कामों को पहले ही पूरा करने की कोशिश करें। हालांकि, दोपहर के बाद भाग्य का साथ मिलेगा और हालात थोड़ा सुधरेंगे। शाम तक मित्रों का सहयोग मिलने से आपका मनोबल बढ़ेगा।

वर्ग पहेली 5913

1	2	3			4	5	
6			7	8			
		9				10	
11	12			13			
	14		15				
	16			17	18		19
20			21			22	
		23				24	

संकेत: बाएं से दाएं
1. यह उत्तरप्रदेश का तीसरा सबसे बड़ा शहर है जो यमुना नदी के किनारे बसा है (3)
4. संसार में सबसे अधिक सड़के इस देश में है (3)
6. संकट या विपत्ति में फंसा हुआ, विपदाग्रस्त, आभागा (5)
9. उबालकर गाढ़ा करना (3)
10. हमला करने की क्रिया, प्रहार (2)
11. प्रभाव, तासीर (3)
13. एक प्रकार का रासायनिक द्रव्य पदार्थ (3)
14. उपासना स्थल, इबादतगाह (3)
16. दन-दन शब्द करना (5)
19. शास्त्रीय संगीत की सरगम में पांचवा स्वर (1)
20. किनारा, अंतिम सिरा, सीमा (2)
21. पोशाक, विशेष प्रकार का वेश, पहनने का विशेष वस्त्र (4)
23. सर्दी में पहनने का ऊनी वस्त्र (3)
24. संबंध, नाता (2)

ऊपर से नीचे
1. उम्मीद, वस्तु प्राप्ति का विश्वास, भरोसा (2)
2. गहरा दुख, शोक (2)
3. नरगिस, फिरोजखान, प्रदीप कुमार अभिनीत 1967 की एक फिल्म (6)
5. सप्ताह का एक दिन (4)
7. गुथे या लिपटे हुए बालों की लट, उलझे हुए रेशे (2)
8. अक्लमंदी, बुद्धिमत्ता (3)
12. समुद्र का अपभ्रंश (4)
15. अधर, ओंठ, ओष्ठ (4)
17. सिंह, शेर, बाघ वीर एवं साहसी पुरूष (3)
18. विविध, एक रिश्ता, मातामह (2)
20. उम्र, अवस्था आदि की तुलना में कम, मान, विस्तार आदि में कम (2)
22. जल, आब, पंच तत्वों में से एक, पानी (3)

वर्ग पहेली 5912 का हल

अ	शो	क	च	क्र		म	
ना	र	द		मा	न	हा	नि
था			अ	नु	ज		जी
ल	घु		ज	ग	रा	ता	
य	म	ज		त	ना	व	
	र	ह	ना				सा
मी	ना	र			बै	रा	ग
ना			ना	दि	रा		र

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/03009**

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

कुलदीप यादव ने शादी के लिए बीसीसीआई से मांगी छुट्टी, साउथ अफ्रीका के खिलाफ नहीं खेलेंगे दूसरा टेस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव ने अपनी शादी के कारण भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से महीने के अंत में यानी नवंबर के आखिर में छुट्टी मांगी है। कुलदीप यादव फिलहाल साउथ अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में खेल रहे हैं। खबरों के मुताबिक कुलदीप यादव की शादी साल 2025 की शुरुआत में होनी थी, लेकिन आईपीएल के समाप्त होने में देरी की वजह से इसे टाल दिया गया था। टीओआई के मुताबिक कुलदीप अपनी शादी की छुट्टी के लिए बीसीसीआई से मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। बोर्ड के सूत्रों ने बताया कि इस स्पिनर ने नवंबर के आखिरी हफ्ते के लिए बोर्ड से छुट्टी मांगी है। कुलदीप को अगर छुट्टी मिल जाती है तो इस बात की संभावना है कि वो साउथ अफ्रीका के खिलाफ शायद ही दूसरा टेस्ट मैच खेल पाएंगे।

बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया कि कुलदीप यादव की शादी नवंबर के आखिरी हफ्ते में होनी है और टीम प्रबंधन उनकी छुट्टीयों की सही संख्या तय करने से पहले ये आकलन करेगा कि उन्हें कब कुलदीप की सेवाओं की जरूरत है। आपको बता दें कि कुलदीप यादव की सगाई उनकी बचपन की दोस्त वंशिका के साथ 4 जून, 2025 को लखनऊ में हुई थी। इसमें परिवार के करीबी सदस्य और दोस्त जैसे क्रिकेटर रिंकू सिंह शामिल हुए थे। वंशिका लखनऊ की रहने वाली हैं और एलआईसी में काम करती हैं।

फैंस को बड़ा झटका!

इस जाने माने रेसलर ने डब्ल्यूडब्ल्यूई से निकाले जाने के बाद अचानक लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रोफेशनल रेसलिंग की दुनिया से एक बड़ी और हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। पूर्व डब्ल्यूडब्ल्यूई सुपरस्टार और एनएक्सटी टैग टीम चैंपियन फैंडेंगो ने अचानक इन-रिंग एक्शन से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। 42 वर्षीय फैंडेंगो का यह फैसला उनके फैंस के लिए एक झटका है।

फैंडेंगो जिनका असली नाम जेडीसी है इस समय टीएनए में काम कर रहे हैं और सिस्टम स्टेबल ग्रुप का हिस्सा हैं। उन्होंने टीएनए इम्पैक्ट के हालिया शो में अपने रिटायरमेंट की घोषणा की। फैंडेंगो ने ऐलान किया कि वह जनवरी 2026 में डैलस में होने वाले टीएनए के (पे-पर-व्यू) इवेंट के बाद इन-रिंग एक्शन से संन्यास ले लेंगे। उन्होंने यह घोषणा फुल सेल यूनिवर्सिटी में की जो कई सालों तक डब्ल्यूडब्ल्यूई एनएक्सटी का घरेलू मैदान रहा था जिससे यह पल और भी भावनात्मक हो गया। फैंडेंगो को 2021 में डब्ल्यूडब्ल्यूई से रिलीज़ कर दिया गया था। उन्होंने टायलर ब्रीज के साथ मिलकर एनएक्सटी टैग टीम चैंपियनशिप भी जीती थी।

आयरलैंड के खिलाफ रोनाल्डो को रेड कार्ड, बैन का खतरा; फ्रांस ने फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई किया

डबलिन, एजेंसी। रोनाल्डो का लाल कार्ड पुर्तगाल के लिए बड़ा झटका है। अब उनका वर्ल्ड कप 2026 के शुरुआती मैच में खेल पाना अनिश्चित है। फ्रांस ने अपनी ताकत साबित की, इंग्लैंड अपनी लय में है, जबकि पुर्तगाल और नॉर्वे के लिए अगला मैच सब कुछ तय करेगा। क्रिस्टियानो रोनाल्डो का वर्ल्ड कप 2026 खेलना संकट में पड़ गया है। आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले में उन्हें हिंसक व्यवहार के चलते लाल कार्ड मिला, जिसके बाद वे कम से कम एक मैच के लिए तो निलंबित होंगे ही, लेकिन फीफा नियमों के अनुसार उन पर लंबा बैन भी लग सकता है।

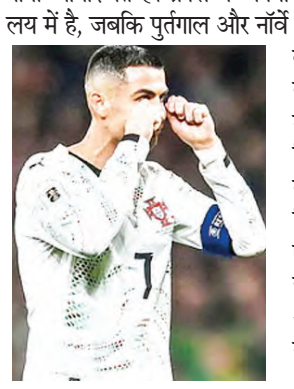

पुर्तगाल इस हार की वजह से क्वालिफिकेशन सुनिश्चित नहीं कर सका, जबकि फ्रांस ने दमदार जीत के साथ वर्ल्ड कप का टिकट काट लिया। डबलिन में खेले गए मुकाबले में आयरलैंड ने पुर्तगाल को 2-0 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। मैच के दौरान लगभग एक घंटे के समय पर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने डिफेंडर डारा ओ'शे की पीठ पर कुहनी मारी।

भारत-दक्षिण अफ्रीका:

पहला टेस्ट : जसप्रीत बुमराह ने खोला 'पंजा'

● साउथ अफ्रीका पहली पारी में सिर्फ 159 रन पर ऑलआउट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के सामने साउथ अफ्रीकी बल्लेबाजों ने घुटने टेक दिए हैं। मेहमान टीम पहली पारी में सिर्फ 159 रन पर ऑलआउट हो गई। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी साउथ अफ्रीकी टीम को सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। एडेन मार्करम और रयान रिकेल्टन के बीच 10.3 ओवरों में 57 रन की साझेदारी हुई। रिकेल्टन 22 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद टीम लड़खड़ा गई। साउथ अफ्रीकी टीम ने 71 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे। यहां से टोनी डी जोरजी ने वियान मुल्डर के साथ चौथे विकेट के लिए 83 गेंदों में 43 रन की साझेदारी की। ये दोनों ही खिलाड़ी 24-24 रन का योगदान देकर आउट हुए।

इनके अलावा, काइल वेरेन्ने ने 16 रन टीम के खाते में जोड़े, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स 15 रन बनाकर नाबाद रहे। साउथ अफ्रीका के 5 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने 14 ओवरों में महज 27 रन देकर 5 विकेट हासिल किए। यह साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में उनका दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। साल 2024 में बुमराह ने केपटाउन में खेले गए टेस्ट में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 61 देकर 6 विकेट हासिल किए थे। बुमराह के अलावा, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव ने 2-2 सफलताएं हासिल कीं, जबकि शेष एक विकेट अक्षर पटेल के नाम रहा।

भारतीय टीम ने अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टेस्ट मैच में 2-0 से क्लीन स्वीप किया था। इसके बाद टीम इंडिया अपनी सरजमीं पर साउथ अफ्रीका के विरुद्ध टेस्ट सीरीज में उतरी है। भारतीय फैंस को उम्मीद है कि मेजबान टीम इस सीरीज में भी 2-0 से क्लीन स्वीप करेगी। भारतीय टीम में ऋषभ पंत की वापसी हुई है, जिन्हें इंग्लैंड दौरे पर चोटिल होने के बाद सीरीज बीच में ही छोड़नी पड़ी थी। भारत ने पहले दिन का खेल खत्म होने तक 1 विकेट पर 37 बनाए।

3 खिलाड़ी जो साउथ अफ्रीका वनडे सीरीज में ले सकते श्रेयस अय्यर की जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका की टीम का भारतीय दौरा दो मैचों की टेस्ट सीरीज से शुरू हो गया है। टेस्ट सीरीज के बाद तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। इसके बाद पांच टी20 मैचों की सीरीज भी खेली जाएगी। फिलहाल वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया के स्क्वाड को लेकर लगातार चर्चा जारी है। क्योंकि वनडे टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर चोटिल हैं। ऐसे में उनकी जगह कौन ले सकता है इस पर अटकलें लगने लगी हैं। फिलहाल तीन ऐसे खिलाड़ियों का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में है जो चोटिल श्रेयस अय्यर की जगह साउथ अफ्रीका सीरीज में उनकी जगह ले सकते हैं। इसमें तीनों खिलाड़ी ऐसे हैं जो भारत के लिए वनडे डेब्यू कर चुके हैं। इसमें से एक ऐसा खिलाड़ी भी है जिसके नाम पूरे करियर में हर फॉर्मेट में मिलाकर 32 शतक भी दर्ज हैं। आइए जानते हैं तीनों खिलाड़ियों के नामः-

1- ऋषभ पंत

ऋषभ पंत पिछले कुछ समय से वनडे टीम से बाहर हैं। उनकी जगह भी इस टीम में नहीं बन पा रही है। वनडे विश्व कप 2023 के पहले से ही केएल राहुल टीम के लिए बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज खेलते हैं। ऐसे में उनकी जगह नहीं बन पा रही थी। अब अय्यर चोटिल हैं और अगर वह बाहर होते हैं तो पंत को वापस से टीम इंडिया में जगह मिल सकती है और वह नंबर 4 पर अय्यर की जगह खेलते भी नजर आ सकते हैं।

पंत टेस्ट में भी कप्तान शुभमन गिल के साथ उपकप्तान हैं। ऐसे में अब वनडे में भी उपकप्तान अय्यर की गैरमौजूदगी में यह नजारा दिख सकता है। ऋषभ पंत के करियर की बात करें तो उनके नाम 31 वनडे इंटरनेशनल की 27 पारियों में 871 रन दर्ज हैं। उनके नाम वनडे इंटरनेशनल में एक शतक और 5 अर्धशतक दर्ज हैं। लिस्ट ए में भी पंत ने 61 पारियों में 1789 रन बनाए हैं जिसमें 2 शतक और 11 अर्धशतक दर्ज हैं।

2- तिलक वर्मा

इंडिया ए टीम की साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ वनडे सीरीज में कप्तानी कर रहे तिलक वर्मा भी श्रेयस अय्यर की गैरमौजूदगी में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने 2023 में भारत के लिए वनडे डेब्यू किया था लेकिन करीब दो साल से वह वनडे टीम में वापस नहीं आए हैं। उन्होंने भारत के लिए 4 वनडे मैचों में एक अर्धशतक समेत 68 रन बनाए। यह आंकड़े उनके टैलेंट के साथ न्याय नहीं कर पा रहे हैं।

वह भारत के अलावा लिस्ट ए में 41 पारियों में 1684 रन बना चुके हैं जिसमें 5 शतक और 10 अर्धशतक उनके नाम दर्ज हैं। वहीं टी20 इंटरनेशनल में वह भारत के लिए 33 पारियों में 996 रन बना चुके हैं जिसमें 2 शतक और 4 अर्धशतक भी शामिल हैं। उनका टी20 में औसत 47से अधिक का है। वहीं फर्स्ट क्लास क्रिकेट में तिलक ने 35 पारियों में 1562 रन बनाए हैं और 7 शतक व 5 अर्धशतक उनके नाम दर्ज हैं।

3- ऋतुराज गायकवाड़

इस लिस्ट में तीसरा और सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाला नाम है ऋतुराज गायकवाड़ का। साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ वनडे सीरीज में ऋतुराज इंडिया ए के उपकप्तान हैं और पहले वनडे में उन्होंने 117 रनों की बेहतरीन शतकीय पारी भी खेली है। इसके बाद उन्होंने वनडे टीम के लिए अपनी दावेदारी भी पेश कर दी है। ऋतुराज का लिस्ट ए करियर रिकॉर्ड भी इन तीनों बल्लेबाजों में सबसे अच्छा है।

ऋतुराज गायकवाड़ भारत के लिए भी 6 वनडे मैच खेल चुके हैं और 115 रन उन्होंने बनाए हैं। 71 उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा है। ऋतुराज की बात करें तो उन्होंने टी20 इंटरनेशनल में भारत के लिए एक शतक भी लगाया है। 20 पारियों में उनके नाम टी20 इंटरनेशनल में 633 रन दर्ज हैं।

हरमनप्रीत कौर का खुलासा

विराट नहीं, ये दिग्गज कप्तान है उनकी पहली पसंद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर इन दिनों अपनी ऐतिहासिक उपलब्धि को लेकर चर्चा में हैं. उनकी कप्तानी में टीम इंडिया ने पहली बार आईसीसी महिला विश्व कप जीतकर देश का सीना चौड़ा कर दिया. विश्व विजेता बनने के बाद हरमन जहां-जहां जा रही हैं, वहां लोगों का प्यार और सम्मान उन्हें मिल रहा है. इसी बीच चेन्नई में एक स्कूल इवेंट के दौरान हरमनप्रीत कौर ने एक दिलचस्प खुलासा किया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

हरमन ने चुना अपना फेवरेट कप्तान: चेन्नई के वेलाम्मल नेक्सस स्कूल में हुए कार्यक्रम में छात्राओं को हरमनप्रीत कौर से सवाल पूछने का मौका मिला. बच्चों ने उनसे पूछा, 'आपको विराट कोहली ज्यादा पसंद हैं या महेंद्र सिंह धोनी?' हरमन ने बिना झिझक एमएस धोनी का नाम लिया. उनका यह जवाब सुनकर सभी हैरान रह गए. इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और फैन्स हरमन के इस जवाब को खूब पसंद कर रहे हैं.

विश्व कप जीतकर बनीं इतिहास का हिस्सा: 2 नवंबर को हरमनप्रीत कौर

की कप्तानी में भारतीय महिला टीम ने साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराकर विश्व कप ट्रॉफी जीती. यह जीत सिर्फ एक खिताब नहीं थी बल्कि भारतीय महिला क्रिकेट के लिए एक सुनहरा पल साबित हुई. इस जीत के साथ ही हरमनप्रीत कौर का नाम कपिल देव, एमएस धोनी और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज कप्तानों के साथ दर्ज हो गया, जिन्होंने भारत को विश्व कप जीताया है.

किस खिलाड़ी से प्रेरणा लेती हैं हरमन: कार्यक्रम के दौरान एक और सवाल किया गया कि वह किस खिलाड़ी से सबसे ज्यादा प्रेरणा लेती हैं. हरमन ने बिना किसी हिचकिचाहट के वीरेंद्र सहवाग का नाम लिया. उन्होंने बताया कि सहवाग की बेखौफ और आक्रमक बल्लेबाजी हमेशा उन्हें प्रोत्साहित करती है.

युवा लड़कियों को दिया प्रेरक संदेश: हरमनप्रीत कौर ने युवा छात्राओं को सलाह देते हुए कहा कि यदि वे किसी लक्ष्य को पाना चाहती हैं, तो कड़ी मेहनत और निरंतर अभ्यास ही सफलता का रास्ता है. उन्होंने कहा कि यह विश्व कप सिर्फ उनका नहीं, बल्कि हर उस लड़की का है जो बड़े सपने देखती है और उन्हें पूरा करने का साहस रखती है. हरमन का यह इवेंट वाला वीडियो अब सोशल मीडिया पर खूब छाया हुआ है.

फिट इंडिया कोलकाता साइक्लोथॉन में 4000 से ज्यादा प्रतिभागी हुए शामिल

● पेस-उषा उथुप रहे मुख्य अतिथि

कोलकाता, एजेंसी। राइड फॉर चेंज, राइड फॉर कोलकाता थीम पर आधारित इस आयोजन में 70 किमी प्रो राइड, 50 किमी एंड्यूरेंस राइड, 25 किमी एमेच्योर राइड, 10 किमी फन राइड और 5 किमी फन रन की श्रेणियां रखी गईं।

फिटनेस और हरित जीवनशैली के संदेश के साथ कोलकाता ने इतिहास रच दिया। कोल इंडिया लिमिटेड के सहयोग से लोहा फाउंडेशन और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) द्वारा आयोजित फिट इंडिया कोलकाता साइक्लोथॉन 2025 में चार हजार से अधिक साइक्लिस्टों ने भाग लिया। इस तरह यह पूर्वी भारत का अब तक का सबसे बड़ा साइक्लिंग आयोजन बन गया।

गायक शादाब ने बढ़ाया उत्साह

इस अवसर पर पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस और गायिका उषा उथुप ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। बॉलीवुड गायक शादाब फरीदी ने अपने गीतों से प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। राइड फॉर चेंज, राइड फॉर कोलकाता थीम पर आधारित इस आयोजन

में 70 किमी प्रो राइड, 50 किमी एंड्यूरेंस राइड, 25 किमी एमेच्योर राइड, 10 किमी फन राइड और 5 किमी फन रन की श्रेणियां रखी गई। सुबह चार बजकर 20 मिनट पर साई मुख्य द्वार से इसकी शुरुआत हुई और शहर की प्रमुख सड़कों पर साइकिल चालकों की लंबी कतारें देखने लायक थीं।

कार्यक्रम में साई की कार्यकारी निदेशक अमर ज्योति, आईपीएस कृष्ण प्रकाश (रेस डायरेक्टर), बिधाननगर पुलिस आयुक्त मुकेश कुमार, कोल इंडिया के अध्यक्ष सनोज कुमार झा, पूर्व अध्यक्ष पीएम प्रसाद और कोलकाता के पोस्टमास्टर जनरल अशोक कुमार सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

अंकिता ने लगाया सोने पर निशाना, ओलंपिक रजत पदक विजेता सुहयोन को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। अंकिता भकत ने शुक्रवार को एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप में पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता दक्षिण कोरिया की नाम सुहयोन को फाइनल में 7-3 से हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज करते हुए महिला रिकर्व स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता।

भारतीय तीरंदाज अंकिता भकत ने शुक्रवार को एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप में पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता दक्षिण कोरिया की नाम सुहयोन को पांच सेट के चुनौतीपूर्ण फाइनल में 7-3 से हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज करते हुए महिला रिकर्व स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता। भारत ने संगीता की बदौलत महिला रिकर्व का कांस्य पदक भी हासिल किया जिसमें इस तीरंदाज ने हमवतन और अनुभवी पांच बार की ओलंपियन दीपिका कुमारी को शूट-ऑफ में 6-5 से शिकस्त दी। अंकिता ने इससे पहले सेमीफाइनल में सीनियर साथी और दुनिया की पूर्व नंबर एक तीरंदाज दीपिका कुमारी को हराया था।

ट्राइडेंट ओपन में मनोज ने हासिल की लीड, 67 का कार्ड खेलकर शीर्ष पर पहुंचे

चंडीगढ़, एजेंसी। बेंगलुरु के 17 वर्षीय उभरते गोल्फर मनोज एस ने ट्राइडेंट ओपन 2025 के तीसरे राउंड में बेहतरीन 5-अंडर 67 का कार्ड खेलते हुए लीड अपने नाम कर ली। 1 करोड़ रुपए की प्राइज मनी वाले ट्राइडेंट ओपन के पहले संस्करण का आयोजन चंडीगढ़ गोल्फ क्लब में हो रहा है।

मनोज (69-71-67) तीन राउंड के बाद 9-अंडर 207 के कुल स्कोर के साथ एक शॉट की बढ़त पर पहुंच गए। 17 साल, 7 महीने और 26 दिन की उम्र में

मनोज अब पीजीटीआई पर प्रोफेशनल के रूप में जीत दर्ज करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनने की दहलीज पर हैं। वर्तमान रिकॉर्ड शुभंकर शर्मा के नाम है, जिन्होंने 2014 में 17 साल, 8 महीने और 22 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। करनदीप कोचर अब भी सबसे युवा विजेता हैं, जिन्होंने 17 साल 5 महीने की उम्र में (अमेच्योर रहते) 2016 में जीत हासिल की थी।

पूर्व पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट चैंपियन मनु गनदास (66-73-69) ने 69 का कार्ड खेलकर कुल 8-अंडर 208 के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए दिन समाप्त किया।टॉप-2 खिलाड़ियों और बाकी फील्ड के बीच अच्छी खासी दूरी रही।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम को आईसीसी ने सुनाई सजा

● कप्तान बनते ही शाहीन अफरीदी को झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का 11 नवंबर 2025 से आगाज हुआ था। पहला मैच पाकिस्तान ने 6 रन से जीता था और सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली थी। लेकिन उसके बाद इस्लामाबाद में हुए ब्लास्ट से इस सीरीज पर रद्द होने का खतरा मंडराया लेकिन अंत में इसका शेड्यूल बदलते हुए बात बनी। मगर अब पाकिस्तान क्रिकेट टीम को एक और बड़ा झटका लगा

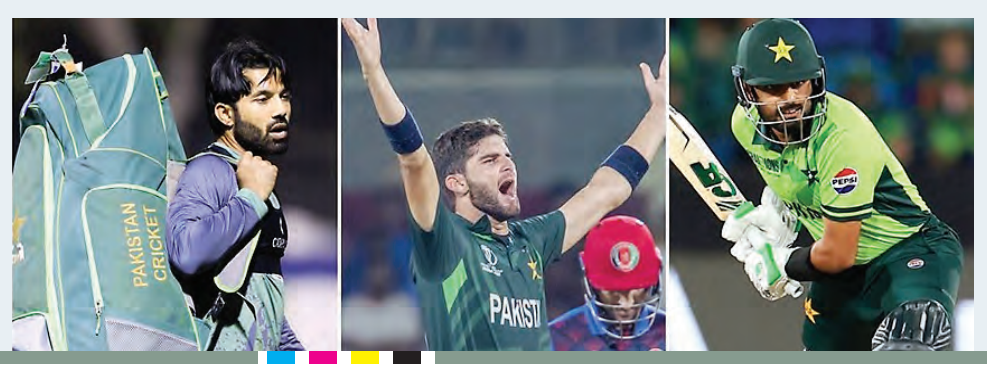

है, 14 नवंबर शुक्रवार को दूसरे वनडे से पहले टीम को आईसीसी ने सजा सुना दी है।

आपको बता दें कि रावलपिंडी में मंगलवार को खेले गए पहले वनडे मैच में शाहीन अफरीदी की कप्तानी वाली पाकिस्तान की टीम को स्लो ओवर रेट का दोषी पाया गया है। इस आरोप के सिद्ध होने के बाद आईसीसी ने सजा सुनाई और पूरी टीम के ऊपर 20 प्रतिशत मैच फीस कटने का जुर्माना लगाया। आईसीसी पैनल के मैच रेफरी अली नकवी ने इस आरोप को लगाया और शाहीन अफरीदी की कप्तानी वाली टीम को तय समय से चार ओवर पीछे पाया था। आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत पाकिस्तान की टीम को इस आरोप में दोषी पाया गया।

इसके तहत पूरी टीम को मैच फीस के पांच प्रतिशत प्रति ओवर कटने की सजा सुनाई गई। यानी कुल 4 ओवर पीछे होने पर 20 प्रतिशत मैच फीस कटेगी। इस आरोप को लेकर फील्ड अंपायर एलेक्स व्हार्फ और आसिफ याकूब व थर्ड अंपायर शर्फुद्दौला इबने शाहिद और फोर्थ अंपायर राशिद रियाज ने मैच रेफरी से शिकायत की।

न्यूज बाइट्स

जुआ खेलने से मना करने पर तीन को मारी गोली

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। पटना में जुआ खेलने से मना करने पर बदमाशों ने 3 युवकों को गोली मार दी। फायरिंग में तीनों घायल हो गए हैं। जिन्हें नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एनएमसीएच) ले जाया गया। जहां उनका अभी इलाज चल रहा है। घायलों में साहुल कुमार, विकास कुमार और अंकित कुमार शामिल हैं। साहुल और विकास के पैर में बुलेट लगी है, जबकि अंकित के सीने में गोली लगी है। इस कारण अंकित की स्थिति अभी गंभीर बनी हुई है। घायल के भाई साहुल ने कहा कि 40 राउंड बदमाशों ने फायरिंग की है। घटना दीदारगंज थाना क्षेत्र के ज्ञानचक गांव की है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घटनास्थल का निरीक्षण किया, जहां से 15 खोखे और 1 जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। दोनों पक्षों की ओर से मामला दर्ज हुआ है। गिरफ्तारी/हिरासत में एक पक्ष से दिनेश सिंह और गोरख सिंह शामिल हैं, जबकि दूसरे पक्ष से अंकित, साहुल, विकास, और नीतीश शामिल हैं। जेल भेजे गए व्यक्तियों में गोरख सिंह, दिनेश सिंह, और विकास शामिल हैं। बाकी तीन घायल व्यक्तियों का इलाज जारी है। पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है।

युवक की गोली मारकर हत्या करने का आरोप

पटना (नि. सं.)। पटना के बाढ़ थाना क्षेत्र के राणाबीघा गांव के पास मोनू कुमार (23) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मोनू राणाबीघा गांव का ही निवासी था। उसे घर से बुलाकर दो गोलियां मारी गईं और फिर शव को पईन में फेंक दिया गया। इस हत्या का आरोप मोनू के साथ रहने वाले जन्मेजय सिंह उर्फ बंटी सिंह पर लगा है। घटना के बाद मोनू को तुरंत अनुमंडलीय अस्पताल बाढ़ ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई जयराम कुमार ने बताया कि मोनू आरोपी के साथ रहता था। आरोपी ने उसे घर से बुलाया और गांव से थोड़ी दूर ले जाकर दो गोलियां मारीं। मोनू को एक गोली सीने में और दूसरी पेट के पास लगी थी। जयराम के अनुसार, गोली मारने के बाद आरोपी ने मोनू के शव को पास के पईन में फेंक दिया। मृतक मजदूरी का काम करता था और आरोपी के साथ उसका कोई पुराना विवाद नहीं था।

ऑटो-पिकअप की टक्कर, 4 लोग घायल

पटना (नि. सं.)। बिहटा में एक सड़क दुर्घटना में 5 लोग घायल हो गए। घटना आईआईटी अम्हारा थाना क्षेत्र के बिहटा लई रोड के कलीगंज गांव के पास गुरुवार की देर शाम हुई। घटना में पांच घायलों में से एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत इलाज के क्रम में पटना हो गई। मृतक की पहचान बिहटा के आईआईटी अम्हारा थानाक्षेत्र के नथूपुर गांव निवासी 60 वर्षीय बेगम राम के रूप में हुई है। बताया गया कि एक टेंपो और पिकअप वैन की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि टेंपो में सवार कई लोग उसमें फंस गए। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सभी घायलों को टेंपो से बाहर निकाला गया। उन्हें तुरंत बिहटा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। गंभीर रूप से घायल दो लोगों को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है। घटना के बाद पिकअप वैन का चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है। इधर घटना के बाद कई थानों की पुलिस भी मौके पर पहुंचकर पहुंची। फिलहाल, घायलों की पहचान की जा रही है। अमहारा थानाध्यक्ष शिवशंकर कुमार ने बताया कि दो लोग काफी गंभीर रूप से घायल थे। उनको इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है। घटना के बाद से दोनों वाहनों को जप्त कर लिया गया है। पिकअप चालक फरार है, जिसकी गिरफ्तारी में पुलिस की टीम लग गई है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025: औरंगाबाद में राजनीतिक हवा बदली, एनडीए की तूफ़ानी वापसी

औरंगाबाद जिले में एनडीए की प्रचंड वापसी : छह में पांच सीटें जीतीं, गोह से राजद ने बचाई लाज

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद, बिहार

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजों ने औरंगाबाद जिले की राजनीति में पिछले पाँच वर्षों के भीतर सबसे बड़ा भूचाल ला दिया। साल 2020 के विधानसभा चुनाव में इस जिले की सभी छह सीटों पर महागठबंधन ने एनडीए को पूरी तरह शिकस्त दी थी। वह चुनाव एनडीए के लिए 'काला अध्याय' माना गया था, क्योंकि औरंगाबाद कभी भाजपा और जदयू का गढ़ माना जाता था। लेकिन 2025 में कहानी उलट गई और वह भी बेहद नाटकीय ढंग से। एनडीए ने जिले की छह में से पाँच सीटें जीतकर राजनीतिक मानचित्र बदल दिया, जबकि गोह विधानसभा महागठबंधन की झोली में एकमात्र 'सांत्वना जीत' के रूप में रह गई। यह परिणाम सिर्फ जीत-हार का मामला नहीं है; यह बताता है कि पाँच वर्षों में जिले का राजनीतिक मूड किस तरह बदला, किन नई आकांक्षाओं ने जन्म लिया, किन मुद्दों ने जनता को प्रभावित किया, और कौन से नेता अपनी पकड़ वापस मजबूत करने में सफल रहे।

सुबह 8 बजे से काउंटिंग शुरू होते ही जिला मुख्यालय की फिज़ा बदल गई। चुनावी कार्यालयों से लेकर चाय की दुकानों तक बस एक ही चर्चा "कौन कितने राउंड से आगे?" कई राउंड में बढ़त इतनी कम थी कि अधिकारी तक बार-बार आकड़ों की दोबारा जाँच कर रहे थे। मतगणना केंद्रों के बाहर उम्मीदवार समर्थकों की भीड़ कभी जश्न में झूमती, कभी सिर पकड़े बैठ जाती। सबसे ज्यादा रोमांच नबीनगर और रफीगंज में देखा गया, जबकि कुटुम्बा और ओबरा लगभग शुरुआत से ही एनडीए की ओर झुक चुके थे।

10 वर्षों का इतिहास बदला, त्रिविक्रम सिंह की दमदार वापसी

औरंगाबाद सदर जलि की 'पावर सीट' मानी जाती है। यहां से कांग्रेस के आनंद शंकर सहि लगातार दो बार 2015 और 2020 में जीत चुके थे और तीसरी बार जीत का सपना लेकर मैदान में थे। लेकनि इस बार राजनीतकि हवा बदल चुकी थी धीरे-धीरे मगर नश्चिति रूप से। शुरुआत से भाजपा के त्रविक्रिम नारायण सहि आगे रहे। बीच में 2-3 राउंड में आनंद शंकर सहि ने मामूली बढ़त ली। हर राउंड में वोट अंतर 500-1500 के बीच झूलता रहा। अंतमि परणिाम में त्रविक्रिम ने 6794 वोटों से जीत दर्ज की

अंतिम आंकड़े : भाजपा – 87200 वोट, कांग्रेस – 80406 वोट, बसपा – 19776 वोट। इस जीत ने भाजपा के लिए संकेत दिया कि औरंगाबाद सदर में संगठनात्मक ढांचा फिर से मजबूत हो चुका है और जनता बदलाव चाहती थी।

सीट–वार संक्षिप्त परिणाम

- **औरंगाबाद सदर** — भाजपा की जीत, त्रिविक्रम
- **ओबरा** — लोजपा (रा) की बड़ी जीत
- **कुटुम्बा** — हम पार्टी की रिकॉर्ड जीत
- **नबीनगर** — जदयू की रोमांचक जीत
- **रफीगंज** — जदयू की निर्णायक जीत
- **गोह** — राजद की एकमात्र जीत

ओबरा: प्रकाश चंद्रा की दबदबे वाली जीत, यादव बहुल इलाके में भी मिला समर्थन

ओबरा में 2020 की हार का बदला पूरी ताकत से लिया गया। लोजपा (रा) के प्रकाश चंद्रा के लिए यह चुनाव 'प्रतिष्ठा का सवाल' माना जा रहा था। ऋषि कुमार जो मौजूदा विधायक थे के खिलाफ लड़ाई व्यक्तिगत और राजनीतिक दोनों स्तर पर कड़ी थी। दाउदनगर शहर से लेकर यादव बहुल ग्रामीण इलाकों तक, प्रकाश चंद्रा को व्यापक समर्थन मिला। मतगणना की शुरुआत से ही उन्होंने बढ़त बनाए रखी और अंत में करीब 17 हजार वोटों से बड़ी जीत दर्ज की।

रफीगंज: 20 साल की सेवा का मिला फल, प्रमोद सिंह की पहली जीत

रफीगंज में मुकाबला बेहद दिलचस्प रहा। यहां 2020 में राजद के नेहालुद्दीन ने प्रमोद सिंह को मात दी थी। इस बार राजद ने नेहालुद्दीन को टिकट नहीं दिया और गुलाम शाहिद को मैदान में उतारा। शुरुआती गिनती में शाहिद लगातार आगे रहे। लेकिन जैसे ही मदनपुर प्रखंड के मतों की गिनती शुरू हुई, पूरा समीकरण बदल गया। प्रमोद सिंह जो 2015 और 2020 में भी चुनाव लड़े थे और हमेशा दूसरे स्थान पर रहे इस बार बड़े अंतर से जीतते हुए उभरे। 12,064 वोटों से मिली यह जीत उनके 20 वर्षों के निरंतर जनसंपर्क का परिणाम मानी जा रही है।

जिले की छह सीटों का पूरा चुनावी नतीजा

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार 2025 का यह रिजल्ट साफ संकेत देता है कि जिले में राजनीतिक ध्रुवीकरण तेज हुआ है।

एनडीए बनाम महागठबंधन—लड़ाई पूरी तरह सीधी रही।

अन्य दलों व निर्दलीयों का प्रदर्शन नगण्य रहा। कोई भी सीट 'त्रिकोणीय' नहीं बनी। न वोट कटे, न कोई अप्रत्याशित फैक्टर उभरा।

नबीनगर: सबसे रोमांचक मुकाबला, जीत मात्र 138 वोट से

नबीनगर में चुनावी संघर्ष अपने चरम पर रहा। यहां बाहुबली पूर्व सांसद आनंद मोहन और सांसद लवली आनंद के बेटे चेतन आनंद मैदान में थे। शुरुआती दौर में चेतन को 'बाहरी उम्मीदवार' कहकर विरोध किया गया, लेकिन उनके लगातार जनसंपर्क और संगठन के प्रयासों से माहौल बदला। मतगणना के पहले सात राउंड में कभी अमोद आगे, कभी चेतन। एक समय ऐसा भी आया जब अमोद चंद्रवंशी सिर्फ दो वोट से आगे थे। अंत में जनता ने जदयू नेता चेतन आनंद पर भरोसा जताया और उन्होंने 138 वोट से जीत दर्ज की।

गोह: महागठबंधन की एकमात्र जीत, अमरेन्द्र ने रोकी एनडीए की क्लीन स्वीप

गोह विधानसभा में भाजपा के पूर्व विधायक डॉ. रणविजय कुमार और राजद के अमरेन्द्र कुशवाहा के बीच सीधा मुकाबला था। 2020 में राजद यहां से जीती थी, लेकिन इस बार पार्टी ने भीम यादव को टिकट न देकर अमरेन्द्र पर दांव खेला। काउंटिंग के अंतिम चरणों में अमरेन्द्र ने निर्णायक बढ़त बनाई और 3961 वोटों से गोह सीट को महागठबंधन के खाते में डाल दिया।

कुटुम्बा: हाई-प्रोफाइल सीट पर ललन राम की शानदार जीत

इस सुरक्षित सीट पर पूरी बिहार की नज़र थी क्योंकि यहां कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम चुनाव मैदान में थे। 2015 और 2020 दोनों चुनावों में उन्होंने इस क्षेत्र से जीत दर्ज की थी और वे रिकॉर्ड बनाने की उम्मीद कर रहे थे। उधर ललन राम जो पहले भी इस क्षेत्र के विधायक रह चुके हैं ने हाल में ही हम पार्टी ज्वाइन की थी और पहली बार इसके सिंबल पर चुनाव लड़ रहे थे। काउंटिंग की शुरुआत से अंत तक ललन राम ने लगातार बढ़त बनाए रखी। अंततः उन्होंने 21 हजार से अधिक वोटों से राजेश राम को हराकर हॉट सीट पर एनडीए का झंडा फहरा दिया।

पटना की 11 सीटों पर एनडीए की प्रचंड जीत: बाहुबली मुकाबले में अनंत सिंह की जीत, रीतलाल यादव बुरी तरह हारे, 14 में सिर्फ 3 सीट तक सिमटा महागठबंधन

निज संवाददाता | पटना

विधानसभा चुनाव के नतीजे ने राजधानी की राजनीति का पूरा संतुलन बदल दिया है। पटना जिले की कुल 14 सीटों में से 11 पर एनडीए ने कब्जा जमाते हुए निर्णायक बढ़त बनाई, जबकि महागठबंधन सिर्फ तीन सीटों पर सिमटकर रह गया। एनडीए की यह जीत मतदाताओं की स्पष्ट पसंद को दर्शाती है — नेतृत्व पर भरोसा, स्थानीय मुद्दों पर विश्वास और विकास के दावों पर मुहर। पूरे जिले की नजरें जिन दो सीटों पर सबसे ज्यादा टिकी थीं, उनमें दानापुर और मोकामा का मुकाबला सबसे रोमांचक रहा। मोकामा में जदयू प्रत्याशी अनंत सिंह ने जीत के नए रिकॉर्ड बनाए। जेल में बंद रहने के बावजूद उनका जनाधार बिल्कुल नहीं डगमगाया और उन्होंने राजद की वीणा देवी को 28206 वोट के भारी अंतर से हराकर मैदान अपने नाम कर लिया। समर्थकों के बीच यह जीत एक बार फिर साबित करती है कि मोकामा की राजनीति व्यक्तिवादी प्रभाव पर आधारित है और अनंत सिंह की पकड़ आज भी मजबूत बनी हुई है।

इसके ठीक उलट, दानापुर में बाहुबली छवि वाले राजद प्रत्याशी रीतलाल यादव को कड़ी हार मिली। बीजेपी के रामकृपाल यादव ने उन्हें 29133 वोट के अंतर से पछाड़ दिया। चुनाव प्रचार के समय जिस सीट पर रीतलाल यादव को मजबूत दावेदार माना जा रहा था, वहां मतदाताओं ने आखिरी समय में पूरी दिशा बदलते हुए एनडीए को निर्णायक समर्थन दिया। पटना शहरी क्षेत्र में बीजेपी का दबदबा सबसे स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। बांकीपुर से नितिन नवीन ने 51936 मत के भारी अंतर के साथ लगातार बढ़त बनाए रखी और दोबारा सीट पर कब्जा किया। पटना साहिब, कुम्हरार, दीघा और बाढ़ सीटों पर भी बीजेपी ने आराम से जीत दर्ज की। इन सभी सीटों पर मुकाबला शुरुआत से ही एकतरफा दिखाई देता रहा और मतगणना के हर राउंड में एनडीए की बढ़त बढ़ती गई। फुलवारीशरीफ, मसौढ़ी और मोकामा में जदयू ने शानदार प्रदर्शन कर एनडीए के कुल आंकड़े को और मजबूत किया। वहीं महागठबंधन की ओर से सबसे बड़ा सहारा पालीगंज, फतुहा और मनेर सीटों से मिला, जहां राजद और सीपीआई (एमएल) ने बेहतर संघर्ष करते हुए जीत हासिल की। लेकिन इन तीन जीतों के बावजूद परिणामों ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि पटना की समग्र जनता इस चुनाव में एनडीए के पक्ष में एकजुट होकर सामने आई। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पटना की मतदाताओं ने इस बार जातिगत समीकरण से ज्यादा सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और स्थानीय पहुंच को निर्णायक आधार बनाया। शहरी मतदाता विकास मॉडल से प्रभावित दिखाई दिए, जबकि ग्रामीण इलाकों में भी सार्वजनिक कार्यों और व्यक्तिगत संपर्क ने ज्यादा असर छोड़ा।

पटना के चुनावी परिणाम बताते हैं कि राजधानी में सत्ता बदलना जितना आसान नहीं, उतना ही कठिन चुनौती विपक्ष के सामने खड़ी हो चुकी है। एनडीए के लिए यह नतीजे मजबूती का प्रमाण हैं, वहीं महागठबंधन के लिए यह संकेत है कि अगले चुनाव तक राजनीतिक रणनीति और ज़मीनी नेटवर्क दोनों को और धार देनी होगी।

नीतीश कुमार की पार्टी जदयू की बड़ी छलांग : 2025 के नतीजे बने बदलती राजनीतिक तस्वीर का संकेत, सीटें रिकॉर्ड बढ़त की ओर

निज संवाददाता | पटना

चुनावी नतीजे सामने आने के साथ ही बिहार की राजनीति नई दिशा लेती दिख रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड ने इस बार ऐसा प्रदर्शन किया है जिसने पिछले चुनाव के सभी आंकड़े पीछे छोड़ दिए हैं। वर्ष 2020 में जहां जदयू की सीटें 50 के नीचे सिमट गई थीं, वहीं 2025 के नतीजों में पार्टी ने जोरदार वापसी करते हुए अब तक 76 सीटों पर बढ़त बना ली है। यह सिर्फ सीटों का आंकड़ा नहीं, बल्कि नीतीश कुमार के नेतृत्व पर मतदाताओं के दोबारा भरोसे का बड़ा प्रमाण माना जा रहा है। इस चुनाव का सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश यह है कि एनडीए के भीतर जदयू और बीजेपी दोनों की ताकत एक-दूसरे को पूरक साबित हुई है। बीजेपी इस बार 85 सीटों पर बढ़त के साथ सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरती दिखाई दे रही है, जबकि जदयू की सीटों में आई भारी वृद्धि सत्ता समीकरण को सहज और स्थिर बनाती हुई दिख रही है। यानी, ऐसा माहौल जिसमें सहयोगी दलों का प्रदर्शन संतुलित हो — न सिर्फ सरकार बनाने में आसानी लाता है बल्कि शासन को स्थिरता भी देता है।

जदयू के उम्मीदवार जिन क्षेत्रों से आगे चल रहे हैं, वहां मतदाताओं का रुझान स्पष्ट रूप से प्रशासनिक स्थिरता, क्षेत्रीय नेतृत्व और पिछले वर्षों में हुए विकास कार्यों के आधार पर दिखा है। पार्टी के कई पुराने प्रभावशाली नाम मजबूत बढ़त बनाए हुए हैं, वहीं कुछ नए चेहरे भी इस बार मतदाताओं के बीच लोकप्रिय साबित होते दिख रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषक इसे ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में जदयू की जमीनी पकड़ का संकेत मान रहे हैं, जबकि शहरी और व्यवसायिक इलाकों में बीजेपी की बढ़त अपेक्षा के अनुरूप सामने आई है। नतीजों की यह तस्वीर सत्ता की ओर जाते रास्ते को पहले की तुलना में ज्यादा स्पष्ट, मजबूत और बिना तनाव वाला बना चुकी है। जदयू कैंप में उत्साह का माहौल है — एक तरफ फिर से सरकार बनने की संभावनाएँ लगभग पक्की हो चुकी हैं, दूसरी तरफ सीटों में बढ़त ने पार्टी का आत्मविश्वास कई गुना बढ़ा दिया है। चुनाव प्रचार के दौरान बार-बार दोहराया गया "अनुभव + विकास" का फार्मूला जनता को स्वीकार्य होता दिखा है और यही वजह है कि 2020 और 2025 के चुनावी प्रदर्शन के बीच अंतर को "कमबैक" की बजाय "कमांड रिटर्न" कहा जा रहा है। राजनीतिक तौर पर यह तस्वीर बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि विपक्ष ने चुनाव अभियान में सत्ता विरोधी लहर का दावा किया था, लेकिन वास्तविक वोटिंग और मतगणना ने पूरी कहानी पलट दी।

एनडीए की जीत पर घुसिया खुर्द में जश्न, अबीर–गुलाल और मिठाइयों के बीच गूंजे नारे, नेताओं ने कहा-यह भरोसे की जीत

निज संवाददाता | रोहतास

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिले प्रचंड बहुमत के बाद रोहतास जिले में राजनीतिक उत्साह चरम पर है। 14 नवंबर की शाम बिक्रमगंज प्रखंड के घुसिया खुर्द शक्ति केंद्र पर कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने जीत का जश्न मनाया। काराकाट विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इस केंद्र में लोगों में उत्साह का माहौल ऐसा था कि हर कोई एक-दूसरे के गले मिलकर बधाई दे रहा था। गांव की गलियां अबीर–गुलाल से रंग गईं और मिठाइयों की खुशबू माहौल को पूरी तरह जश्न में रंगती रही। कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने एनडीए की जीत को देश और बिहार के लिए निर्णायक चुनाव बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति समर्थन व्यक्त किया। भाजपा के जिला प्रवक्ता नवीन चंद्र शाह ने इस जीत को राष्ट्रवाद और विकासवाद की जीत करार देते हुए कहा कि जनता ने उन योजनाओं और कार्यों पर भरोसा जताया जिनका लाभ सीधे आम लोगों तक पहुंचा है। उनके अनुसार विरोधी दलों ने जितनी नकारात्मकता फैलाई, जनता ने उतनी ही मजबूती के साथ उसे खारिज किया।

जश्न के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, लोजपा (रा) के चिराग पासवान, हम के जीतन राम मांझी और रालोमो के उपेंद्र कुशवाहा के समर्थन में नारे गूंजते रहे। लोगों ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान एनडीए के स्टार प्रचारकों ने जिस मेहनत और ऊर्जा के साथ अभियान चलाया, जनता ने उसी के अनुरूप परिणाम दिया। समारोह में मंडल के उपाध्यक्ष नवनीत शाह, जदयू नेता प्रमोद चौधरी, डॉ. प्रोफेसर शंभू शरण चौधरी, उमेश सिंह, सुनील सिंह, शिक्षक दिनेश सिंह, मुन्ना गुप्ता, संतोष गुप्ता, पीतांबर गुप्ता, विनोद चौधरी, हरक पासवान, श्रीभगवान पासवान, जीविका दीदी कमला देवी, शिवकुमारी देवी, आशा देवी और भाजपा की जिला उपाध्यक्ष मालती कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। सभी ने जनता के विश्वास और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि आने वाले समय में विकास के कार्यों को और तेज रफ़्तार से आगे बढ़ाया जाएगा। घुसिया खुर्द में देर शाम तक ढोल–नगाड़े, आतिशबाजी, नारे और खुशी की रंगत छाई रही। गांव में हर चेहरा विश्वास और उत्साह से भरा दिखाई दे रहा था — मानो यह जीत सिर्फ एक राजनीतिक परिणाम नहीं, बल्कि उम्मीदों और विकास पर भरोसे की घोषणा हो।

सासाराम से आरएलएम उम्मीदवार स्नेहलता की जीत चेनारी के प्रत्याशी ने कहा, युवाओं को देंगे रोजगार

निज संवाददाता | रोहतास (सासाराम)

रोहतास जिले की किस्मत तय करने वाली मतगणना पूरी हो चुकी है और नतीजों ने जिले की राजनीतिक तस्वीर पूरी तरह बदलकर रख दी है। पिछली बार जिस रोहतास में एनडीए का लगभग सफाया हो गया था, वहीं इस बार हालात उलट गए और गठबंधन ने सात में से छह सीटों पर जीत दर्ज कर बड़ी वापसी की है। सबसे ज़्यादा चर्चा में रहने वाली सीट सासाराम ने इस वारी सबसे बड़ा मोड़ दिया, जहां आरएलएम प्रत्याशी स्नेहलता कुशवाहा विजयी हुईं और सभी अनुमानों को पीछे छोड़ते हुए चुनाव का समीकरण बदल दिया। सासाराम सीट का चुनाव शुरू से ही दिलचस्प माना जा रहा था। एनडीए की ओर से चुनाव लड़ रहीं स्नेहलता कुशवाहा (उपेंद्र कुशवाहा की पत्नी) को राजद के पूर्व विधायक सतेंद्र शाह और बसपा प्रत्याशी व पूर्व जदयू विधायक अशोक कुशवाहा से कड़ा मुकाबला मिला। वोटों की गिनती के हर राउंड में स्थिति बदलती रही, लेकिन अंत में बढ़त स्थिर हुई और स्नेहलता ने जीत दर्ज की। इस परिणाम के बाद राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि सासाराम में जातीय और पारंपरिक समीकरणों से अधिक व्यक्तिगत छवि और स्थानीय पहुंच ने भूमिका निभाई।

इस चुनाव में काराकाट सीट सबसे अधिक सुर्खियों में रही। जिले की 'हॉट सीट' मानी जाने वाली इस विधानसभा में मुकाबला पूरी तरह अप्रत्याशित मोड़ लेता गया। निर्दलीय उम्मीदवार ज्योति सिंह ने चुनाव मैदान में ऐसी पकड़ दिखाई कि एनडीए और महागठबंधन दोनों के पारंपरिक आधार चुनौती में पड़ गए। अंत तक संघर्ष जारी रहा और अंत में ज्योति तीसरे स्थान पर रहीं, लेकिन उनका प्रदर्शन पूरे जिले में चर्चा का विषय बना रहा। काराकाट के चुनाव प्रचार के दौरान जिस तरह भीड़ उमड़ी थी, उसने चुनाव को हाई-प्रोफाइल बना दिया था। रोहतास जिले में मुकाबलों की विविधता ही इस चुनाव की सबसे बड़ी पहचान रही। नोखा में राजद की अनीता चौधरी और जदयू के नागेंद्र चंद्रवंशी के बीच सीधी टक्कर ने आखिरी राउंड तक उत्सुकता बनाए रखी। दिनारा में कांग्रेस के राजेश यादव, एनडीए उम्मीदवार आलोक सिंह और निर्दलीय पूर्व मंत्री जयकुमार सिंह के बीच त्रिकोणीय संघर्ष ने वोट बांटे और अनुमान मुश्किल बनाए रखे। डेहरी में राजद और लोजपा के बीच कांटे की टक्कर जातीय समीकरणों, बुनियादी मुद्दों और पुराने चुनावी प्रदर्शन के कारण पूरे समय बहस में रही।

सबकी निगाहें चेनारी सीट पर भी रहीं, जहाँ इस बार चुनाव का चरित्र पहले से बिल्कुल अलग दिखा। अनुसूचित जाति आरक्षित क्षेत्र होने के बावजूद परंपरागत मुकाबले की जगह महिला उम्मीदवारों ने यहां मुख्य चुनौती पेश की। लोजपा के पूर्व मंत्री मुरारी गौतम को कांग्रेस की मंगलम नटराज और जन सुराज पार्टी की नेहा नटराज के सामने कड़े संघर्ष से गुजरना पड़ा। चेनारी के एक प्रमुख उम्मीदवार ने जीत के प्रति विश्वास जताते हुए कहा कि अगर जनता भरोसा करती है, तो प्राथमिकता युवाओं को रोजगार देना और जिले में आर्थिक अवसर बढ़ाना होगा। करगहर में मुकाबले में थोड़ा फिल्मी रंग भी जुड़ गया था। यहां कांग्रेस के विधायक संतोष मिश्रा के सामने जेडीयू के वशिष्ठ सिंह के साथ भोजपुरी गायक और जन सुराज प्रत्याशी रितेश पांडे मैदान में थे। उनकी लोकप्रियता ने अभियान को भीड़ भरी सभाओं तक पहुंचा दिया था और करगहर पूरे चुनाव के दौरान चर्चा का हिस्सा बना रहा। रोहतास जिले के मतगणना केंद्रों पर प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। मोबाइल फोन, लैपटॉप और किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को काउंटिंग परिसर में ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध लागू था। मतगणना स्थल के 200 मीटर दायरे में आम लोगों की प्रवेश पूर्णतः बंद कर दी गई थी। सुरक्षा के तीन-स्तरीय घेरे, सीसीटीवी निगरानी, वीडियो रिकॉर्डिंग और पुलिस बल की भारी तैनाती ने पूरे दिन काउंटिंग प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित बनाए रखा।

बिक्रमगंज में सब्जी बाजार के पास बाइक चोरी

निज संवाददाता | रोहतास

रोहतास जिले के बिक्रमगंज शहर के सासाराम रोड स्थित सब्जी बाजार के पास से शुक्रवार शाम 5 बजे एक बाइक चोरी हो गई। यह लगातार दूसरे दिन हुई बाइक चोरी की घटना है। इससे एक दिन पहले भी सासाराम रोड में ही पानी टंकी के पास से एक बाइक चोरी हुई थी। इन लगातार घटनाओं से स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ गई है। दावथ थाना क्षेत्र के छितनी निवासी अधिवक्ता संजीव कुमार राय ने इस संबंध में बिक्रमगंज थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार शाम 5 बजे उन्होंने अपनी बाइक सब्जी बाजार के पास खड़ी की थी और सब्जी खरीदने चले गए थे। जब वे लौटे तो बाइक वहां नहीं मिली। काफी खोजबीन के बाद भी बाइक का कोई सुराग नहीं मिलने पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। चोरी हुई मोटरसाइकिल का नंबर BR24S/3032, मॉडल पैशन प्रो है। थाना प्रभारी ललन कुमार ने बताया कि बाइक मालिक के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस सब्जी बाजार के आसपास की दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर चोर की पहचान करने का प्रयास करेगी।

चेनारी सीट पर मुरारी प्रसाद गौतम की बड़ी जीत, 20 हजार से अधिक मतों के अंतर से कांग्रेस प्रत्याशी मंगल राम पर विजय – समर्थक रातभर जश्न में डूबे

निज संवाददाता | चेनारी

बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों ने रोहतास जिले के चेनारी क्षेत्र में उत्साह की लहर ला दी है। चिराग पासवान की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के उम्मीदवार मुरारी प्रसाद गौतम ने यहां शानदार जीत दर्ज की है। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी मंगल राम को 20 हजार से अधिक मतों के अंतर से पराजित कर विधानसभा पहुंचने का रास्ता साफ किया। अंतिम राउंड में ही जीत का संकेत स्पष्ट होते ही मतगणना केंद्र से लेकर गांवों और बाजारों में खुशी की लहर दौड़ गई। जैसे ही आधिकारिक तौर पर जीत की घोषणा हुई, नौहट्टा और रोहतास प्रखंड के गांवों में उत्सव जैसा माहौल दिखाई दिया। समर्थकों ने पटाखे जलाए, ढोल-नगाड़े बजाए और नारे लगाते हुए एक-दूसरे को बधाई दी। कई स्थानों पर मिठाई बांटी गई और नेताओं के समर्थकों ने विजय जुलूस भी निकाला। देर रात तक आतिशबाजी और नारेबाजी के बीच माहौल उत्साह से भरा रहा। स्थानीय कार्यकर्ताओं ने इस जीत को जनता द्वारा सरकार, नीतियों और विकास के प्रति भरोसे का परिणाम बताया। उनका कहना है कि मुरारी प्रसाद गौतम की जीत से चेनारी में विकास की नई उम्मीदें जगी हैं और जनता मानती है कि क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए यह नेतृत्व प्रभावी साबित होगा। समर्थकों का यह भी कहना है कि चुनाव प्रचार के दौरान मुरारी प्रसाद गौतम ने जमीनी मुद्दों को उठाया और जनता से सीधे संवाद कर विश्वास हासिल किया। चेनारी सीट पर मिली यह जीत सिर्फ राजनीतिक परिणाम नहीं, बल्कि जनता की उम्मीदों का संदेश भी बनकर सामने आई है। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि आने वाले दिनों में क्षेत्र में विकास कार्य किस गति से आगे बढ़ते हैं।